जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, बुधवार 2 अगस्त, 2023

NPO NEW PRODUCT OFFER

CLOSES ON 31ST AUGUST, 2023

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

5 महीने में 25 लाख और पजेशन तक 50 लाख तक का रिटर्न

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप कीमत (लाख में)	NPO New Product Offer आज की रेट	31 अगस्त की रेट +5%	30 सितम्बर की रेट +10%	31 अक्टूबर की रेट +15%	30 नवम्बर की रेट +20%	31 दिसम्बर की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दुरात्मा के लिए देश भक्ति अंतिम शरण है। –जॉन्सन

चमक खोती गांधी विचार की संस्थाएं और उन पर कहर

वाराणसी में छह दशकों से महात्मा गांधी के विचारों के प्रचार का काम कर रही बापू, विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण के अनुयाइयों की संस्था 'सर्व सेवा संघ' के परिसर को रेलवे की ज़मीन पर अवैध कब्जा मानते हुए जिस प्रकार पुलिस के बल की मदद से बेदखल किया गया है तथा वहां के पुस्तकालय तथा कार्यालय से पुस्तकों तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों को उठा कर बाहर फेंका गया है उससे बहुत से लोग सदमे में हैं। लोगों को लगता है कि महात्मा गांधी की वैचारिक विरासत को मिटा देने के व्यवस्थित प्रयासों का यह एक हिस्सा है। 'सर्व सेवा संघ' का परिसर वाराणसी में ओल्ड जीटी रोड और वरुणा नदी के बीच स्थित है। इसी परिसर के एक हिस्से में गांधी विद्या संस्थान है। जब से काशी रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल स्टेशन और खिड़कियां घाट को 'नमो घाट' में तब्दील किया गया है तभी से इस संस्था के पूरे परिसर पर प्रशासन की नजर बताई जाती है। दिसंबर 2020 में प्रशासन ने परिसर के एक हिस्से पर जबरन अधिकार जमा कर उस जगह को काशी कॉरिडोर के वर्कशॉप के लिए ठेकेदार को आवंटित कर दी थी। वाराणसी के कमिश्नर द्वारा संस्थान के एक भवन को अपनी मर्जी से राष्ट्रीय इंदिरा गांधी कला केंद्र के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए उपलब्ध कराने के प्रयास की बात भी सामने आई है। भूदान के प्रणेता विनोबा भावे की कल्पना के आधार पर 1960 में 'सर्व सेवा संघ' परिसर की स्थापना वाराणसी में हुई थी। इस परिसर के लिए 1960, 1961 और 1970 में भूमि रेलवे से खरीदी गयी थी जिसका क्रय मूल्य ट्रेजरी के माध्मय से जमा हुआ। तीनों रजिस्ट्री करने वाले रेलवे अधिकारी तत्कालीन डिविजनल रेलवे इंजीनियर थे और रेलवे के उस समय के प्रावधानों के अनुसार विक्रय की कार्यवाही के लिए सक्षम प्राधिकारी थे। रजिस्ट्री के समय रजिस्ट्रार ने विक्रय करने वाले अधिकारियों की वैधानिकता को पूरी तरह जांच करने के बाद सेल डीड जारी की थी। राजस्व अभिलेखों में भी 1960 और 1961 की रजिस्टरियों के आधार पर 'सर्व सेवा संघ' का उल्लेख चला आ रहा है। यह गांधीवादी संस्था अपनी भूमि का उपयोग और उपभोग भी लगातार करता रहा है। केवल एक रजिस्ट्री जो 1970 में हुई है का अमलदरामत तकनीकी कमियों से नही हो सका, जिसकी पत्रावली अब तक लंबित है। देखने वाली बात यह है कि इस भूमि को लेकर रेलवे का सर्व सेवा संघ के साथ कभी कोई विवाद भी नहीं रहा। परिसर में गांधी चित्र प्रदर्शनी, बालवाडी, सभागार, विनोबा कुटी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन कार्यालय आदि संचालित हो रहे थे। इसके अलावा परिसर में 20 से अधिक कर्मचारियों के परिवार कई वर्षों से रह रहे थे। प्रशासन ने संघ की समस्त गतिविधियों को बंद करा कर सभी को उसके परिसर से बाहर ही नहीं निकाल दिया बल्कि पुस्तकालय की किताबों को भी बाहर फेंक दिया। वाराणसी के सौंदर्यीकरण के नाम पर यह बलि ली जा रही है। सर्व सेवा संघ का परिसर सघन वृक्षों से आच्छादित है और अनेक वृक्ष तो सौ वर्ष से भी अधिक के हैं जिनको धरोहर की श्रेणी में माना जाता है। इनमें इमारती, फलदार, शोभाकार और औषधीय वृक्ष शामिल हैं। यह क्षेत्र वरुणा और गंगा नदियों की दो सौ मीटर की परिधि के क्षेत्र में आता है जिस पर किसी नये निर्माण की योजना बनाने से पहले राष्ट्रीय हरित आयोग की अनापत्ति लेनी आवश्यक होती है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने काशी स्टेशन के प्रस्तावित विकास की परियोजना के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का सामाजिक अंकेक्षण, जन सुनवाई, राष्ट्रीय हरित आयोग की अनापत्ति जैसे प्रक्रिया को सार्वजनिक किये जाने की मांग की थी किन्तु उसे भी नजरअंदाज कर दिया गया। सर्व सेवा संघ की तरफ से सभी सक्षम अधिकारियों को बार-बार कहा गया कि परिसर के स्वामित्व की बाबत लम्बित मुकदमे की सुनवाई तक कोई कार्यवाही न की जाय मगर दिनांक 22 जुलाई को पौ फटने से भी पहले भारी पुलिस बल वहां पहुंचा और बिना किसी आदेश या नोटिस के आनन-फानन में बेदखली की इकतरफा कार्यवाही को अंजाम दे दिया। राष्ट्रपति के भेजे गए एक ज्ञापन यही सारी शिकायत करते हुए बताया गया है कि रेलवे प्रशासन ने सभी भवनों पर ताले लगा दिये हैं और परिसर में आम जन का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि ऐसा करने के लिए किसी न्यायालय का कोई आदेश नही है।

> **गांधी विचार से जुड़ी संस्थाओं के लिए भी यह आत्मावलोकन का समय है। क्यों उनकी हैसियत इतनी गिर गई है कि प्रशासन उनके खिलाफ इस हद तक चला जाता है और देश के आम आदमी में कोई बेचैनी, कोई सुरसुराहट नहीं होती। मुख्यधारा के मीडिया के लिए भी यह कोई मुद्दा नहीं होता।**

प्रशासन का कहना है कि 63 साल पहले इस जमीन को किसी भी संस्था को बेचने की कोई नीति नहीं थी तथा रेलवे द्वारा उसे बेचने के लिए कोई निविदा प्रक्रिया भी नहीं अपनाई गई। इसी को आधार बना कर वाराणसी के जिलाधिकारी ने पिछले माह अचानक एक आदेश पारित कर वर्ष 1960, 1961 एवं 1970 की इस भूमि की खरीद फरोख्त को अमान्य करार दे दिया। यह तर्क दिया गया कि रेलवे द्वारा सर्व सेवा संघ को भूमि का बेचान होना तथा उसकी रजिस्टरियां कूट रचना थी। कहा गया कि जिस वरिष्ठ रेल अधिकारी के हस्ताक्षरों से रेलवे की भूमि सर्व सेवा संघ को मिली वह ऐसा करने के लिए अधिकृत नहीं था। जिलाधिकारी ने प्रभावित पक्ष का यह तर्क अनसुना कर दिया कि समस्त साक्ष्य और दस्तावेज बताते हैं कि तत्कालीन व्यवस्थाओं में वही अधिकारी प्राधिकृत था तथा आज के नये प्रावधानों की रोशनी में उसे नहीं देखा जा सकता। इस प्रकरण पर रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वाई. पी. आनंद का भी सार्वजनिक बयान आया है जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि 'सर्व सेवा संघ' को रेलवे द्वारा आवंटित जमीन के विक्रय-पत्र पर नॉर्दर्न रेलवे के डिविजनल इंजीयर के वैध हस्ताक्षर है और वह जमीन नियमानुसार बेची गई थी। उनके मुताबिक, ''आजादी के बाद तब तक रेलवे की जमीनों को बेचने के लिए नीलाम करने की कोई नीति नहीं बनी थी। उस समय बनारस के रेलवे के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के पास जमीनों को बेचने के अधिकार होते थे। जमीनों की अदला-बदली करना और बेचना रेलवे की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। रेलवे ने जमीन का सौदा किया, कीमत स्वीकार की और जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद उस पर सर्व सेवा संघ को कब्जा दिलाया। इसलिए वह पूरी प्रक्रिया विधि संगत थी।''

सर्व सेवा संघ गांधी जी के विचारों पर चलने वाली संस्था है और लोकनायक जय प्रकाश तथा विनोबा की कर्मस्थली भी रहा है जो एक राष्ट्रीय धरोहर कही जा सकती है। सर्व सेवा संघ के प्रकाशनों की बिक्री के लिए रेलवे ने विगत कई दशकों से देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर स्टाल भी उपलब्ध कराये हुए हैं। यह भी जग विदित है कि महात्मा गांधी के विचारों से असहमति रखने वाले लोग अब लोकतान्त्रिक निर्वाचन से केंद्र और उत्तरप्रदेश में सत्ता में हैं। उन्हें मतदाताओं का बहुमत प्राप्त है। मगर लोकतंत्र की खूबसूरती यह होती है कि किसी भी दल की कितने ही प्रचंड बहुमत से जीत हो, शासन सबका होता है, किसी अमुक समूह का नहीं होता। वह उनका भी होता है जिन्होंने उसे वोट नहीं दिया है। इसीलिए विधायिका का निर्वाचित सदस्य यह शपथ लेता है कि वह बिना किसी भेद के सबके साथ न्याय करेगा। लोकतंत्र में चुनाव में विजेता होने पर गर्व नहीं होता बल्कि सत्ता संभालने की आई जिम्मेवारी के साथ नम्रता भी आती है। अपना कदम सही होने का विश्वास होने पर भी दूसरे पक्ष को उसके नजरिए से समझने का शासन का व्यवहार लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होता है। महात्मा गांधी के विचारों के प्रसार में लगी संस्था के साथ यह व्यवहार लोकतंत्र में विश्वास करने वालों को इसीलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कुठाराघात लगता है।

गांधी विचार से जुडी संस्थाओं के लिए भी यह आत्मावलोकन का समय है। क्यों उनकी हैसियत इतनी गिर गई है कि प्रशासन उनके खिलाफ इस हद तक चला जाता है और देश के आम आदमी में कोई बेचैनी, कोई सुरसुराहट नहीं होती। मुख्यधारा के मीडिया के लिए भी यह कोई मुद्दा नहीं होता। कारण स्पष्ट है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और अपरिग्रह की बातें गांधी के बाद के अनुयाइयों ने खुद त्याग दी और बड़ी-बड़ी भौतिक संस्थाएं अपने पक्ष की सरकारों के भरोसे खड़ी कर ली। संस्थाओं में ऐसी संपत्तियां बनाना बापू की सेवा की भावना के प्रतिकूल था। जब संपतियां बनी तो उन पर कब्जों को लेकर लोगों में लोभ आना ही था। गांधी के नाम पर चलने वाली संस्थाओं में पदों पर जमे रहने और जमे हुओं को उखाड़ने की कैसी रस्साकसी रही है और बनी हुई है यह किसी से छुपी बात नहीं है। जहां संपत्ति होगी वहां झगड़े होंगे ही। झगड़े होंगे तो टूटन होगी। जब एकता नहीं होगी तो पिटाई होगी ही। गांधी विचार के विरोध वाली ताकतें इसलिए बलवती हुई क्योंकि गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार को नई पीढ़ी को पहुंचाने का झण्डा लिए चलने वाले खुद के होकर रह गए और सत्ता पर आश्रित होते चले गए और उन्हें पता ही नहीं चला कि उनके पांव के नीचे से जमीन कब खिसक गई है। मध्यम वर्ग की नई पीढ़ी, जिसके बूते पर भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, उसे गांधी की या उसके विचारों की कोई जानकारी नहीं है। उलटे उनके दिमाग में गांधी के प्रति झूठी कहानियों का विष भरा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि गांधी के अनुयाइयों ने बापू की शिक्षाओं को न अपनाए जाने वाला आदर्श मान कर किताबों में धर दिया और अपने जीवन को व्यावहारिक बना लिया।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शहरों पर बढ़ता भार, अति शहरीकरण

अविनाश जोशी

गांव देहात से लोग आशा एवं विश्वास की किरण लेके भारतीय महानगरों की तरफ पलायन कर रहे हैं लेकिन विकास की इस अंधी दौड़ में हर शहर की अपनी सीमाएं है। बढ़ती जनसंख्या से शहरो की व्यवस्था बिलकुल चरमरा सी गई है। लगता है हमे विकास की इस व्यवस्था का फिर से आकलन करना पड़ेगा।

पिछले कुछ सालों से अति शहरीकरण एक जटिल एवं ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने उभरा है। हमारे ग्रामीण अंचल से पलायन करते वक्त हर युवा यह सोचता है कि उसे उन्नत रोजगार एवम उच्च जीवन शैली नसीब हो जाएगी लेकिन भारतीय शहरो की वर्तमान स्थिति उसके ख्वाबों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। यद्दिप हमारे यहाँ नगरीकरण अभी शैशव काल में है, इसके बावजूद हमारे नगरों की समस्याएँ पश्चिमी देशों से कहीं अधिक गम्भीर हैं। इस समस्या का कारण तथा समाधान ढूँढना अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में अति नगरीकरण विश्व के अधिकांश नगरों को निगल रहा है और हम मूकदर्शक बने उसका कठोर एवं पीड़ादायी दंश झेलने को विवश हैं। यह एक विडम्बना ही है कि भारत जैसे विकासशील और जनसंख्या-बहुल देश में यदि गाँवों से शहरों की ओर जन-निष्क्रमण की गति नहीं बढ़ाई जाती तो गाँव बेरोजगार लोगों से भर जाएँगे और यदि गति बढ़ाई गई तो नगरों का दुर्भाग्यपूर्ण विकास नहीं रोका जा सकेगा। अतः योजनाओं के क्रियान्वयन में इस प्रकार का तालमेल बढ़ाना होगा कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

संयुक्त राष्ट्र संघ की परिभाषा के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का शहरों में जाकर रहना और काम करना भी शहरीकरण है। किसी राष्ट्र की जनसंख्या का बढ़ता हुआ आकार जब शहर की तरफ निवास के लिए आकर्षित होता है एवम ग्रामीण अंचल से शहरों की तरफ पलायन करने लगता है तो उसे नगरीकरण या शहरीकरण कहते हैं। औद्योगीकरण, रोजगार के अवसर, व्यावसायीकरण, आधुनिकीकरण, सामाजिक लाभ और ग्रामीण-शहरी परिवर्तन शहरीकरण के मुख्य कारण हैं।

शहरीकरण एक प्रक्रिया है जिसमें शहरी क्षेत्र में विकास की गति बढ़ती है और लोग गाँवों से शहरों में बसते हैं। शहरीकरण के द्वारा शहरों की विकास और बढ़ती आबादी का सामर्थ्य सुनिश्चित किया जाता है। अति शहरीकरण यानी अत्यधिक शहरीकरण का मतलब है कि शहर की बढ़ती आबादी, अपार्टमेंट्स, व्यापारिक इमारतें, और सड़कों के निर्माण जैसी विकास क्रियाएं इतनी तेजी से हो रही हों कि इसका पर्याप्त सामर्थ्य नहीं होता है और इससे जनसंख्या एवं पर्यावरण को नुकसान हो सकता है।

यह बात तो लगभग सर्वमान्य है कि जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है, उस रफ्तार से न तो रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और न ही रिहायशी क्षेत्र। ऐसे में स्वाभाविक है कि नगरों में जनसंख्या का घनत्व बढ़ेगा और अंततोगत्वा अति शहरीकरण की स्थिति उत्पन्न होगी। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर जनसंख्या का पलायन अतिनगरीकरण का सबसे बड़ा कारण है। ग्रामीण क्षेत्रों से इस जनसंख्या पलायन के पीछे मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बेरोजगारी तथा दैनिक सुविधाओं का अभाव,चूँकि ग्रामीण क्षेत्र मुख्यतः कृषि आधारित होते हैं, वहाँ के स्थानीय लोगों को साल भर काम नहीं मिल पाता है, फलस्वरूप वे नगरों की ओर भागते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या का यह पलायन अत्यन्त तीव्र गति से हो रहा है और अनुमान है कि आने वाले वक्त में यह संख्या बड़ती ही जाएगी।

भारतीय शहरी संस्कृति प्राचीनकाल से ही आकर्षण का केन्द्र रही हैं। चूँकि नगर का स्वरूप गाँव के स्वरूप से बिल्कुल भिन्न होता है और वहाँ सुख-सुविधाओं का भी अम्बार लगा रहता है,यही एक मुख्य कारण है ग्रामीण जनसंख्या का शहरों की ओर आकर्षित होने का। यह बात अलग है कि भिन्न-भिन्न नगरों का विकास भिन्न-भिन्न कारणों से होता है, जैसे-दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी आदि नगरों को ही लें। इन नगरों का विकास क्रमशः प्रशासनिक, व्यापारिक तथा धार्मिक कारणों से हुआ और इन्हीं कारणों ने उपरोक्त नगरों के विकास के लिए लोगों को आकर्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। धीरे-धीरे उनका इतना विकास हो गया कि वहां अतिनगरीकरण की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत में जिस तरह चंडीगढ़, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, गाँधीनगर आदि को बसाया गया है, उसी तरह अन्य उभरते नगरों को उनके विकास क्रम में ही नियोजित ढँग से बसाया जाए। अभी जो नगर छोटे हैं उसे गम्भीरता से लेते हुए उनके नियोजित एवं दूरदर्शितापूर्ण विकास की प्रक्रिया को अपनाया जाए।

निरन्तर बढ़ती जनसंख्या ने नगरों में अतिनगरीकरण की स्थिति उत्पन्न करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस रफ्तार से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, उस रफ्तार से न तो कृषि एवं उद्योगों का विकास हो रहा है और न ही आवासीय क्षेत्रों का निर्माण। इस प्रकार प्रतिदिन एक नई आबादी उसी सीमित स्थान में रहने को विवश है। कुछ वर्षों पूर्व मुंबई में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि वहाँ 14 प्रतिशत परिवार या तो सड़कों पर रहते हैं या उनका निवास गंदी बस्तियों में है। चेन्नई जैसे महानगर में ऐसे परिवारों की संख्या कुल जनसंख्या का 15 प्रतिशत है। पिछले कुछ वर्षों तक बंगलौर में 95 गंदी बस्तियाँ थी जिनमें 31 लाख व्यक्ति रहते थे। अब इनकी संख्या सम्भवतः और बढ़ गई होगी। नवीनतम अनुमान के अनुसार भारत में रहने वाला हर पाँचवाँ व्यक्ति गंदी बस्ती में रहता है।

18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में पूँजीवादी सिद्धान्त के सामने आने के बाद नई औद्योगिक व्यवस्था प्रारम्भ हुई। कल-कारखानों के स्वरूप में भी अमूल-चूल परिवर्तन हुए। कारखानों के आकार तथा संख्या में वृद्धि के साथ-साथ श्रमिकों की संख्या में भी अत्यधिक वृद्धि हुई। इस समय मशीनीकरण ने उद्योगों को विशाल रूप प्रदान किया। भारत में आजादी के पूर्व जमशेदपुर इस्पात उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका था। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भिलाई, दुर्गापुर, बोकारो, राउरकेला, कुल्टी, बर्नपुर, भद्रावती आदि नगरों की स्थापना लोहा-इस्पात उद्योग का विस्तार था। बरौनी, नूनमाटी, अंकलेश्वर आदि नगरों का विकास तेल शोधन कार्यों के कारण हुआ। मुंबई एवम शोलापुर, अहमदाबाद, सूरत, भड़ौच, इंदौर, नागपुर आदि में सूती वस्त्र उद्योग के कारखाने स्थापित हुऐ। बंगाल में हुगली में जूट उद्योग ने प्रगति की। ऐसे नगरों ने जो समुद्र किनारे स्थित थे और जहाँ बंदरगाह की सुविधा उपलब्ध थी, वहां औद्योगिक विकास ज्यादा तीव्र गति से हुआ।

यह बात तो लगभग सर्वमान्य है कि किसी भी उद्योग की स्थापना में श्रमिक शक्ति का महत्व सर्वोपरि होता है। जब भी किसी नगर या महानगर में उद्योग स्थापित होते हैं तो भारी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है और उनकी आपूर्ति प्रायः बाहरी क्षेत्रों से होती है और शीघ्र ही ये नगर अनियन्त्रित भीड़-भाड़ व गंदे मकानों से घिर जाते हैं। वर्तमान में मुम्बई जैसे महानगरों ने फिल्म उद्योग के विकास के कारण लाखों युवाओं को अपनी ओर खींचने में सफलता पाई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास ले लिए यह जरूरी है कि कृषि-आधारित उद्योगों का विकास हो, जैसे कि हाल ही में कई चीनी मिलें उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में स्थापित हुई हैं। इससे तीन फायदे हुए हैं। पहला यह कि वहाँ के लोगों को अपनी फसल बेचने नहीं जाना पड़ा। दूसरा, बिचौलियों की आवश्यकता न होने के कारण वे अपनी फसलों को सीधे कारखानों में बेच सके जिससे उन्हें अधिकतम मूल्य की प्राप्ति हुई। तीसरे, उन्हें गाँव में ही रोजगार मिल गया। ग्रामीण तथा कम शहरी क्षेत्रों में जिन उद्योगों का विकास सम्भव है, उनमें चीनी उद्योग, पोल्ट्री उद्योग तथा वनोत्पाद आधारित उद्योग मुख्य हैं।

साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण और बैंकिंग सुविधा का विस्तार भी अति आवश्यक है ताकि ग्रामीणों का व्यापार तथा उनकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके। तब निश्चित रूप से नगरों के स्वरूप में परिवर्तन आएगा और बहुत हद तक अतिनगरीकरण की समस्या दूर होगी। भारत में अतिनगरीकरण की समस्या से जूझ रहे विभिन्न नगरों के गर्भ में ही इस समस्या का कारण छिपा है। अतिनगरीकरण में सस्ते एवं तीव्र यातायात के साधन तथा उन्नत दूरसंचार माध्यमों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज सड़क मार्ग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का सम्पर्क महानगरों से सम्भव हुआ है, वहीं रेलमार्गों ने सस्ते एवं तीव्र गति के यातायात साधन उपलब्ध हो गए है तेज गति के यातायात साधनों की उपलब्धता के कारण लोग बड़े-बड़े नगरों की ओर इन सेवाओं को प्राप्त करने के लिए भागते हैं। आज की इस गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में उद्योग अथवा व्यापारिक कार्य वहीं केन्द्रित होते हैं जहाँ उपरोक्त सुविधाएँ उपलब्ध हों। जैसे भारत के हर बड़े नगर को लें जहाँ सेल्यूलर फोन, इंटरनेट, मोबाइल फोन, ई-मेल आदि की सुविधा उपलब्ध है जो सर्वोत्कृष्ट दूरसंचार प्रणालियाँ हैं। इस स्थिति में उद्योगपतियों तथा व्यापारियों का रुझान वहीं होगा जहाँ उपरोक्त सुविधाएँ उपलब्ध हों।

भारतीय नगरों में एक आम बात देखने को मिलती है कि जितने भी उच्च संस्थान हैं, जैसे- शिक्षा संस्थान, अस्पताल, कार्यालय, न्यायालय आदि, वे सब नगरों या महानगरों में ही स्थित हैं। इन संस्थानों का महानगरों में स्थित होने का सबसे बड़ा कारण शायद यह है कि उनका सेवा क्षेत्र काफी विस्तृत है अर्थात वे काफी बड़े क्षेत्र को अपनी सेवाएँ प्रदान करते हैं। भारत में 1991 से आर्थिक उदारीकरण के सिद्धान्त को अपनाया गया। फलस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में स्थापित होने का मौका मिला जिनमें बड़ी संख्या में कुशल और अकुशल दोनों प्रकार के श्रमिकों को रोजगार मिला जिसकी आपूर्ति ग्रामीण और अर्द्ध ग्रामीण क्षेत्रों से हुई। साथ ही इसने विदेशों से भी कुशल एवं प्रशिक्षित लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस तरह भूमंडलीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से नगरीय स्वरूप एवं उसके पर्यावरण को प्रभावित किया। नगरों में ओवर अरबनाइजेशन की स्थिति के जो दुष्परिणाम सामने आए हैं, वे हैं: रिहायशी मकानों की कमी; मकानों के किराए अधिक होना; गंदी बस्तियों का विकास; प्रशासनिक कठिनाईयाँ; नगरीय सुविधाओं की कमी; यातायात की समस्या; स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का अभाव; अपराधों में वृद्धि; प्रदूषण की समस्या; दुर्घटनाओं में वृद्धि; मनोरंजक स्थलों की कमी; कूड़ा-कर्कट विसर्जन समस्या; विद्युत समस्या; पेयजल समस्या; बेरोजगारी समस्या; एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिक्रमण की समस्या।

नगरों में अति शहरीकरण की स्थिति के लिए विभिन्न उद्योगों का एक ही स्थान पर केन्द्रीकरण बहुत हद तक जिम्मेवार है। प्रत्येक नगर या महानगर के आस-पास या उसके चारों ओर छोटे-छोटे शहर या कस्बे होते हैं। यदि इन कस्बों को बड़े नगरों के साथ इस प्रकार जोड़ा जाए कि वे तमाम सुविधाएँ उन कस्बों को उपलब्ध हों जो मुख्य नगरों में उपलब्ध हैं, तो जनसंख्या घनत्व नगर विशेष में एकत्रित होने से रोका जा सकता है। जैसे-जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सुविधाएँ एवं सेवाएँ उपलब्ध होती जाएँगी, जनसंख्या का सुदूरवर्ती क्षेत्रों में प्रसार होता जाएगा। इससे आंशिक रूप से ही सही, अतिनगरीकरण की स्थिति को कम किया जा सकेगा। अब तो दिल्ली जैसे महानगर में यह विधि अपनाई भी जा रही है। दूसरे शब्दों में, ग्रामीण क्षेत्रों का नगरीकरण और नगरी क्षेत्रों का ग्रामीणीकरण आज अत्यन्त आवश्यक है।

पिथौरागढ़ उत्तराखंड के युवा कवि महेश चंद के तेजी से बदलते नगरीय परिवेश पे यह शब्द एक बार सोचने को मजबूर कर देते है।

''अब पहुँची हो सड़क तुम गाँव जब पूरा गाँव शहर जा चुका है''।

–अविनाश जोशी,
स्वंतत्र पत्रकार एवं लेखक

कला तालाब गांव में आजादी के 76 साल बाद भी नहीं बनी सड़क

बच्चे बहते नाले को पार कर स्कूल जाते हैं

- **बीमार को चारपाई तक सड़क पर ले जाते हैं लोग**
- **कला तालाब गांव के 18 घरों में करीब 100 की आबादी है और मुख्य सड़क से तीन किलोमीटर गांव अंदर की तरफ है।**
- **'इस गांव में 250 से कम आबादी होगी, इसलिए सरकार की किसी भी स्कीम में यहां पर डामर सड़क नहीं बनने से वंचित होगी'**

राजसमंद, (निसं)। राज्य सरकार विकास के चाहे कितने ही दावे करती हो मगर जमीनी हालात बेहद चौंकाने वाले है। कला तालाब एक ऐसा गांव है जहां के लोगों को सड़क तक नसीब नहीं हुई। गांव में सड़क नहीं होने की वजह से पहाड़ों का पानी मुख्य रास्ते पर बह रहा है। गांव के बच्चों को परिजन हाथ पकड़ कर मुख्य रोड तक छोड़ते हैं। जब पानी का बहाव तेज होता है तब पहाड़ों के ऊपर से चलकर स्कूल जाना पड़ता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में गांव में कोई बीमार हो जाए तो उसको चारपाई पर लेटाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है क्योंकि नाले में पानी का बहाव ज्यादा होने से कच्ची सड़क पूरी कट चुकी है। इस कारण चार पहिया वाहन गांव तक आता ही नहीं है।

कुंभलगढ़ उपखंड के समीचा ग्राम पंचायत के कला तालाब गांव के हालात काफी खराब है। आजादी के 76 वर्ष बाद भी इस गांव में सरकार की तरफ से न तो डामरीकरण सड़क बनाई और न ही सीसी सड़क। बारिश के दिनों मे तो हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि लोगों को अपने घर तक जाने के लिए भी कई चुनौतियों का सामना करन पडता है समीचा क्षेत्र के सभी पहाडियों का पानी इस गांव से होकर आगे बहता है। जबकि इस गांव में पुलिया निर्माण और गांव तक जाने के लिए रास्ता बेहद जरूरी है मगर चुनाव के समय वादे करने वाले नेता वोट मांगने आते है उसके बाद कोई इनका हाल पूछने वाला नहीं है। रास्ता इतना खराब है कि चार पहिया वाहन यहां तक नहीं पहुंच पाता है। गांव के लोगों के लिए सबसे बडी चुनौती बारिश के मौसम में रहती है एक तो स्कूल जाने वाले बच्चों की चिंता और अगर बहाव तेज आया तो सभी लोग घरों में ही रहते हैं या पहाड़ी के ऊपर होकर समीचा गांव तक पहुंचते हैं। कला तालाब गांव के 18 घरों में करीब 100 की आबादी है और मुख्य सड़क से तीन किलोमीटर गांव अंदर की तरफ है।

कला तालाब के गणपतसिंह ने बताया कि गांव में चुनाव के समय भाजपा व कांग्रेस पार्टी के नेता इस गांव तक जरूर आते हैं और उस समय गांव तक सड़क बनाने के लिए बडे-बडे वादे करके चले जाते हैं। इसके बाद इस बस्ती में मुड़कर कभी नहीं देखा। गांव के लोग लंबे समय से परेशान हैं। परेशान ग्रामीणों ने विधानसभा अध्यक्ष, कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड़, पूर्व विधायक गणेशसिंह परमार को कई बार ज्ञापन देकर गांव तक सड़क बनाने की मांग की मगर अब तक कुछ नहीं हुआ।

बहते पानी से प्रतिदिन बच्चों को स्कूल भेजना पड़ता है। कई बार स्कूल से छुट्टी के बाद बच्चे जल्दी आ जाते हैं तब वे अकेले ही आते है अब ऐसे में हरदम खतरा रहता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में गांव में कोई बीमार हो जाए या डिलीवरी केस हो तो उसे चारपाई पर मुख्य सड़क तक ले जाना पडता है। इसके बाद वाहन से उसे अस्पताल ले जाने की एक सबसे बडी चुनौती है।

विधायक कुंभलगढ़ सुरेन्द्रसिंह राठौड का कहना है कि ये रास्ता तालाब की पाल के पास होकर गुजरता है। पूर्व में यहां पर सड़क बनवाई थी, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां पर वर्ष पर्यंत पानी बहता रहता है। जिसके कारण यहां पर डामर की सड़क का टिकना संभव नहीं हो रहा है। मामला मेरे संज्ञान में है, पूरी सीसी रोड बनवानी होगी जिसके लिए बड़े बजट की आवश्यता है। मैने डीएमएफटी के प्रस्ताव में ये सड़क ले रखी है। जल्द ही स्वीकृति आने पर सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाकर वहां के ग्रामीणों को राहत दी जाएगी।

मगनीराम रेगर, अभिशाषी अभियंता, पीडब्ल्यूडी विभाग आमेट-कुंभलगढ़ का कहना है कि इस गांव में 250 से कम आबादी होगी, इसलिए सरकार की किसी भी स्कीम में यहां पर डामर सड़क नहीं बनने से वंचित होगी। विभाग की ओर से अब 100 तक की आबादी को सड़क से जोड़ने की योजना में प्रस्ताव बनाकर भेजे है। स्वीकृति आने के बाद वहां पर सड़क बना दी जाएगी।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित धनावत फलावासी

उदयपुर, (कासं)। आजादी के पिचहत्तर वर्ष बाद भी जिले के लसाडिया थाना क्षेत्र के धोलीया ग्रामवासी नदी पार कर स्कूल, शमशान एवं चिकित्सालय जाने के लिए मजबूर हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले के लसाड़िया तहसील स्थित धोलिया गांव धनावतफला क्षेत्र के लोग देश की आजादी के बाद से आज दिन तक मूलभूत सूविधाओं से वंचित है। यहां के ग्राम में करीब 40 घरों की आबादी मे 100-125 लोग निवास करते हैं। ये लोग धोलिया में बहने वाली नदी के दूसरे छोर पर रहते हैं। इनके बच्चे राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोरीवेरी में पढ़ने जाते हैं। वर्षाकाल के समय में नदी में बहने वाले पानी के चलते सिर पर किताबों को रख कर पढ़ने जाना इन मासूसभावी कर्णधारों की मजबूरी सी बन गई है जिससे कभी बड़े हादसे को न्यौता देने जैसा है। यहीं नहीं यहां के लोगों का शमशान भी नदी के दूसरे छोर पर स्थित है। जिन्हें वर्षाकाल के दौरान किसी परिवारजन की मृत्यु होने पर अर्थी को दूसरे छोर तक ले जाना दुभर हो जाता है। अगर नदी का तेज बहाव होने पर ग्रामवासियों को बहाव कम होने का इंतजार करना पड़ता है। इसी तरह गर्भवती महिलाएं बीमारी एवं सामाजिक कार्य में भी इस नदी को पार कर दूसरे छोर तक जाना ग्रामीणों की मजबूरी सा बन गया है। सड़क, पुलिया स्वीकृत करने की मांग करते हुए क्षैत्रवासियों ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी को गुहार लगाई है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 2 अगस्त, 2023

प्र. सावन मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र दिन 12:58 तक, आयुष्मान योग दिन 2:33 तक, बालव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा रात्रि 11:26 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग दिन 12:58 तक है। राजयोग रात्रि 8:06 से सूर्योदय तक है। आज से पंचक रात्रि 11:26 से आरम्भ होंगे। शुक्र वृद्धत्व सांय 6:45 से आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:54 से 12:33 तक, चर 3:52 से 5:31 तक, लाभ 5:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 7:11

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

तुला
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण संयम रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिके स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

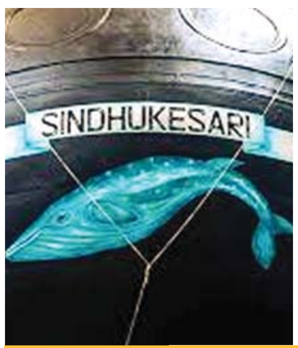

FISHING IN NOT SO TROUBLED WATERS (...1)

Controls of the complex systems of the submarine is located even in the ruddy toilet, due to lack of space

Being A Supportive Partner

Whether they're struggling with a big or small issue, this is how you can be as helpful as possible.

राजस्थान में बढ़ रहे महिला अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेपर लीक और किसान कर्ज़माफी नहीं करने जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा ने मंगलवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। सरदार पटेल मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय पर हुई जनसभा में प्रदेशभर से हजारों लोग उमड़े। प्रदेश प्रभारी व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और उपनेता प्रतिपक्ष व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और सुमेधानंद सरस्वती ने जनसभा को संबोधित किया। वहीं, प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के शामिल नहीं होने को लेकर चर्चाएं भी होती रहीं। भाजपा कार्यालय से निकलकर कार्यकताओं ने जब सचिवालय घेराव की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें स्टैच्यू सर्किल पर रोक लिया और वॉटर कैनन चलाकर भीड़ को खदेड़ा। इसके बाद भाजपा नेताओं ने विरोध जताते हुए गिरफ्तारियां भी दीं। **(विस्तृत समाचार पेज नम्बर दो पर पढ़ें।)**

'मणिपुर में कानून व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो गयी'

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि, मणिपुर के पुलिस महानिदेशक 7 अगस्त को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर, इस बारे में न्यायालय के सवालों का जवाब दें

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर कीजातीय हिंसा, जिसमें महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है, के कारण संविधान के ठप्प होने पर गौर करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक को 7 अगस्त से पहले व्यक्तिगत रूप से पेश होकर पुलिस की गलतियों पर प्रश्नों के उत्तर देने को कहा।

जांच को धीमी और सुस्त बताते हुए मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने कहा कि एफ.आई.आर. दर्ज होने और बयान दर्ज करने में देर हुई है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा "जांच की आवश्यक प्रकृति कोर्ट को समझाने के लिए हम मणिपुर के डी.जी.पी. को निर्देश देते हैं कि वे सोमवार को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहें और कोर्ट के सवालों के जवाब दें।"

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की कि, वारदात के बाद मई माह के आरंभ से जुलाई के अंत तक इतनी कमजोर और धीमी गति से जांच हुई थी, जैसे कोई कानून ही नहीं लागू है मणिपुर में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि, 6523 एफ.आई.आर. दर्ज हुई और अब सी.बी.आई. को जांच सौंपी गयी है, पर लगता नहीं कि, सी.बी.आई. इतनी सारी एफ.आई.आर. की जांच कर पायेगी, अतः सुप्रीम कोर्ट रिटायर्ड जजों का पैनल गठित कर सकता है, इस पूरे मामले में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह संकेत दिया कि, इतनी भयावह, घृणित व भारी हिंसा हुई है कि, सुप्रीम कोर्ट एक एस.आई.टी. गठित कर इस घटनाक्रम की गहराई से जांच करवा सकता है।**

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से विपक्ष को और हथियार मिलेगा जो मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को हटाने और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहा है।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली बैंच ने कहा, जांच बहुत सुस्त है। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। बयान इतने समय बाद रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इससे लगता है कि मई के आरंभ से जुलाई का अंत तक कोई कानून नहीं था। संवैधानिक मशीनरी ठप्प पड़ गई। शायद यह सही ह कि गिरफ्तारी इसीलिए नहीं हुई कि पुलिस उस क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकती थी। लेकिन कानून-व्यवस्था तो पूरी तरह ठप्प हो गई।"

बैंच ने 20 जुलाई को एक वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया था जिसमें दंगाग्रस्त मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया गया था। कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा वह 6523 एफ.आई.आर. को हत्या, बलात्कार, बलात्कार एवं हत्या, आगजनी, लूटपाट, संपत्ति नष्ट करने, महिलाओं का शीलभंग, पूजास्थलों को नष्ट करने जैसे अपराधों में अलग-अलग बांट दें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या रूस यूक्रेन पर न्यूक्लियर बम गिराने की सोच रहा है?

दिमित्री मेदवेदेव, जो 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति थे तथा अब पुतिन के विश्वासी दायां हाथ हैं, ने यह चेतावनी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। लंबे समय से चले आ रहे युद्ध के बीच रूस द्वारा यूक्रेन को घुटनों पर लाने के उद्देश्य से कई बार परमाणु हथियारों की धमकी दी गई है। अभी तक सब थोथी ही साबित हुई है।

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की नवीनतम धमकी भी ऐसी ही थोथी हो सकती है। लेकिन यह उन खबरों के बाद आई है कि यूक्रेन नाटो की मदद से भारी जवाबी हमले की योजना बना रहा है इसलिए इस धमकी को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह विशेषकर अनिष्टकारी है। यह

- **इस चेतावनी को गंभीरता से इसलिये लिया जा रहा है, क्योंकि काफी चर्चा है कि, यूक्रेन नाटो की मदद से रूस के खिलाफ "पलट आक्रमण" (काउन्टर ऑफैन्सिव अटैक) करने वाला है।**

देखते हुए कि रूस क पास हथियारों का भारी जखीरा है। रूस के पास 4477 स्थापित और आरक्षित परमाणु हथियार हैं जिनमें से 1900 घातक हथियार हैं। यह जानकारी फैडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स ने दी है।

राष्ट्रपति पुतिन के निकट सहयोगी मेदवेदेव ने कहा बताया कि अगर जवाबी हमला सफल हो गया और इसमें रूस का कुछ भाग हथिया लिया जाता है तो, "हमें रूस के राष्ट्रपति के आदेशानुसार परमाणु हथियारों का उपयोग करना होगा।

मेदवेदेव ने कहा, "उसके अलावा कोई चारा ही नहीं है। हमारे शत्रुओं को हमारे सैनिकों से प्रार्थना करनी चाहिए कि दुनिया को परमाणु की लपटों में न धकेले। मेदवेदेव 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति रहे। वे कई बार परमाणु हमले की बात कह चुक हैं।

पश्चिमी मीडिया की खबरें कहती हैं कि गत अप्रैल में स्वीडन और फिनलैंड नाटो में शामिल होते हैं तो रूस परमाणु हमला कर सकता है। हेलसिंकी माह के अंत में इस रक्षा गठबंधन में शामिल हो गया जबकि स्टॉकहोम का नाटो में जाने का रास्ता साफ हुआ जब तुर्की ने अपने ऐतराज वापस ले लिए।

सितंबर में मेदवेदेव ने कहा था कि रूस की सीमा के क्षेत्रों को यूक्रेन से बचाने के लिए रणनीतिक परमाणु हथियारों का उपयोग किया जा सकता है और जनवरी में जब नाटो के सदस्य देश यूक्रेन को नए हथियार भेजने पर पर विचार कर रहे थे तब मेदवेदेव ने कहा था कि युद्ध में रूस की हार का नतीजा परमाणु युद्ध हो सकता है।

मेदवेदेव ने जनवरी में टेलीग्राम मैसेंजर सर्विस पर लिखा, "एक परंपरागत युद्ध में एक परमाणु शक्ति की हार से परमाणु युद्ध भड़क सकता है। परमाणु शक्तियाँ ऐसे प्रमुख विवाद नहीं हार सकतीं जिससे उनका भाग्य जुड़ा है।

मेदवेदेव के वक्तव्य से पहले रूस के रक्षा मंत्री ने कीव पर ड्रोन से मॉस्को पर हमले का आरोप लगाया था। रविवार को तीन ड्रोन बीच में रोके गए लेकिन मॉस्को के पश्चिम में एक व्यापारिक प्रतिष्ठान पर हमला हुआ।

गत माह पुतिन ने कहा था कि रूस रणनीतिक परमाणु हथियारों की पहली खेप बेलारूस पहुंचा चुका है जहां वे रोकथाम के लिए लगाए गए हैं।

सैंट पीटर्सबर्ग इंटरनैशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस जो बाकी हथियार बेलारूस पहुंचाना चाहता है वे गर्मी के अंत तक या इस वर्ष के अंत तक पहुंच जाएंगे।

अमेरिका की डिफैंस इंटैलिजेंस एजेन्सी ने कहा है कि उसके पास पुतिन के इस दावे पर संदेह करन का कोई कारण नहीं है कि परमाणु हथियार बेलारूस में हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने उस समय कहा था कि "हमें अपने परमाणु रवैये को समायोजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि ऐसे कोई संकेत नहीं है कि रूस परमाणु हथियार काम में लेने की तैयारी कर रहा है।

बेलारूस के राष्ट्रपति एलैक्जेंडर लुकाशेंको ने गत माह कहा था कि हमले की स्थिति में वे बेलारूस की धरती पर तैनात रणनीतिक रूसी परमाणु हथियारों का उपयोग करने से वे नहीं हिचकेंगे।

लेकिन डी.आई.ए. के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे नहीं मानते कि लुकाशेंको का हथियारों पर कोई नियंत्रण है। उन पर रूस का ही नियंत्रण होगा।

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

सी.एम. गहलोत के खिलाफ समन पर रोक से इन्कार

जयपुर, 1 अगस्त (का.सं.)। दिल्ली की राउज़ एवेन्यु की विशेष अदालत ने, संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह व उनके परिवारजनों के खिलाफ की गई बयानबाजी के आपराधिक मानहानि मामले में सीएम अशोक गहलोत को जारी समन पर रोक लगाने से इनकार

- **दिल्ली के राउज़ एवेन्यु की विशेष अदालत ने एक आपराधिक मानहानि मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए उपस्थित होने को कहा है। यह केस केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी क्रेडिट मामले में गहलोत की बयानबाजी के खिलाफ दर्ज करवाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.पी. में साम्प्रदायिक व विवादित बयान बाजी चरम सीमा पर!

एक तरफ मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ज्ञानवापी पूजा स्थल को मस्जिद कहने से विवाद भड़केगा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। चुनावी लिहाज़ से भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वह ज्ञानवापी मस्ज़िद से संबंधित विवाद का "कोई समाधान प्रस्तुत करे।" उन्होंने कहा कि "ज्ञानवापी की दीवारें चीख रही हैं तथा इसे मस्ज़िद कहने से विवाद पैदा होगा।

समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य, जो पहले भाजपा में थे, ने यह कहकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है कि बहुत से मंदिर, जिनमें बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मंदिर भी शामिल हैं, बौद्ध मठों को ध्वस्त करके बनवाने गये थे। पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने यह कहकर तिक्तता और भी बढ़ा दी है कि भाजपा नेता 2024 के चुनाव जीतने के लिये किसी भी चाल या दाँव का सहारा ले सकते हैं, जैसे- अयोध्या के मंदिर पर बम के हमले की

- **दूसरी ओर सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, बद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर, सातवीं/आठवीं शताब्दी में बौद्ध विहार/आश्रम थे, जिन्हें नष्ट करके, उनके स्थान पर मंदिर बनाये गये हैं।**
- **स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसी लय में आगे कहा कि, पुरी का जगन्नाथ मंदिर, अयप्पा मंदिर पंढरपुर का विठोबा मंदिर भी बौद्ध मठ थे, जिन्हें तोड़ कर उन पर हिन्दू पूजा स्थल बनाने गये हैं।**
- **मायावती ने कहा, ये बातें स्वामी प्रसाद मौर्य ने तब क्यों नहीं उठाईं, जब वे भाजपा में थे। अब सपा से जुड़ने के बाद, इन बातों को उछालना केवल चुनाव में लाभ हानि की सोच का परिणाम है।**
- **पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने और भी आगे बढ़ कर कहा, भाजपा चुनाव जीतने के लिये कुछ भी कर सकती है। यहां तक कि, अयोध्या राम मंदिर पर बम भी गिरा सकती है।**

व्यवस्था कर लें या किसी महत्वपूर्ण पार्टी नेता को मरवा दें।

ज्ञानवापी पर योगी आदित्यनाथ का यह बयान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस याचिका पर निर्णय देने से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त को चर्चा होगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त को चर्चा होगी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 अगस्त को बहस का जवाब देंगे।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश किये गये अविश्वास

- **प्रधानमंत्री 10 अगस्त को सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देंगे।**

प्रस्ताव के नोटिस पर चर्चा की तिथि के निर्धारण पर यह निर्णय लोकसभा की बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में मंगलवार को लिया गया, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने की।

सूत्रों ने आगे कहा कि प्रस्ताव पर चर्चा के तिथि निर्धारण में सत्तारूढ़ दल की इस इच्छा को मद्दे नजर रखा गया है कि इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गलत टैस्ट रिपोर्ट का मतलब होता है गलत इलाज'

फर्जी लैब का मामला केवल कानूनी या गैर कानूनी नहीं, यह मरीज के लिये जानलेवा साबित हो सकता है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 1 अगस्त। फर्जी मैडिकल रिपोर्ट तैयार करने वाली मैडिकल लैब्स केवल गैर कानूनी तरीके से पैसे ऐंठने का ही कृत्य नहीं करतीं बल्कि जनता के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ करती हैं। जिन लैब्स से गलत रिपोर्ट जारी होती है वे जाँच करा रहे मरीज को सही समय पर सही इलाज करवाने से वंचित करती है जो जानलेवा भी हो सकता है। मरीज़ की मैडिकल रिपोर्ट ही उसका मैडिकल ट्रीटमैंट निर्धारित करती है।

फर्जी लैब्स सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को कैसे प्रभावित करती हैं, इस शृंखला में आगे बताया गया है। फर्जी मैडिकल लैब्स के कारोबार से भारी नुकसान होता है जिसकी रोकथाम के लिए ही कड़े व विस्तृत कानून लाए गए हैं, जिनको लागू करवाना राज्य के स्वास्थ्य विभाग का ही दायित्व है। लेकिन राज्य सरकार जानते-बूझते कैसे इन नियमों का उल्लंघन कर रही है, आज की खबर में उस बारे में जानकारी दी गई है।

- **सरकार की यह दलील थोथी है कि, सभी टैस्ट लैब्स पर निगरानी रखने के लिये उसके पास फंड नहीं है, क्योंकि, अगर सही रिपोर्ट उपलब्ध कराने की गारंटी सरकार नहीं दे सकती तो सही इलाज की गारंटी कहां से देगी। इस शृंखला की पहली कड़ी में इसका उल्लेख किया जा चुका है।**
- **क्योंकि लैब्स के पंजीकरण के संबंध में सन् 2020 में ही मानक तय कर दिए गए थे, राज्य सरकार को प्रदेश की सभी मैडिकल लैब्स का पंजीकरण 2022 तक कर देना चाहिए था, जो कि अभी तक भी नहीं हुआ है।**
- **नियम के अनुसार, राज्य सरकार को प्रदेश के सारे जिलों, जिनमें जयपुर और जोधपुर जैसे बड़े जिले भी शामिल हैं, की लैब्स का पंजीकरण कर यह जानकारी केन्द्र सरकार के साथ साझा करनी थी और अखबारों में भी प्रकाशित करनी थी, परन्तु दस्तावेजों से ऐसा प्रतीत होता है कि, राज्य सरकार जान बूझ कर अपने दायित्वों से पल्ला झाड़ रही है।**

जैसा कि विदित है कि वर्ष 2018 में केन्द्र सरकार ने मैडिकल लैब्स के मानक तय कर दिए थे। इन मानकों को केन्द्र सरकार ने वर्ष 2020 में पुनः संशोधित भी किया था। इन मानकों में लैब्स को बड़ी, छोटी एवं मध्यम स्तर में विभाजित किया गया है। इन्हीं मानकों में से एक है कि, छोटी लैब्स (बेसिक लैब्स) में एम.सी.आई. या राज्य स्तर की मैडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड एम.बी.बी.एस. डॉक्टर, जिनके पास मैडिकल लैब्स में कार्य करने का कम- से- कम एक साल का अनुभव हो, 'बेसिक' लैब्स में तैयार की जा रही मेडिकल टैस्ट रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। वर्ष 2020 में जारी किए गए मानकों में कहा गया है कि माध्यमिक और बड़े स्तर की लैब्स में एम.डी. या डिप्लोमा ऑफ नैशनल बोर्ड या डिप्लोमा इन क्लीनिकल पैथोलॉजी कर चुके डॉक्टर्स, जो एम.सी.आई. या राज्य स्तरीय मैडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड हो, वे इन लैब्स द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित मानकों में पैथोलॉजी, माईक्रोबॉयोलॉजी क्षेत्रों में एम.एस.सी. या पी.एच.डी. कर चुके व्यक्ति, टैस्ट रिपोर्ट जारी कर सकते हैं परंतु ऐसी लैब के संचालकों को या स्वयं एम.एस.सी. या पी.एच.डी. कर चुके व्यक्तियों को, रिपोर्ट के नीचे यह 'डिसक्लेमर' भी देना होता है कि उनके द्वारा जारी की गई रिपोर्ट केवल चिकित्सकों के उपयोग के लिए है ना कि किसी व्यक्ति विशेष का चिकित्सीय निदान का आंकलन है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में आदेश दिया था कि केवल एम.डी. (डॉक्टरेट ऑफ मैडिसन) कर चुके डॉक्टर ही मैडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के लिए योग्य हैं और वर्तमान में केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए मानक सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश की पूरी तरह पालना नहीं करते।

क्लीनिकल एस्टैबलिशमेंट एक्ट के तहत बने रूल्स के अनुसार चिकित्सा विभाग को प्राईवेट मैडिकल लैब्स, चाहे बड़ी, छोटी या माध्यमिक स्तर की, का स्थायी पंजीयन करना होता है। स्थायी पंजीयन करने के लिए भी विभाग को लैब के संचालक, लैब का पता, लैब में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिव सेना मसले की त्वरित सुनवाई नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की याचिका पर त्वरित सुनवाई मंगलवार को इन्कार कर दिया। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग द्वारा प्रतिद्वंदी शिंदे गुट को असली शिव सेना के रूप में मान्यता दने और पार्टी का अधिकृत चुनाव चिन्ह तीर-कमान आवंटित करने के खिलाफ याचिका दायर की है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, संवैधानिक बैंच पहले जम्मू-कश्मीर केस की सुनवाई कर ले उसके बाद शिव सेना का केस सुना जाएगा।**

वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष मामला रखा और त्वरित सुनवाई की मांग की। बैंच, जिसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का जयपुर में बड़ा प्रदर्शन, हजारों लोग उमड़े

पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग, पुलिस से झड़प के कारण उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया व अन्य कार्यकर्ताओं को चोटें आईं

जयपुर। भाजपा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदेशभर से आने वाली जनता की नजरें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को तलाश रही थी। इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री राजे के शामिल नहीं होने की चर्चाएं रहीं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा ऑफिस पर सभा के साथ ही पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सचिवालय घेराव के लिए कूच किया। स्टेच्यू सर्किल पर पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर भाजपा कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया। वहीं, उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया जब कार्यकर्ताओं के साथ बेरिकेड्स की तरफ कूच कर रहे थे तो पुलिस प्रशासन ने काफी देर तक वाटर कैनन चलाई और धक्का मुक्की की। लगातार वाटर कैनन चलाने से सतीश पूनिया की आंखों में और सिर में हल्की चोटें आई हैं। इसके साथ ही भाजपा के कई नेताओं की पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस के साथ धक्का-मुक्की में आठ कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। एसएमएस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छह लोगों को छुट्टी दे दी गई जबकि दो कार्यकर्ता विमल अग्रवाल और प्रदीप तिवाड़ी को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सचिवालय घेराव के लिये कूच करने से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय पर एक सभा का आयोजन किया गया।

प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, सांसद सुमेधानंद सहित भाजपा के कई बड़े नेताओं ने गिरफ्तारियां दीं।

- **जनता में फर्श से अर्श तक पहुंचाने और धोखा देने वाली सरकार को पेटी में बंद करके हमेशा के लिए विदा करने की ताकत होती है : सी.पी.जोशी**
- **संत विजयदास का आत्मदाह और लाल डायरी जैसे गंभीर मामले कांग्रेस को हमेशा के लिए सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे : अरूण सिंह**
- **मीरा और पद्मिनी की धरती अब दुष्कर्मियों को मर्द कहने वाले नेताओं को नहीं सहेगी : राजेन्द्र राठौड़**

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है दम कितना, इस मुगलिया सलतनत में है। उन्होंने कहा जनता जनार्दन अपने वोट की ताकत से किसी को फर्श से अर्श तक पहुंचाती है तो सत्ता में आने के बाद जनता से धोखा करने वाली सरकार को वोट की पेटी में बंद करके हमेशा हमेशा के लिए ताला लगाने की ताकत भी है इस जनता जनार्दन में है। सामने उमड़ा जन सैलाब बता रहा है इस तुष्टिकरण करने वाली, युवाओं को धोखा देने वाली, पेपर लीक करने वाली, किसानों के साथ वादाखिलाफी करने वाली, नारी की सुरक्षा करने वाली, पेट्रोल डीजल बिजली पर महंगाई को समाप्त ना कर सकने वाली महाभ्रष्ट कांग्रेस सरकार की विदाई तय है। पेपर लीक पर सरकार फेल हो गई इस तमाम घटनाक्रम के बाद भी आपने उस मंत्री को पद से नहीं हटाया। लेकिन लाल डायरी में ऐसा क्या है, कि इसका नाम आते ही आपने उस मंत्री को पद से हटा दिया। आखिर लाल डायरी का सच क्या है, इसका जवाब जनता मांग रही है।

प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेशभर से जनविरोधी गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर सचिवालय का महाघेराव करने जनता आज जयपुर पहुंची है। आज का महाघेराव अपने आप में ऐतिहासिक है। प्रदेश में अपराध बेलगाम है पडौस के राज्यों से अपराधी राजस्थान में घुसकर फिरौती, फायरिंग और सुपारी किलिंग को अंजाम दे रहे हैं। संत विजयदास का आत्मदाह हो या लाल डायरी ये सभी कांग्रेस को हमेशा के लिए सत्ता से उखाड़ फेकेगी। प्रशासन की ओर से जगह-जगह बसों को रोका जा रहा है, लेकिन जनता में सरकार के खिलाफ आक्रोश है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने कहा कि लाल डायरी सरकार को ललकारने के लिए आक्रोशित जनता बडी संख्या में सचिवालय घेराव के लिए जयपुर पहुंची है। सरकार को चेताते हुए कहा कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। मीरा और पद्मिनी की धरती अब दुष्कर्म नहीं सहेगी, मर्दों का प्रदेश कहने वाले बेशर्म नेताओं को नहीं सहेगी। लाल डायरी से घबराई सरकार को पता है कि उनके सामने उनके ही मंत्री ने आरोप लगाए हैं कि इस डायरी में पांच हजार करोड़ के भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा है। सरकार के राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त गोपाल केसावत 18 लाख की रिश्वत लेते पकड़े जाते हैं।

जनसभा में डॉ. पूनिया ने कहा कि भाजपा का आज का यह आगाज राजस्थान के इतिहास में अंजाम तक जाएगा, कार्यकर्ताओं के मजबूत इरादे, आपकी ताकत, आपकी संख्या और आपका जज्बा आज इस बात को निश्चित रूप से तय करेगा कि राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में यह कांग्रेस का विदाई समारोह होगा। अशोक गहलोत की सरकार में ही यह संभव है कि अस्पताल में मरीजों के पैर चूहे कुतर जाते हैं। कांग्रेस की सरकार माफियाओं की सरकार है, यह राजनीतिक माफिया है, शिक्षा माफिया है, पर्यटन माफिया है, यह भूमाफिया है, यह शराब माफिया है, यह खनन माफिया है, यह अपराध माफिया है, यह किसान विरोधी माफिया है,यह पेपर लीक माफिया है, ऐसी सरकार की विदाई आज ही लिख दी जाए।केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पैर में एक कील क्या लगी, पट्टा बांधकर सो गए। धोखा देकर सत्ता में आई इस सरकार को अब राजस्थान नहीं सहेगा। कहा कि काल के कपाल पर लिखा हम मिटाएंगे, भ्रष्टाचारियों से राज्य को मुक्ति दिलाएंगे। आज की सभा से आप सभी संकल्प लेकर अपने अपने क्षेत्र में जाएंगे और चुनावों की तैयारी में जुटेंगे।

बाइक रैली, ट्रैक्टर रैली के रूप में पहुंचे लोग

"नहीं सहेगा राजस्थान" अभियान के तहत जयपुर महाघेराव में प्रदेश की अराजक, भ्रष्ट, महिला, किसान और युवा विरोधी गहलोत सरकार को घेरने प्रदेश के कौने-कौने से लाखों की संख्या में आक्रोशित जनता जयपुर पहुंची। इस दौरान हाथों में स्लोगन लिखे हुए तख्तियां और बैनर थे जिन पर बहन-बेटियों का अपमान, कर्ज से मरता किसान, अपराध बेलगाम, पेपर लीक से युवा परेशान अब नहीं सहेगा राजस्थान लिखा था। भारत माता की जय के नारों के साथ बाईक रैली, ट्रैक्टर रैली और बसों से लाखों की संख्या में लोग प्रदेश भाजपा कार्यालय के बाहर सभास्थल पर पहुंचे। जहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सभा को संबोधित किया।

भाजपा कार्यालय में घायल कार्यकर्ताओं को नहीं घुसने दिया

भाजपा के इस प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यालय के सामने ही सभा का आयोजन किया गया लेकिन भाजपा के दूरदराज से आए हुए कार्यकर्ताओं को भाजपा कार्यालय में नहीं घुसने दिया जिससे कार्यकर्ता नाराज दिखे। हालांकि कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि हम दूरदराज से आए हैं तो भाजपा कार्यालय देखकर जाएं लेकिन ऐसा अवसर नहीं मिला। वहीं भाजपा कार्यालय में घुसने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी मशक्कत की एवं धक्कामुखी करनी पड़ी फिर भी उन्हें बाउंसरों के द्वारा अंदर नहीं घुसने दिया गया। वही भाजपा कार्यालय के मुख्य गेट पर खड़े बाउंसरों ने प्रदर्शन में घायल महिला कार्यकर्ताओं को भी घुसने नहीं दिया लेकिन बाद में भाजपा नेताओं के कहने पर उन्हें अंदर लिया गया।

पुलिस ने नहीं किया पृथ्वीराज रोड को पूरा बंद

भाजपा के प्रदर्शन के दौरान चोमू हाउस सर्किल से भाजपा कार्यकर्ताओं का कूच किया तब स्टेच्यूसर्किल की तरह निकला तब स्टैचू सर्किल पर तो पुलिस के द्वारा बंद कर रखा था लेकिन गलियों से निकलने वाले वाहनों को पुलिस ने बंद नहीं किया। जिससे एक तरफ वाहन चलते रहे और दूसरी तरफ भाजपा कार्यकर्ता चलते नजर आए।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में पोस्टरों की रही चर्चा

भाजपा के इस विशाल प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में पोस्टर बैनरों की चर्चा बनी रही चौमूं हाउस सर्किल एवं बगड़िया भवन रास्ते पर लगे होर्डिंग्स के पोस्टर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का फोटो गायब रहा हालांकि भाजपा कार्यालय पर लगे पोस्टर में राजे का फोटो हैं लेकिन इन होर्डिंग्स पर लगे पोस्टरों से राजे का फोटो गायब होने की चर्चा बनी रही। इस पोस्टर में एक तरफ नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व दूसरी और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का फ़ोटो है। वहीं पोस्टर में ऊपर की तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीच मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का फ़ोटो लगा हुआ है।

प्रदर्शन के दौरान ये नेता रहे उपस्थित

उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां, राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सांसद मनोज राजौरिया, सुमेधानन्द सरस्वती, रामचरण बोहरा, रंजीता कोली, सांसद कनकमल कटारा, सुखबीर जौनापुरिया, विधायक वासुदेव देवनानी, अर्जुनलाल मीणा, सांसद राजेन्द्र गहलोत, सवाई माधोपुर सांसद सुखबीर जौनपुरिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी, जवाहर सिह बेड़म, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, विधायक वासुदेव देवनानी, कोली, विधायक अनिता भदेल, दिप्ती माहेश्वरी, शोभा चौहान, चंद्रकांता मेघवाल, कल्पना देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल, प्रभूलाल सैनी, बाबा बालक नाथ, सीआर चौधरी, श्रवण सिंह बगड़ी, संतोष अहलावत, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची, महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी और अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती, जिला प्रमुख रमा चौपडा, महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

चोट का बहाना बनाकर पेशी से बचना चाहते थे सीएम : शेखावत

नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दायर मानहानि मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तगड़ा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल की अदालत ने गहलोत की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 7 अगस्त की पेशी से राहत देने की मांग की थी। ऐसे में अब अशोक गहलोत को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना ही पड़ेगा।

शेखावत ने इस मुद्दे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले महीने अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई थी। अदालत ने गहलोत को 7 अगस्त को पेश होने को कहा था। मुख्यमंत्री की तरफ से इस फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के लिए पुनर्विचार याचिका दायर की गई। लेकिन आज अदालत ने तमाचा मारते हुए मुख्यमंत्री को राहत देने से इंकार कर दिया। अदालत ने मुख्यमंत्री गहलोत को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पैर में पट्टी 7 अगस्त तक नहीं खुलेगी। मुख्यमंत्री चोट का बहाना बनाकर पेशी से बचना चाहते थे।

प्रदेश की हजारों खदानों की नीलामी का रास्ता साफ

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में प्रदेश की हजारों खदानों की नीलामी का रास्ता साफ करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के 2013 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें पहले आओ,पहले पाओ की नीति के आधार पर पट्टे जारी करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार की नियमों में संशोधन करने की स्वतंत्र शक्ति है और इसमें पेंडिंग आवेदन पत्र आड़े नहीं आते हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत को हाईकोर्ट का आदेश रद्द करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस बोपन्ना व एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील मंजूर करते हुए दिया।

राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट मनीष सिंघवी ने कहा कि प्रशासन नीलामी नीति में बदलाव करने का हकदार है और आवेदकों को इस आधार पर पट्टा प्राप्त करने का कोई निहित अधिकार नहीं है। जब सक्षम प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक हित में नीलामी जैसी बेहतर प्रक्रिया विकसित करके निर्णय लिया जाता है, तो सरकारी भूमि पर पट्टे की मांग करने वाले आवेदक का अधिकार, यदि कोई है तो भी स्वत: ही समाप्त हो जाता है। किसी आवेदक को किसी खनिज के लाइसेंस की मांग करने का विशेष अधिकार तब तक नहीं हो सकता जब तक कि उसे कानून द्वारा उचित सुविधा न दी जाए। प्रदेश में आजादी के बाद से राजस्थान सरकार एफसीएफएस नीति के आधार पर खनन पट्टे आवंटित कर रही थी। साल 2013 में, राज्य सरकार ने जनहित को ध्यान में रखते हुए ही नीलामी के आधार पर पट्टा देने की नीति लेकर आई थी। वहीं राज्य सरकार ने पूर्व की नीति के आधार पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पेश किए गए आवेदन पत्रों को अस्वीकार कर दिया था। वहीं नए संशोधित प्रावधान के जरिए खदानों का आवंटन नीलामी के जरिए करना तय किया। राज्य सरकार की इस नीति को विभिन्न लोगों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की इस नीति के नीलामी के प्रावधान को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य लक्ष्मीनारायण पुत्र श्री कल्याण रैगर, राजेश कुमार पुत्र नानूराम जाजोरिया, मदनलाल पुत्र लादूराम रैगर, रामकुंवार वर्मा पुत्र श्री नाथूलाल रैगर, निवासीगण केशुपुरा आजाद नगर जयपुर व पप्पू लाल रैगर पुत्र श्री आनन्दीलाल रैगर निवासी मकान नम्बर 131, हनुमान नगर, केशुपुरा, हीरापुरा जयपुर के मध्य एक इकरारनामा दिनांक 23.01.2023 को खसरा नम्बर 176 क्षेत्रफल 1.0900 हैक्टेयर ग्राम पंचायत मांग्यावास, तहसील सांगानेर के बाबत मेरे अभिभाष्यगण के हक व हिस्से तक निष्पादित हुआ था लेकिन पप्पू लाल रैगर द्वारा इकरारनामे की शर्तो का उल्लंघन किया गया तथा इकरारनामे में वर्णित भुगतान की शर्तो की पालना नहीं किये जाने से इकरारनामा दिनांक 23.01.2023 को निरस्त कर दिया गया है जिसके संबंध में पप्पू लाल रैगर को अलग से सूचित कर दिया गया है। इकरारनामा दिनांक 23.01.2023 अस्तित्व में नहीं रहा है। इस इकरारनामे के आधार पर अन्य कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्यगण की उक्त सम्पत्ति में उनके हक एवं हिस्से के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें, यदि कोई संव्यवहार किया जाता है, तो वह संव्यवहार प्रारंभ से ही मेरे अभिभाष्यगण के प्रति अवैध एवं शून्य प्रभावी होगा। सूचित रहे।
(रूस्तम शेख) एडवोकेट, मो. 9414248148

आम सूचना दि. 01.08.2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य नरेंद्र कुमार मेहता पुत्र स्व. श्री केसरी सिंह मेहता, निवासी एल 4 ए, कृष्णा मार्ग सी- स्कीम, जयपुर के स्वामित्व की भूमि खसरा नम्बर 3849, 3850, 3854, 3855/2, 3856/3, 3858, 3860, 3873, 3875, 3876, 3877 कुल किता 14 कुल रकबा 5.14 हैक्टयर ग्राम खौ- नागोरियान तहसील सांगानेर जिला जयपुर में स्थित है। इस भूमि पर नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा आवासीय आवंटन पत्र जारी कर दिए गए है तथा केसर वाटिका के नाम से कॉलोनी काट दी गई है। और मेरे अभिभाष्य की बिना सहमति के 25 प्रतिशत व्यक्तियों ने रिहायशी मकान बना लिए हैं और कई व्यक्तियों ने इस जमीन बाउंड्रीवॉल और तारबन्धी कर ली है। मेरे अभिभाष्य के द्वारा उक्त जमीन को किसी प्रकार की सोसायटी कम्पनी व प्लॉट होल्डरों को बेचान नहीं किया है। उक्त जमीन आज भी मेरे अभिभाष्य के स्वामित्व की जमीन राजस्व रिकॉर्ड (जमाबन्दी) में दर्ज है। इन प्लॉट होल्डरों ने एक फर्जी विकास समिति बनाकर मेरे अभिभाष्य की जमीन को खुर्द- बुर्द कर रहे हैं। इसलिए इस विकास समिति के पदाधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। इसलिए मेरे अभिभाष्य के द्वारा न्यायालय महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-17 जयपुर महा. सांगानेर प्रथम कोर्ट स्टे यथास्थिति का दिनांक 23.01.2022 को ले लिया है। जो स्टे अभी भी कायम है। जिसकी सूचना प्लॉट होल्डरो व सोसायटी व जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. व रजिस्ट्रार कार्यालय को दे दी गई जिसके जवाब में विद्युत वितरण निगम लि. के एडवोकेट ने कहा कि आज के बाद हम लाईट का कनेक्शन कोई जारी नहीं करेंगे इसके बावजूद भी 25-30 प्लॉट होल्डरो के लाईट के कनेक्शन जारी किये गये हैं जो गैर कानूनी है और इसे निरस्त माना जाये और विद्युत निगम लिमिटेड ENA व GNA व सब रजिस्ट्रार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी सोसायटी के द्वारा जो प्लॉट होल्डरों के पट्टे ट्रान्सफर किये गये हैं और रजिस्ट्रार कार्यालय से जिन्होंने रजिस्ट्री कराई है और प्लॉट होल्डरों ने स्टे के दौरान मकान व बाउंड्रीवॉल बनाई है यह सब गैर कानूनी है इसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी और हर्जे खर्चे के स्वयं जिम्मेदार होंगे मैं भावना साधनानी (एडवोकेट) दि. 28.07.2023 को जमीन केसर वाटिका पर पहुंची तब मैंने देखा काफी प्लॉट होल्डरों का निर्माण कार्य चल रहा है उसके बाद मैंने 100 नम्बर पर PCR व पुलिस को सूचना देने के बाद निर्माण कार्य रुकवा दिया गया अब अगर कोई निर्माण कार्य करेगा वह सब गैर कानूनी होगा इन प्लॉट होल्डरों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। सूचित रहे।
भवदीया
भावना साधनानी एडवोकेट, मो. 8239333387

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 123/328 न्यू सांगानेर रोड, मानसरोवर, जयपुर का मूल अलॉटमेंट कम पजेशन लेटर कहीं गुम हो गया है, कृपया मिलने पर सूचित करें। नीतू दयाल-9829046948

मेरे प्लॉट नं. 67/106-डी, सेक्टर-6, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर के कागजात मूल आवंटन पत्र खो गया। मिलने पर सूचित करें-9983959537

मेरे भूखण्ड सं. 19, राजेंद्र नगर, सिरसी रोड, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, साइट प्लान एवं हिस्सा रशीद कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें- विमला देवी केजरीवाल 9310570091

मेरा मकान सं. 174/144 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 9001847464

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम अर्जुन से बदल कर अनुराग मंगलानी कर लिया है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। अनुराग मंगलानी पुत्र श्री हेमनदास मंगलानी निवासी 69, गणेश नगर, मुरलीपुरा, जयपुर

मेरी दसवीं/बारहवीं की मार्कशीट में मेरा नाम कुमारी चूकी सोनी दर्ज है, मैंने अपना नाम कुमारी चूकी सोनी से बदलकर चन्द्रकान्ता पुत्री हनुमान सोनी पत्नी श्री दिलीप कुमार सोनी नाम रख लिया है। निवासी गांधी नगर, किशनगढ, अजमेर, राजस्थान एवं हाल निवासी फ्लैट 802, टावर-4, रंगोली ग्रीन, महाराणा प्रताप रोड, जयपुर

I have changed my name from Nirmala Lalwani to Divya Gyanchandani W/o Suresh Gyanchandani R/o 5-Ta-22, Jawahar Nagar, Jaipur-302004 for all future purpose

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित यिका जाता है कि भागीदारी फर्म मैसर्स ओम अम्बिका स्टोन क्रेशर कम्पनी पता-भुसावर रोड खेडला बुजुर्ग तहसील-महवा, जिला दौसा (राज.) पंजीयन संख्या 28/13/2017 के भागीदार नरेश कुमार शर्मा सरोलिया पुत्र श्री हनुमान प्रसाद एवं चेतन कुमार दीक्षित पुत्र श्री नरेश कुमार शर्मा सरोलिया को सेवानिवृत किया गया है। अब फर्म में चार (4) साक्षीदार (1) जगदीश सिंह पुत्र श्री श्योसिंह (2) राजबहादुर पुत्र श्री श्योसिंह (3) समयकौर पत्नि खुशीराम (4) पूजा शर्मा पत्नि चेतन कुमार दीक्षित रहेगें सूचित रहे। यदि किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस में कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ फर्म जिला उद्योग एवं वाणिज्यकेन्द्र, दौसा में आपत्ति दर्ज करावें।
मैसर्स-ओम अम्बिका स्टोन क्रेशर कं.

आम सूचना
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि. दूदू जिला जयपुर (राज.)
आम जनता सेवा बनाम श्रवण वगैरह
वाद स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 74/2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादीगण ने इस न्यायालय में जरिये प्रतिनिधित्व वाद उनवानी आम जनता सेवा बनाम श्रवण वगैरह मुकदमा नम्बर 74/2023 बाबत स्थायी निषेधाज्ञा पेश किया है। उक्त प्रकरण में जिस किसी भी व्यक्ति का हित निहित हो एवं सम्बन्ध रखता हो तो वह व्यक्ति दिनांक 03.08.2023 को न्यायालय हाजा में उपस्थित होकर अपना पक्ष पेश करें अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह आज दिनांक 01.08.2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
(रचना बालोत)
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दूदू, जिला जयपुर
मोहर अदालत

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
दूरभाष संख्या-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लैट संख्या-10/05 (जी.एफ.) मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 270.60 वर्गमीटर का आवंटन श्री जे.आर. केसवानी पुत्र श्री रामचन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1085 दिनांक 08.10.1986 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 22.01.1996 को करवाया गया।
श्री जे.आर. केसवानी की मृत्यु दिनांक 29.06.2012 को हो जाने के कारण श्रीमती रचना तनवानी पत्नी श्री मुकेश तनवानी के द्वारा आवेदन पत्र, के साथ क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र, अपंजीकृत, वसीयतनामा की छायाप्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, एवं वसीयत नामा में अंकित गवाहों का शपथ पत्र, प्रस्तुत कर उक्त आवास/फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रचना तनवानी पत्नी श्री मुकेश तनवानी के पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक
वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 33/23
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नीरज कुमार माथुर पुत्र सुरेश चन्द माथुर जाति कायस्थ विवाद स्थान-म.नं. 105/140, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
मृतक म्यूचुअल फण्ड (चल सम्पत्ति) की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 01.09.2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्रीमती बीना कुमारी माथुर पत्नी सुरेश चन्द माथुर जाति कायस्थ निवासी-म.नं. 105/140 प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 01 माह 09 सन् 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 21 माह 07 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शारिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर
मोहर अदालत

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ बहस पर सुनवाई टली

जयपुर, (का.सं.)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर की हत्या मामले में आरोपियों को 7 अगस्त को पेश होने का निर्देश देते हुए चार्ज बहस पर सुनवाई टाल दी है। वहीं मामले के एक आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत अर्जी पर भी उसी दिन सुनवाई रखी है। जेल प्रशासन की ओर से किन्हीं कारणों से आरोपियों को पेश नहीं किया जा सका। जिस पर कोर्ट ने आगामी सुनवाई पर उन्हें पेश करने को कहा है। वहीं एक अन्य आरोपी फरहाद शेख की ओर से पेश जमानत अर्जी पर अदालत ने 4 अगस्त को सुनवाई रखी है।

गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर आरोपी जावेद की ओर से कोर्ट में अर्जी दायर कर कहा था कि वह मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद व रियाज अत्तारी को नहीं जानता और ना कोई ऐसा साक्ष्य है, जिसमें इस अपराध में उसकी कोई भी संलग्नता पाई गई हो। इसलिए उसे जमानत दी जाए। इससे पहले कोर्ट ने आरोपियों की अर्जी पर एनआईए को उन्हें इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और आरोप पत्र की कॉपी हिंदी में मुहैया कराने का निर्देश दिया था। इस मामले में एनआईए ने दिसंबर 2022 में गौस मोहम्मद व मोहम्मद रियाज अत्तारी सहित सभी आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा के तहत आतंकी गतिविधियों के आरोप में चालान पेश किया था। इसमें एनआईए ने प्रथम दृष्टया मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद व मोहम्मद रियाज और पाक निवासी दो आरोपियों सहित अन्य आरोपियों पर हत्या, अन्य धर्म व जाति को अपमानित व क्षित पहुंचाने सहित आतंकी गतिविधियों के संबंध में आरोप माने थे।

123 पुलिस अफसरों के तबादले

जयपुर। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गृह विभाग में लगातार तबादलों का दौर जारी है। इसके चलते मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 70 और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के 53 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी को एडिशनल डीसीपी कंट्रोल रूम जयपुर पुलिस कमिश्नरेट, शिल्पा चौधरी व राजेन्द्र कुमार चारण को सीआईडी एसएसबी जयपुर, कमल कुमार जांगिड को सीआईडी सीबी जयपुर, सरिता बड गुर्जर को पुलिस परामर्श व सहायता केन्द्र जयपुर कमिश्नरेट, नरपत सिंह व लालचंद कायल को एसओजी जयपुर, संध्या यादव को नगर निगम ग्रेटर जयपुर, सुमन चौधरी को एडिशन डीसीपी जयपुर पूर्व, दिनेश कुमार को एडिशनल डीसीपी जयपुर उत्तर सैंकेड, रेवंतदान को एडिशनल डीसीपी जयपुर साउथ, विजेन्द्र सिंह भाटी को एडिशनल डीसीपी जयपुर उत्तर प्रथम, ज्ञानप्रकाश नवल को एडि. डीसीपी ट्रेफिक जयपुर नोर्थ, कुशाल सिंह खींची को एडि. डीसीपी इंटेलिजेंस व सुरक्षा पुलिस कमिश्नेट, विपिन शर्मा को एडि. डीसीपी जयपुर साउथ और सरिता सिंह को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजस्थान पुलिस अकादमी के पद पर लगाया है। वहीं पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह को एसीपी रामगंज, संजय शर्मा को एसीपी मालवीय नगर और महेन्द्र कुमार गुप्ता को सीआईडी एसएसबी जयपुर शहर लगाया गया है।

- **प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 70 और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के 53 अधिकारियों को बदला गया है।**

नवे की बैठक

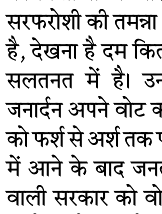

मेरी धर्मपत्नी
श्रीमती केसर देवी
का स्वर्गवास 25.7.23 को हो गया है। नवे की बैठक 2.8.23 को सायं 5 से 6 बजे निवास स्थान ए-1/ए, कबीर मार्ग, होटल गैलेक्सी के पीछे, बनीपार्क पर होगी।
शोकाकुल- कन्हैयालाल अग्रवाल (पति), स्व. मोहनलाल-शकुन्तला देवी, सत्यनारायण-लक्ष्मी (देवर-देवरानी), गीता देवी-स्व. कुंजबिहारी जी बम्बई (ननद-ननदोई), मनोज कुमार अग्रवाल-रितु (पुत्र-पुत्रवधु), अनिता-राजेश जी सुल्फे वाले (बेटी-जवाई), राजकुमार, दिलीप, अभिषेक, डॉ. अमित (भतीजे), आर्यन, शरद, ध्रुव, पार्थ, दर्श (पौत्र), आयुषी, अन्वेक्षा, आकांक्षा (पौत्री), पूनम, आमअवतार (भांजे), रिजुल, अमन (दोहिते) समस्त ताऊजी वाला परिवार, झोटवाडा। रामा ज्वैलर्स, रूद्राक्ष पेपर
9829011128, 9660000058

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1420 दिनांक-27.07.2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 76/56 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 57.408 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री जुगल किशोर निगम पुत्र स्व. श्री सतगुरु प्रसाद निगम को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 216 दिनांक 11.04.2000 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 11.04.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 902 दिनांक 16.05.2000 के द्वारा श्री जुगल किशोर निगम पुत्र स्व. श्री सतगुरु प्रसाद निगम के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 07.06.2000 को करवाया गया। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 557 दिनांक 01.07.2011 के द्वारा श्री अजय निगम पुत्र स्व. श्री जुगल किशोर निगम के नाम मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण कर दिया गया। इसके पश्चात श्री अजय निगम की मृत्यु दिनांक 16.12.2000 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती रचना निगम पत्नी स्व. श्री अजय निगम ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती रचना निगम पत्नी स्व. श्री अजय निगम के पक्ष में उक्त आवास का हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 29.03.2023 को एक मांग पत्र कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. देवेन्द्र सिंह, 2. जमीदार उद्योग, 3. प्रभावती देवी, 4. संदीप कलीरवना, 5. सुशीला देवी को जारी किया गया था, जिसमें 21.03.2023 की तिथि को देय, मांग पत्र में उल्लेखित राशी रूपये 52,71,141.24/- (रूपये बावन लाख इकहत्तर हजार एक सौ इकतालीस और पैसे चौबीस मात्र) का भुगतान उपयुक्त नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज जुलाई 2023 के 28वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तो के अधीन राशी रूपये 52,71,141.24/- (रूपये बावन लाख इकहत्तर हजार एक सौ इकतालीस और पैसे चौबीस मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

खसरा नं. 864/1 स्थित भूमि के भाग कन्वटिंड प्लाट के बचे हुए हिस्से का पूरा व प्रत्येक भाग, रकबा 11 बिस्वा, जिसमें से 528 वर्गगज अर्थात 441.46 वर्गमीटर, ग्राम कलवाड, तहसील व जिला जयपुर, राजस्थान-302012 क्षेत्रफल 1056.73 वर्गमीटर और सीमाये है-पूर्व-श्री कन्हैया लाल की भूमि, पश्चिम-रोड 20 फिट चौडी, उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-लक्ष्मणजी के प्लाट का बचा हुआ भाग

दिनांक- 28 जुलाई 2023
स्थान- जयपुर
ऋण खाता संख्या- 26147927
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

ट्रैवल्स बस में 100 ग्राम स्मैक जयपुर ला रहा तस्कर गिरफ्तार

स्टेट क्राइम ब्रांच टीम की शिवदासपुरा इलाके में बड़ी कार्रवाई

■ आरोपी से जब्त स्मैक की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 30 लाख रुपये से ज्यादा है

जयपुर। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने शिवदासपुरा इलाके में ट्रैवल्स बस में कार्रवाई कर 100 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी इस मादक पदार्थ की सप्लाई जयपुर देने के लिए आ रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजेश कुमार लोधा पुत्र मोहन लाल (23) गाँव मोही कला थाना भालता जिला झालावाड़ का रहने वाला है।

आरोपी के पास से जब्त स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये आंकी गई है।

सोमवार देर रात सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम को आसूचना प्राप्त हुई कि झालावाड़ में थाना अकलेरा क्षेत्र से एक तस्कर जयपुर में स्मैक की सप्लाई देने आ रहा है। एडीजी एमएन ने बताया कि प्रात आसूचना पर क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के सुपरविजन तथा पुलिस निरीक्षक श्री राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर शिवदासपुरा थाना इलाके में भेजी गई।

स्थानीय पुलिस के सहयोग से टोल नाका के पास नाकाबंदी कर दोनों टीमों द्वारा सन्दिग्ध वाहनों की तलाशी ली गई। एम.एन. ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे मध्य प्रदेश से आ रही एक निजी ट्रैवल्स बस को रोक तलाशी ली गई तो बस में बैठे एक युवक की हरकत संदिग्ध लगने पर तलाशी ली गई तो उसके पास 100 ग्राम उच्च क्वालिटी की स्मैक बरामद की गई।

आरोपी राजेश कुमार कैरियर के रूप में मादक पदार्थ स्मैक यहाँ ला रहा था। जयपुर पहुंचने के बाद कॉल पर, जिसे सप्लाई करनी है, उसका नाम-पता इसे मालूम चलता।

आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना शिवदासपुरा की टीम द्वारा गिरफ्तार कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। टीम से हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा, रामनिवास व कमल सिंह, कॉन्स्टेबल देवेंद्र सिंह, गंगाराम, रतीराम एवं कांस्टेबल चालक विश्राम की विशेष भूमिका रही है।

हथियार और स्मैक के साथ दो तस्कर दबोचे

■ आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 17 ग्राम स्मैक, एक पिस्टल, 9 जिंदा कारतूस बरामए किए

जयपुर (कासं)। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने मंगलवार को दो शातिर बदमाशों को अवैध मादक पदार्थ और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपी नावेद कुरेशी के पास से 17 ग्राम हाई क्वालिटी की स्मैक मिली है। नावेद इस मादक पदार्थ को सिटी में सप्लाई करने के लिए निकला हुआ था। वहीं, सीएसटी टीम ने वैशाली नगर थाना इलाके से हथियारों के सप्लायर अरविंद सिंह को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी के पास से 2 पिस्टल, 12 जिंदा कारतूस सहित तस्करी में प्रयोग ली जा रही आई-20 कार को बरामद किया। दोनों बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एडिशनल कमिश्नर क्राइम कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया कि शहर में अवैध नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। सीएसटी के सीआई बनवारी लाल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिस पर गठित टीम द्वारा मादक पदार्थ एवं अवैध फायर आर्म्स की तस्करी करने वालों के खिलाफ जानकारी एकत्रित की और मंगलवार को कार्रवाई की गई। पुलिस थाना विश्वकर्मा एवं वैशाली नगर थाना पुलिस की टीम के साथ होकर सीएसटी ने मादक पदार्थ स्मैक एवं फायर आर्म्स तस्करों को गिरफ्तार किया। दोनों कार्रवाई में सीएसटी के कांस्टेबल अजय कुमार एवं विकास कुमार की अहम भूमिका रही।

स्मैक एवं फायर आर्म्स तस्कर नावेद कुरैशी पुत्र मोहम्मद चांद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 17 ग्राम, 1 पिस्टल, 9 जिन्दा कारतूस बरामद कर जब्त किया गया। इस कार्रवाई के संबंध में पुलिस थाना विश्वकर्मा में आरोपी नावेद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। दूसरी कार्रवाई वैशाली नगर थाना पुलिस और सीएसटी की टीम ने की इस दौरान फायर आर्म्स तस्कर अरविन्द सिंह पुत्र महावीर सिंह को गिरफ्तार कर कब्जे से 1 पिस्टल, 3 जिन्दा कारतूस एवं परिवहन में प्रयुक्त आई-20 कार बरामद कर जब्त किया गया।

मानसिक विक्षिप्त युवक ने फांसी का फंदा लगाया

जयपुर (कासं)। खोह नागोरियान थाना इलाके म में युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय सागर अरोड़ा निवासी पालड़ी मीणा के रूप में हुई हैं, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। जिसका काफी समय से इलाज चल रहा था। सोमवार दोपहर में उसके पिता उसे कमरे में अकेला छोड़ कर बाहर निकले थे। जहां उसने पीछे से पंखे के फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पुलिस को आत्महत्या संदिग्ध लगने पर एफएसएल के अधिकारियों को मौके पर बुलाया।

जहां एफएसएल ने मामला संदिग्ध होना बताया। इस पर पुलिस ने मृतक के पिता से भी घटना को लेकर पूछताछ की। अभी तक मामला स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि एफएसएल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना को लेकर कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

गंदगी फैलाने वालों को फूल देकर कराया उनकी गलती का अहसास

हैरिटेज निगम ने कचरा पात्र रखने के लिए 3 दिन का समय दिया

हैरिटेज नगर निगम के आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को अधिकारियों और ठेला यूनियन के प्रतिनिधियों से स्वच्छता मुहिम में योगदान देने की अपील की।

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम के कर्मचारियों ने मंगलवार को गंदगी फैलाने वालों को पुष्प भेंट किए। साथ ही व्यापारियों को कचरा पात्र रखने के लिए तीन दिन का समय दिया।

आयुक्त राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि ऐसा इसलिए कर रहे हैं, ताकि लोगों को गलती का अहसास हो और निगम के अभियान में भागीदार बनें। स्वास्थ्य शाखा के उपायुक्त आशीष कुमार और मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सोनिया अग्रवाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है। पहले चरण में यह टीम प्रमुख बाजारों में जाकर व्यापारियों से बातचीत करेगी।

इसी कड़ी में मंगलवार को ठेल संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ आयुक्त ने बैठक भी की और अभियान के लिए सहयोग मांगा। विभिन्न बाजारों में 50 दुकानदार गंदगी फेंकते हुए मिले। इन सभी को निगम की ओर से फूल दिए गए और तीन दिन में कचरा पात्र रखने और सही तरह से कचरा निस्तारण करने के लिए भी कहा गया। उपायुक्त आशीष कुमार ने बताया कि तीन दिन में यदि सुधार नहीं किया तो नियमानुसार कैरिंग जार्च वसूल किया जाएगा।

नकली मावा बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापा मारा

जयपुर (कासं)। त्यौहारी सीजन को देखते हुए बाजारों में मावा की डिमांड की पूर्ति करने के लिए चौमू उपखंड में कई जगहों पर नकली मावा तैयार किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस की स्पेशल टीम (डीएसटी) जाटावाली चौकी के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए सामोद इलाके में नकली मावा बनाने वाली फैक्ट्रियों पर मंगलवार सुबह छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान मावे के सैंपल लिए गए है। जिन्हे लैबोरेटरी में जांच के लिए भिजवाए जाएगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि टीम ने इन फैक्ट्रियों से मिल्क पाउडर के कट्टे, सोयाबीन ऑयल सहित डालडा घी के पीपे, नकली मावा जब्त किया है। जिनके सैंपल लेकर जांच के लिए लेबोरेटरी में भेजने का निर्णय लिया है। फौजदार ने बताया कि चीथवाड़ी, मोरीजा, बांसा सहित अन्य कई इलाकों में छापेमारी की कार्रवाई की गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से फैक्ट्रियों के मालिकों में हड़कंप मच गया और कई तो फैक्ट्रियां बंद कर फरार हो गए।

फ्रूड इंस्पेक्टर डॉ. पवन कुमान गुप्ता ने बताया कि चीथवाड़ी गांव में गगोरियों की ढाणी में नकली वाला बनाने वाले श्रवण लाल शर्मा, कैलाश शर्मा की फैक्ट्रियों से मिल्क पाउडर के 7 कट्टे, 1 सोयाबीन तेल का पीपा वे डाल्डा घी के 3 पीपे सहित अन्य सामग्री को जब्त कर सीज किया गया। साथ ही टीम ने मौके से 70 किलो तैयार मावा जब्त कर उसे गड्डा खोदकर नष्ट किया है। टीम ने अलग-अलग जगहों से मावे के तीन सैंपल लिए है।

जयपुर की सरयू शेखावत को मिसेज राजस्थान का खिताब

जयपुर, (का.सं.)। हाल ही में आयोजित मिसेज इंडिया एसआर क्वीन ब्यूटी कांटेस्ट में जयपुर की बेटी सरयू शेखावत ने अपनी मेहनत और प्रतिभा की बल पर मिसेज राजस्थान का खिताब जीता। उन्होंने इस खिताब को जीतकर न केवल जयपुर बल्कि राजपूत समाज का नाम देश और विदेश में रौशन किया। सरयू का बचपन वैशाली नगर में बिता और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा ब्राइटलैंड्स वैशाली नगर से पूरी की। सरयू बचपन से ही अपनी डांसिंग स्किल्स से अपने दोस्तों और परिवार वालों को प्रभावित करती थीं।

उन्होंने बताया की आबू धाबी में अपने पति और दो छोटी बच्चियों के साथ रहते हुए, इस प्रक्रिया के दौरान उनके परिवार ने उनका पूर्ण सहयोग दिया और उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। बातचीत के दौरान सरयू ने बताया की उनको इस प्रेरणा उनके पति विक्रम सिंह से मिली, जो फुल टाइम जॉब (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) के साथ-साथ अपने गायन के जुनून को भी निभा रहे हैं।

राजस्थान विवि. में कुलपति प्रो. राजीव जैन की गुमशुदगी के पोस्टर लगाए

विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों ने भजन गाकर किया विरोध-प्रदर्शन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के ऐलान से पहले ही सियासी खींचतान का सिलसिला शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय कैंपस में मंगलवार को छात्रनेता हरफूल चौधरी के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. राजीव जैन की गुमशुगदी के पोस्टर लगा दिए।

इस दौरान विद्यार्थियों ने कैंपस में कुलपति जैन को ढूंढ़ने की कोशिश की। जब वे नहीं मिले तो कुलपति सचिवालय के बाहर जाकर गांधीवादी तरीके से गुलाब का फूल हाथ में लेकर और भजन-कीर्तन गाकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान छात्रनेता चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय में कुलपति आम छात्रों से कोसों दूर हो गए हैं। लंबे समय से ना तो उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया, ना ही उनकी समस्याओं के समाधान की कोई पहल की। हजारों छात्र उन्हें अपनी समस्याएं बताना चाहते हैं, लेकिन वे ना किसी से मिलते हैं और ना ही कहीं दिखते हैं। इसलिए कैंपस में पोस्टर लगाकर उन्हें ढूंढने की कोशिश की जा रही है।

हाथ में लेकर आए श्रीमद्भगवद् गीता

प्रदर्शन के दौरान छात्र श्रीमद्भगवद् गीता साथ लेकर आए, ताकि यूनिवर्सिटी प्रशासन गीता पर हाथ रख छात्रों की जायज मांग पूरी करने का वादा कर सके। छात्रों ने चेतावनी दी है कि इसके बाद भी कुलपति ने समस्याओं का समाधान नहीं किया तो बड़ा आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। देखा जाए तो छात्रसंघ चुनाव नजदीक आते ही यूनिवर्सिटी में इन दिनों शक्ति प्रदर्शन जोरों पर है।

इन मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

- विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में सैनेटरी नेपकिन मशीन की व्यवस्था की जाए।
- - सभी हॉस्टल में कॉमर्शियल वॉशिंग मशीन लगाई जाए।
- 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस पर रहे।
- विद्यार्थियों के लिए 24 घंटे कैंटीन की व्यवस्था हो।
- स्टूडेंट्स के लिए मेडिकल सुविधा हो।
- पुनर्मूल्यांकन के नाम पर वसूली जा रही फीस कम की जाए।
- सुरक्षा के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर बैरियर लगाए जाए।

निम्स ने खोला राज्य का पहला स्ट्रोक सेंटर

■ इस सेंटर में राज्य को मिलेगी ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित आधुनिक सुविधा

जयपुर। निम्स अस्पताल के द्वारा राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओ में विस्तार करते मजबूत किया जा रहा है; इसी क्रम में निम्स हॉस्पिटल द्वारा एनएबीएच हॉस्पिटल (निम्स हार्ट एवं ब्रेन हॉस्पिटल), जयपुर शहर के बिचोबीच राजा पार्क में स्थापित किया गया है। ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को शुरुआती दौर में इलाज नहीं मिल पाता है और वो गंभीर लकवा का शिकार हो जाते हैं। इस परेशानी को दूर करने के लिए एनएचबीएच हॉस्पिटल, जयपुर ने विश्व स्ट्रोक एसोसिएशन से सम्बद्ध एवं सीमेंस हेल्थकेयर के साथ मिलकर ब्रेन स्ट्रोक सेंटर लांच किया है। लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस यह ब्रेन स्ट्रोक सेंटर स्ट्रोक्स का शीघ्र पता लगाने और समय पर इलाज में मदद करेगा। इससे मस्तिष्क के किसी भी हिस्से में किसी भी बीमारी का पता लगाने और उसे ठीक करने में मदद मिलेगी।

डॉ. बलवीर एस. तोमर चेयरमैन निम्स यूनिवर्सिटी एवं हॉस्पिटल ने बताया की यह अपनी किस्म का राजस्थान का एकमात्र स्ट्रोक को समर्पित सेंटर हैं जो वर्ल्ड स्ट्रोक एसोसिएशन से सम्बंधित हैं। यह सेंटर एम्स, नई दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ के प्रसिद्ध विशेषज्ञ जैसे प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा - पूर्व प्रोफेसर एवं हेड; कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और रेडियोलॉजी विभाग एम्स नई दिल्ली, प्रो. डॉ. संदीप मिश्रा- पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर कार्डियोलॉजी विभाग एम्स नई दिल्ली, प्रो. डॉ. एन. खंडेलवाल- पूर्व वरिष्ठ प्रोफेसर रेडियो डायग्नोसिस विभाग पी. जी. आई. चंडीगढ़, डॉ. संदीप मुदगिल, पूर्व सह आचार्य - न्यूरो इंटरवेंशन रेडियोलोजी; पी. जी. आई. चंडीगढ़, डॉ. मनीष शॉ- पूर्व सीनियर रेजिडेंट न्यूरोलॉजी विभाग - एम्स नई दिल्ली, और डॉ. रवि जाखड़-पूर्व सीनियर रेजिडेंट न्यूरोलॉजी विभाग- पी. जी. आई. चंडीगढ़; डॉ. कमलेश कुमार - प्रोफेसर न्यूरोलॉजी, निम्स हॉस्पिटल जैसे डॉक्टर्स नियमित रूप से अपनी सेवाएं देंगे।

जे.डी.ए. में कम दरों पर छूट रहे हैं सड़क निर्माण के ठेके, गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह?

■ लागत घटाने के लिए ठेकेदार घटिया निर्माण सामग्री काम में ले रहे, नतीजन नवनिर्मित सड़कें एक बारिश भी नहीं झेल पा रही

जयपुर (कासं)। बरसात ने जेडीए के इंजीनियरों की मौज कर दी है। सड़कों पर लीपापोती करने वाले अभियंताओं की एक दिन की तेज बारिश ने ही पोल खोलकर रख दी है। दूसरी ओर इंजीनियर्स टैंडर की निर्धारित दरों से कम दरों पर टैंडर खोल कर सड़कों पर घटिया काम कराने पर ऊतारू हो रहे हैं। इसकी एक बानगी जोन-12 में ग्राम नीमेडा में देखने को मिली है। यहां सड़क निर्माण का काम 40 फीसदी तक कम दर पर होगा, ऐसे में सड़क की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिन्ह लगना लाजमी है।

सूत्रों की मानें तो जेडीए प्रशासन ने जोन-12 के नीमेडा ग्राम में सड़क बनाने के लिए 47 लाख रुपए का टैंडर जारी किया था। इस टैंडर में पांच फर्म शामिल हुई थी, लेकिन सबसे न्यूनतम 17 फीसदी दर पर यह टैंडर सनलाइट एंटरप्राइजेज को मिला है। इसमें जीएसटी और स्थानीय खर्चें और मिला लिया जाए तो यह दर निर्धारित दर से 40 फीसदी तक कम हो जाती है।

सूत्रों की मानें तो ठेकेदारों को 18 प्रतिशत जीएसटी देनी होती है। सुविधा शुल्क मिला कर लगभग इसकी दरें निर्धारित दरों से 40 फीसदी तक कम हो रही है। ऐसे में इतनी कम दरों पर ठेकेदार तय गुणवत्ता वाली सड़क का निर्माण किस प्रकार कर पाएंगे, यह सवाल उठने लगा है।

हालात ऐसे हैं कि पिछले दिनों जेडीए प्रशासन ने जहां-जहां पर सड़कों के पेचवर्क करवाए हैं और नई सड़कें बनवाई है, वहां एक बारिश में ही हालात खराब हो चले है। यह सड़कें चंद दिनों में ही जर्जर हो रही है। ऐसा ही हाल बरसात में सड़कों पर लग रहे पेचवर्क का है। यह पेचवर्क भी लगाने के कुछ दिन बाद ही उखड़कर साफ हो जाते हैं। इसके बाद सड़कों पर वापस गड्ढे हो जाते हैं, जिनसे गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में नर्सेज का 2 घंटे कार्य बहिष्कार

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आव्हान पर आंदोलनरत नर्सिंगकर्मियों ने तेज किया विरोध-प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आव्हान पर नर्सेज की 11 सूत्री मांगे नहीं माने जाने से आक्रोशित राजस्थान के सभी नर्सिंग कर्मियों ने मंगलवार को आंदोलन तेज करते हुए प्रदेशभर के सरकारी चिकित्सालयों के मुख्य द्वार पर दो घंटे प्रदर्शन कर नारेबाजी। इस दौरान नर्सेज ने सभाएं भी की।

समिति के प्रदेश संयोजक प्यारे लाल चौधरी, राजेंद्र राणा, नरेंद्र सिंह शेखावत ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि आज ढाई महीने से लगातार अपनी जायज मांगों को लेकर नर्सेज शांति पूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा कोई निर्णायक वार्ता नहीं करने से राजस्थान के समस्त नर्सेज भारी आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि नर्सेज राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार करने, उनको जरूरतमंदो तक पहुंचाने व जनहित के कार्य में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। वहीं आंदोलनों से दूर रहते है, इन्ही कारणों से राजस्थान के नर्सेज बिहार, यूपी, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली जैसे राज्यों से अपने समकक्ष पुलिस, शैक्षिणक, अकाउंट्स सर्विसेज आदि से वेतन भत्तों में व पदोन्नित में काफी पिछड़ गए है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अब भी मांगों पर कोई निर्णायक करवाई नहीं की गई तो पूरे राजस्थान में आंदोलन को 2 अगस्त से ग्रामीण क्षेत्रों में और तेज किया जाएगा।

जिला संयोजक अनेश सैनी, महिपाल सामोता व जे पी कस्वा ने बताया कि जयपुर में एसएमएस हॉस्पिटल, महिला चिकित्सालय, जनाना अस्पताल, जे के लॉन, कांवटिया, गणगौरी, मेंटल हॉस्पिटल, सेटेलाइट हॉस्पिटल सहित तमाम चिकित्सालयों में नर्सेज ने दो घंटे विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। जिला संयोजक सोम सिंह मीणा, सह संयोजक मनोज दुब्बीव समोल चौधरी ने बताया कि एसएमएस हॉस्पिटल में आयोजित सभा को प्रदेश संयोजक नरेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राणा, प्यारे लाल चौधरी, भूदेव धाकड़, पुरषोत्तम कुम्भज, महासचिव कैलाश शर्मा, जावेद नकवी, तारा चंद जांगिड़, द्वारका यादव सहित दर्जन भर नर्सिंग नेताओं ने संबोधित किया। इस दौरान आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया। उधर एसएमएस हॉस्पिटल में ट्रॉमा सेंटर के नर्सेज द्वारा पंद्रहवें दिन भी धरना दिया।

वहीं दूसरी ओर मंगलवार को जनाना अस्पताल में दो घंटे सांकेतिक कार्य बहिष्कार किया गया। कार्य बहिष्कार प्रदेश संयोजक रमेश सैनी व भूदेव धाकड़ के निर्देशन पर संयोजक विकाश चौधरी, राकेश यादव, अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में किया। इस दौरान जनाना अस्पताल की ठाकुर आशा, कमलेश शर्मा, जीजी टी, प्रमिला, गीता शिवराम, सीजी वर्गीस, किरण प्रजापत, सूजा वर्गीस, पूनम अहलावत, मिश्री, रेखा, देवेंद्र पंत, अशोक पुरोहित, महावीर शर्मा, गोविंद शर्मा, हेमराज स्वामी, वेदप्रकाश सहित सैकड़ों नर्सेज शामिल रहे।

सार-समाचार

बार एसोसिएशन चुनाव के शपथ पत्र का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

जयपुर, (का.सं.)। दी बार एसोसिएशन, जयपुर के 28 अगस्त को होने वाले वार्षिक चुनाव के लिए चुनाव समिति द्वारा वकीलों से 17 अगस्त 2022 से 17 अगस्त 2023 के दौरान किसी अन्य बार एसोसिएशन में मतदान नहीं करने के संबंध में मांगे जा रहे शपथ पत्र का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। वहीं अदालत ने याचिकाओं की कॉपी बीसीआर व दी बार एसोसिएशन, जयपुर की चुनाव समिति को दिलवाने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई गुरुवार गुरुवार को रखी है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश बंशीधर शर्मा सहित अन्य की याचिकाओं पर दिए। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कहा कि दी बार एसोसिएशन जयपुर की ओर से 28 अगस्त को चुनाव कराना तय किया गया है। इसके लिए मतदाताओं से शपथ पत्र लिया जा रहा है। इसमें शर्त रखी है कि जिन वकीलों ने 17 अगस्त 2022 से 17 अगस्त 2023 की अवधि में किसी अन्य बार एसोसिएशन चुनाव में मतदान किया है। वे दी बार एसोसिएशन, जयपुर के चुनाव में मतदान के योग्य नहीं हैं। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में यह कहा था कि जिस साल में बार एसोसिएशन के चुनाव होने हैं उस साल में वकील ने किसी अन्य बार एसोसिएशन में मतदान नहीं किया हो। ऐसे में दी बार एसोसिएशन, जयपुर की चुनाव कमेटी की ओर से मांगे जा रहे शपथ पत्र में ऐसी समय सीमा की बाध्यता गलत है। शपथ पत्र जिस साल में चुनाव हो रहे हैं, उस साल में किसी अन्य बार एसोसिएशन में मतदान नहीं करने का लेना चाहिए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने ने याचिकाओं की कॉपी बीसीआर सहित चुनाव समिति को दिलवाने का निर्देश देते हुए सुनवाई 3 अगस्त को तय की है।

"राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह" शुरू

जयपुर, (का.सं.)। भारत सरकार का बुनकर सेवा केंद्र, जयपुर 9वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त को मनाएगा। इससे पूर्व केंद्र की ओर से राष्ट्रीय हैंडलूम वीक का आयोजन राजस्थान सरकार व अन्य फैशन डिजाइन संस्थानों के संयुक्त तत्वाधन में 3 7 अगस्त तक जवाहर कला केंद्र, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। हैंडलूम वीक का शुभारंभ पत्र सूचना कार्यालय की अपर महानिदेशक ऋतु शुक्ला ने विभिन्न संस्थानो द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों का विमोचन करके किया। उन्होने कहा राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस हैंडलूम वीक में विभिन्न प्रांतो के पुरस्कार प्राप्त बुनकर अपने कौसल का प्रदर्शन करेंगे। इससे हथकरघा, वस्त्र और डिजाइनिंग क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों को भारत के श्रेष्ठ बुनकरों की कला कौशल को जानने का अवसर मिलेगा।

ज्यादती पर धर्म शिक्षक को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नमाज और कुरान की शिक्षा लेने वाले नाबालिग से ज्यादती करने वाले धर्म शिक्षक सरफराज अहमद को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि 13 जून, 2022 को पीडित बालक के पिता ने सुभाष चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका नाबालिग बेटा मोहल्ला पन्नीगरान की सुनहरी मस्जिद में सरफराज के पास नमाज और कुरान की शिक्षा लेने जाता है। एक मई, 2022 को वह उसे रोजा इफ्तारी देने मस्जिद गया तो देखा की अभियुक्त उसके बेटे से अश्लील हरकत कर रहा है। इसकी शिकायत करने पर अभियुक्त ने उससे माफी मांग ली। इस पर वह वापस आ गया। वहीं इसके बाद उसका बेटा गुमसुम रहने लगा। इसका कारण पूछने पर 12 जून को बेटे ने बताया कि अभियुक्त ने उसके साथ कई बार ज्यादती की है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 16 जून को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडित की ओर से अदालत को बताया गया कि अभियुक्त उसे कई बार अपने घर ले जा चुका है। जहां उसने उसे नशीला शरबत पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गया। काफी देर बाद होश आने पर उसे अपने साथ हुई ज्यादती का पता चला। वहीं अभियुक्त की ओर से अदालत को बताया गया कि बालक के पिता ने उससे दो लाख रुपए उधार लिए थे। जब उसने अपने रुपए वापस मांगे तो पिता ने रुपए देने से इनकार कर दिया और उसके खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी।

Happiness Happens Month

What makes you happy? Happiness Happens Month is a whole month dedicated to celebrating what makes you happy. Even though Happiness Happens Month sounds silly, it does have a very important purpose. "The month reminds us that happiness happens one small moment at a time and it's our job to recognize those moments when they happen. It reminds us that sometimes a small action boosts our happiness. It reminds us that happiness is a personal experience and it's also contagious! "

#MIND & BODY

The Source of Out-of-Body Experiences

Researchers identified a brain region that can create sensations of weightlessness or falling, and it could help develop new forms of anaesthesia.

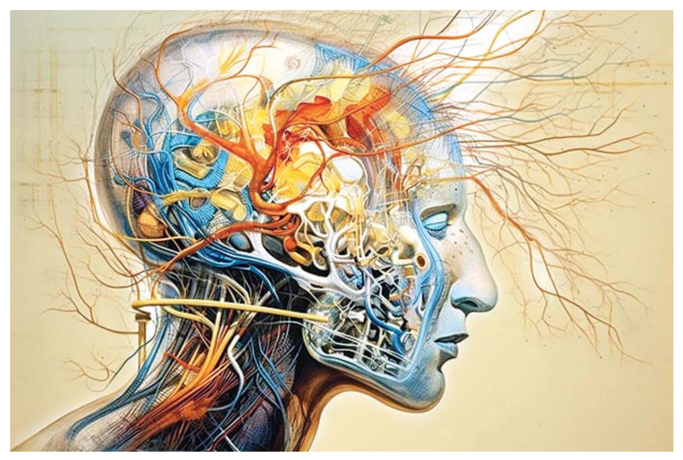

During an out-of-body experience, you might first feel weightless, like you're drifting away from the ground. Then, you might see your body from above, as if detaching from it into a phantom twin.

These startling sensations occur in an estimated 5 percent to 10 percent of the population and in many different cultures.

An out-of-body experience can happen when someone goes under anaesthesia for surgery, has a near-death experience or wakes up in the night temporarily unable to move or speak, a phenomenon called sleep paralysis.

Now, scientists have pinned down a part of the brain that may be going haywire during out-of-body experiences. The findings, published last month in the journal Neuron, hint at how the brain creates our everyday sense of reality and could point researchers toward new types of anaesthesia in the future.

In 2019, an epilepsy patient visited Josef Parvizi, a neuroscientist at Stanford University and senior author of the recent study, and said he sometimes felt like he was floating.

The patient felt "like an observer to conversations" going on in his mind. The neuroscientist had a hunch that whichever brain area was undergoing unusual activity in the patient due to his epilepsy could also play a part in this altered state of consciousness.

Since that meeting, Parvizi and his team have tracked down a part of the brain that may be involved in out-of-body experiences.

The culprit is a small sliver of tissue, buried deep within the fold running down the top of the brain, called the anterior precuneus.

During the study, stimulating this area with electricity resulted in unusual sensations in eight volunteers with epilepsy.

When scientists sent electric pulses to this chunk of

the brain, the volunteers did not have true out-of-body experiences, but they felt like they were floating or falling. They also expressed feeling dizzy, dissociated and less focused.

"All of them reported something weird happening to their sense of physical self. In fact, three of them reported a clear sense of depersonalization, similar to taking psychedelics."

In this way, the anterior precuneus is likely the seat of a person's physical sense of self, or the idea that experiences are happening to you, not to someone else.

Disrupting this network in your brain could shift your point of view, making your place in the world seem unreal, the team found.

This understanding could point doctors toward potential treatments for people with trauma-related mental health problems that cause feelings of dissociation, Sahib Khalsa, a neuroscientist at the Laureate Institute for Brain Research who was not involved in the study, tells Scientific American's Diana Kwon.

The "sausage-looking piece of brain," as Parvizi calls it, might also act as a substitute for aesthetic drugs during medical procedures in the future.

Most drugs for general anaesthesia travel throughout the whole body and brain and carry some risks, since they slow heart rate and breathing. Purdon tells the publication that by sending electric pulses to this part of the brain, scientists might design new methods for anaesthesia with fewer side effects.

FISHING IN NOT SO TROUBLED WATERS (...1)

Around 2 in the morning, I instinctively sensed a slight change in the trim (the submarine was tilting nose up). Even before the DO could switch on the intercom to report the changed situation, I rose from my bunk and rushed to the Control room. A quick glance at the instruments warned me that for some strange reason we were involuntarily losing depth and slowly rising to the surface.

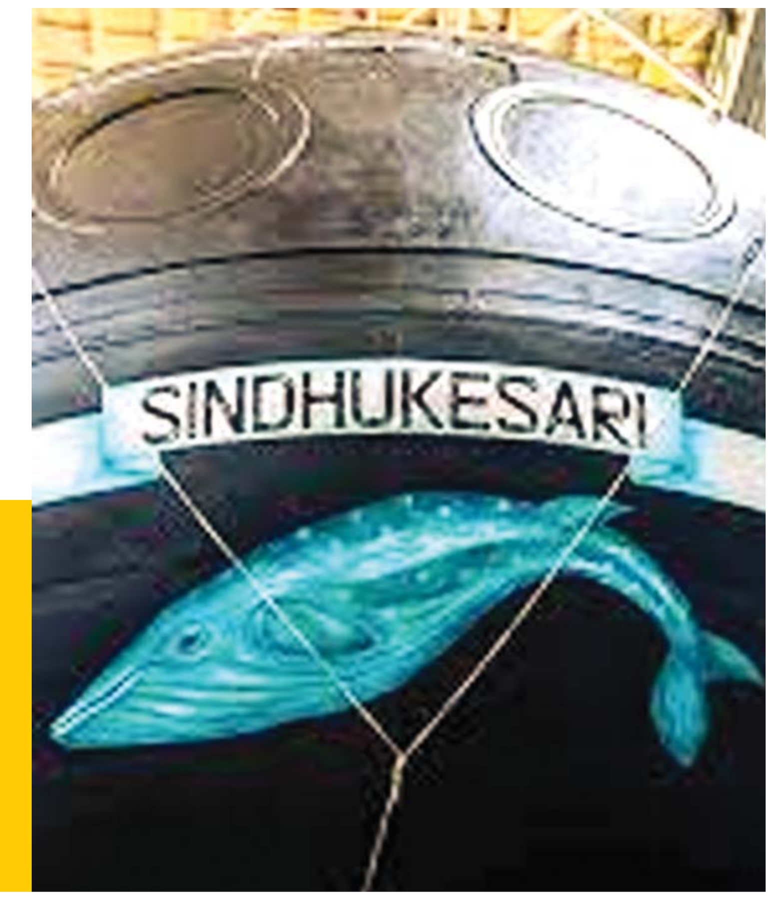

Wg Cdr Unni Kartha (Retd)
aka Cyclic is a retired IAF pilot with a penchant for storytelling

I am Commander Vinayaka S Agashe, now past my prime, tired and retired, with grand children who probably view me as a useless 'Grand Pa' because I couldn't, or wouldn't, talk about anything that I did in the submarine arm of the Indian Navy. Nevertheless, not too long ago, I was a soldier in whites with gonads charged with testosterone. The only proof I have now, that I was such a man, is a coin sized 'Vishisht Seva Medal' with a ribbon, kept in a box in my bedroom, a rarely noticed object, just like the submarines that I sailed.

The submarine arm of the Navies of the world is generally referred to as the 'Silent Service' because one rarely gets to see it, and what it does routinely for a living is usually classified under the draconian 'Official Secrets Act'. Very rightly so! A submarine is a deadly, silent, strategic weapon system that could start a war on its own, even with one's best friend, or stop one with one's worst foe. Therefore, in peace or war, if a submarine is seen or detected in any place other than its home base, every attempt is usually made to kill it at sight, because more often than not it is always behind enemy lines, doing something fishy. A submarine is usually perceived as an infamous 'Peeping Tom', wielding strategic as well as tactical weapons to make war, and hence to be punished, killed by friend or foe, with utter prejudice!!

Life on board electric / diesel propelled submarines of yore was like living in the stomach of a hydro dynamically curvaceous crocodile, hidden in the 'Purdah' of the dark depths of oceans, once in a while coming to periscope depth on dark nights to charge batteries, or surface to rendezvous with supply ship to take on board fresh rations, exchange personal mails, spares for machinery if required, or evacuate sick personnel. A submarine carries fuel, lub oil and dry rations to stay on patrol for up to 100 days without any support. As far as possible there is total electronic silence; to and fro coded messages are sent or received underwater on VLF.

Though submarines have hatches on top side to load supplies, torpedoes, bulky machinery and things like that while in port, routine entry of personnel into a submarine is usually through a hatch in the conning tower, sliding down a near vertical ladder. Once inside, for a tall man there is barely headroom to stand upright. None has a bunk of his own except the 'Captain' of the boat. The rest shares sleeping quarters on eight hour rotational basis, sleeping wherever one could find space. During wakeful hours one was always on duty, with something or the other to do, usually the underworld mischief, the 'Izat Iqbal & Quam' kind, in clandestine service to the nation.

There is no privacy on board, because due to lack of space one or the other controls of the complex systems of the submarine is located even in the ruddy toilet. While one is in deep contemplation like King Solomon, procrastinating on one's constitution, someone or the other would come by to turn on or close one or the other valves and switches located in the toilet without even a comment 'Excuse Mois, S'il Vous Plait'!! Fresh water was a scarce commodity and hence sea water and salt crystals in the cleft of the bums or armpit gave submariners permanent 'Dhobi's Itch'. The saving grace is that one didn't have to shave or brush teeth, and therefore all submariners have the look of 'Davy Jones', the pirate of the Caribbean, when they are at sea!!

The worst pathological fear of a submariner is a fire on board, death by fire, or asphyxiation by smoke and battery fumes. There is no place one can run off to, and it is not possible to jump out of a submarine when it is submerged. It is usually not possible to surface because one is always in the wrong place and if seen or caught would create a national embarrassment. Fire in a submarine usually leads to catastrophic consequences. Therefore, all told, submariners usually lead a charming 'Kamikaze' type of life, whistling 'Que Serra Serra, whatever will be will be, the future is not ours to see, or worry about'.

The Official Secret Act has a shelf life of around 25 yrs and hence I could perhaps narrate an older story without inviting the wrath of 'Aye Bee Jee', simply to give you an idea of what the silent service routinely do to earn a living.

During Sep / Oct 1986 I was in command of INS/M Vagli, a diesel electric 'Foxtrot' class submarine, a vintage boat compared to the Nuclear submarines now.

There was a party, 'Command Reception' of some sort, on the lawns of Command Mess in Mumbai and everyone was enjoying their drink. Someone came and told me that Capt Suresh, the Captain (Submarines), was looking for me. As soon as I met Capt Suresh, he told me to come along to C-in-C's office. In C-in-C's office, there were Flag Officer Submarines and Chief of Staff. The C-in-C, V Adm. Chopra, asked me if I am ready to sail right away. I was briefed by the Chief of Staff and I left the party immediately and went on board Vagli.

During the next 3 hours all personnel were recalled, fresh rations along with a team of 12 clearance divers with 4 Geminis (inflatable rubber boats) were loaded, torpedoes were armed, Vagli was prepared for sea and we silently left harbour. So silently that ships secured alongside our berth also did not come to know.

#THE 'SILENT SERVICE'

> This particular mission was to snoop around for 30 odd days and we were to go close inshore, submerged as usual, and operate with acute risk and caution. We were to go into the territorial waters of Sri Lanka. It was our job to keep a track of friends as well as foes, knowing full well that if caught, surrender was not an option that we would be destroyed on sight, and no mercy would be shown to Peeping Toms.

My sailing orders were for an innocuous 'operational patrol', an euphemism for clandestine gathering of technical intelligence of every kind, whether to do with natural changes in oceanography, access into harbours, monitoring acoustic and magnetic signatures of ships of every kind, radio & radar intercepts, assessment of maritime threat scenarios, infiltration or infiltration of intelligence operatives .....And so on, basically espionage. This particular mission was to snoop around for 30 odd days and we were to go close inshore, submerged as usual, and operate with acute risk and caution. We were to go into the territorial waters of Sri Lanka, a country which at that time was neither at war with us, nor showed any hostility. But in the murky underworld of espionage, a friend today could be an enemy tomorrow and hence it was our job to keep a track of friends as well as foes, knowing full well that if caught, surrender was not an option that we would be destroyed on sight, and no mercy would be shown to Peeping Toms. We had much in common with the slogan of the Gurkha Regiment of the army, 'Kafar Bhanda Marnu Ramro', or 'better to die than surrender and chatter like a coward'.

Vagli approached operational area off Batticaloa at 100 meters depth. I called a meeting of the Departmental Heads, Lt Cdrs Robin Pereira (Ex O), PC Agarwal (Eng-O) and Lt Srikant (Electrical-O), to explain to them the mission goals, what was on my mind, how we were going to play the hide and seek game, and to seek their wise counsel. On a submarine we did team work, with everyone doing their share of the myriad tasks, with 'a-priori' knowledge and zestful cooperation, doing what needs to be done without being told or reminded.

After discussion and deliberations it was decided that we would proceed with silent speed, at 100 meters depth, to take up position at the boundary of the territorial waters before sunset. Thereafter, during the dark hours, we would rise to a depth of 50 meters for the foray along the coast line, as close as we could get. Since the continental shelf was steep, the depth of water shown on our navigation chart of the target area as 'Bottomless' or more than 1000 meters.

A submarine operates on the simple 'Archimedes' principle; once under water, it maintains neutral buoyancy with zero trim, or horizontal position by filling Compensating Tanks (Comp) with water or by blowing out water with compressed air.. At the sunset, we were in position at 100 meters depth, zero trim, running minimum machinery so as to remain silent. Any sound produced on board is the bitter enemy of a submarine since sound travels far underwater and warns the enemy of our approach.

The sea-surface picture obtained using 'Sonar', like an underwater radar, indicated 4 trawlers, 3 merchant ships and 2 hostile war ships- possibly frigates. We crawled past avoiding the hostile vessels, like a silent shark, closer and closer to the shore line. We rose to 50 mts depth as planned. My men went about silently doing their own independent tasks of surveillance and gathering a plethora of strategic and tactical intelligence. The clock ticked loudly and time flew at super speed. I handed over the control room (Con), the nerve centre of the submarine, to the 'Duty Officer (DO) On Watch' and retired to my cabin a few yards away from the Con to cock a short routine snooze.

Around 2 in the morning, I instinctively sensed a slight change in the trim (the submarine was tilting nose up). Even before the DO could switch on the intercom to report the changed situation, I rose from my bunk and rushed to the Control room. A quick glance at the instruments warned me that for some strange reason we were involuntarily losing depth and slowly rising to the surface.

"Slow Ahead, Port and Starboard Motors, Both planes to Dive" I commanded. The DO repeated my command to the propulsion controller. The control planes (like elevators on an aircraft) are just aft of propellers and therefore the planes become more effective with increased wash of propellers. I could feel the vibrations increase as the propellers increased thrust; still the submarine kept losing depth- it kept going up on its own gradually.

'Flood Comp-2, half ton"', I commanded. The DO dutifully repeated my command to the Panel Chief, a senior sailor responsible for taking in water in Comp-2 filling water in the ballast tanks to make the boat heavier so that it would stop going up.

'Flood Comp-2 half ton" I repeated the commanded, rather superciliously. I could see that the Planes-man was already struggling with the planes control to get the submarine back to horizontal position, taking reference from the trim indicator on a panel in front of him. The submarine trim is controlled by Forward and Aft planes, using a pull push control, much like the joy stick of an aeroplane.

The normal laws of hydrodynamics and submarine control system did not seem to be working. Vagli was responding rather erratically and seemed sluggish. If this continued, if we surfaced involuntarily and got detected, the consequences were unthinkable. It was as dangerous a situation as I could get myself into. I began to sweat despite the air conditioning.

'Inspect Compartments'.

My voice was hoarse with tension and perhaps too loud for the confines of the control room. My command was dutifully repeated by the Officer of the watch (OOW) on the intercom. I could imagine every man on the ship scurrying about like rats inspecting every part of the submarine from head to toe and top to bottom. One by one they called from their individual stations to report 'All Correct'. The OOW used a check list till the last man called.

'All compartments checked correct", he reported. Just a few minutes had elapsed since I took over the Con from the OOW. I could feel the sweat on my brows. I felt cold stares from those around me. I ordered, "Flood Comp-2, one ton" The Captain was expected to be ice cool in an emergency, and here I was in cold sweat. I clenched my fists to take control of myself.

'Flood Comp-2 one ton", I croaked, trying to use my will power to stop the submarine from going up on its own. 'Vagli, sweetheart, listen to me', I spoke to the submarine silently. It seemed that Vagli actually heard my appeal; it started to very slowly come to heel. We stopped coming up.

'Go back to 50 mts depth', I ordered. The Ex-O repeated my order. In my consternation I had not noticed that Robin had come in quietly and taken over from the OOW. I exhaled slowly; it was very comforting to have Robin besides me.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#RELATIONSHIP

Being A Supportive Partner

Whether they're struggling with a big or small issue, this is how you can be as helpful as possible.

You might think that you're pretty good at being supportive. You work hard. You compliment. You know when something's up and are there for your spouse.

But it's not really your call. When it comes to support, what you think is not necessarily what your partner feels.

It's all about what they need, and if it wasn't tricky enough, that can change regularly. What might have helped yesterday is not what will work today and might not be what's wanted in an hour.

"Needs can be so different," says Robin Norris, a marriage and family therapist in Virginia. "Some need action-oriented plans. Some need to be heard. It can be more complex than just being there for someone."

So it leaves you with a question: what do you do? And what does being supportive look like? There isn't one answer. But all of the right ones key in on paying attention, remaining flexible, and being willing to be uncomfortable, because when you're called on for support, it usually means your partner is not at their best.

Here are some tips that can help.

Just Ask What They Want

Yes, that's it. Nothing more complex than opening with, "What do you need from me right now?," says Orna Rawls, a licensed marriage and family therapist in Stratford, Connecticut. You're not barging in. You're not trying to offer a solution they didn't ask for. And you're definitely not trying to be the smartest person in the room by guessing the correct "answer".

"We usually guess incorrectly because we think we're more similar to our partner because we live with them, but we're our unique selves," Norris says.

So asking is good!

Confirm What You're Hearing

Of all the answers to, "What would help?," most likely the answer will be to listen. "Fifty percent of the time, you'll find out they just need an ear," Rawls says. "People feel supported when they feel heard."

The same rules apply: Don't be distracted. (Your phone? Put it down.) Make eye contact. Don't interrupt. But there will be a time to talk, and before you do, make sure you understand what they've said.

Often, Rawls says, this is what trips couples up, because there's a figurative interpretation box sitting in between. Words go in, get filtered and heard differently; then it's, "That's not what I meant," resulting in no connection.

What you do is paraphrase back and ask, "Is this what you meant?" If yes, the conversation continues. If the answer is no, you say it again and keep saying it until it's what they meant. And this helps both sides. This is a chance for you to understand and your spouse might realize that they may be unclear on what they're feeling.

Keep Checking In

You might be providing what was requested, but periodically, ask, "Is this working?" "Is this still working?" "Am I giving you what you're looking for?"

One thing to be careful of is using "help" and "support" interchangeably. They sound similar, but they can elicit different reactions.

The former can imply weakness. The latter sounds like two people working together, which is why it's good to check in and adjust if necessary.

"We're not always going to get this right, but they trust that we're trying," Norris says.

Resist That Urge

You see them going down an unproductive path or convincing themselves of something you know won't work. Unless they ask, keep it to yourself. "They need to come to that conclusion on their own," Norris says. "It's how we learn best."

By not jumping in and trying to correct them, it also builds the essential element of trust because you're accepting who they are and whatever they're giving. If their ideas don't make sense? Okay. If they're snappy or grumpy? You can handle it.

"They're coming at you in a vulnerable spot," she says. "That doesn't lend itself to the most positive emotions."

But that doesn't mean to take everything without question. If you don't have the time or focus, it's legitimate to say, "I can't do it now but does 30 minutes work?" Being supportive rarely comes at a convenient time, but you don't have to immediately jump.

"It's humanly impossible," Rawls says. "You can't be on-call all the time."

THE WALL

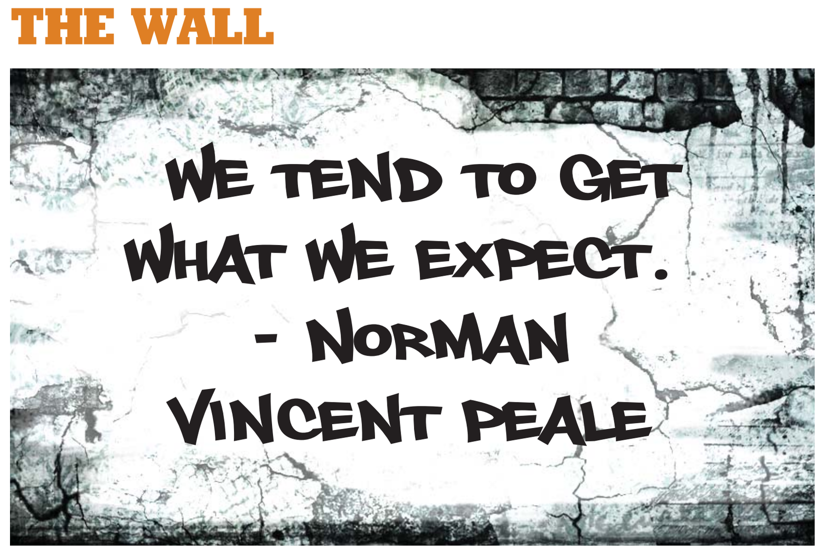

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

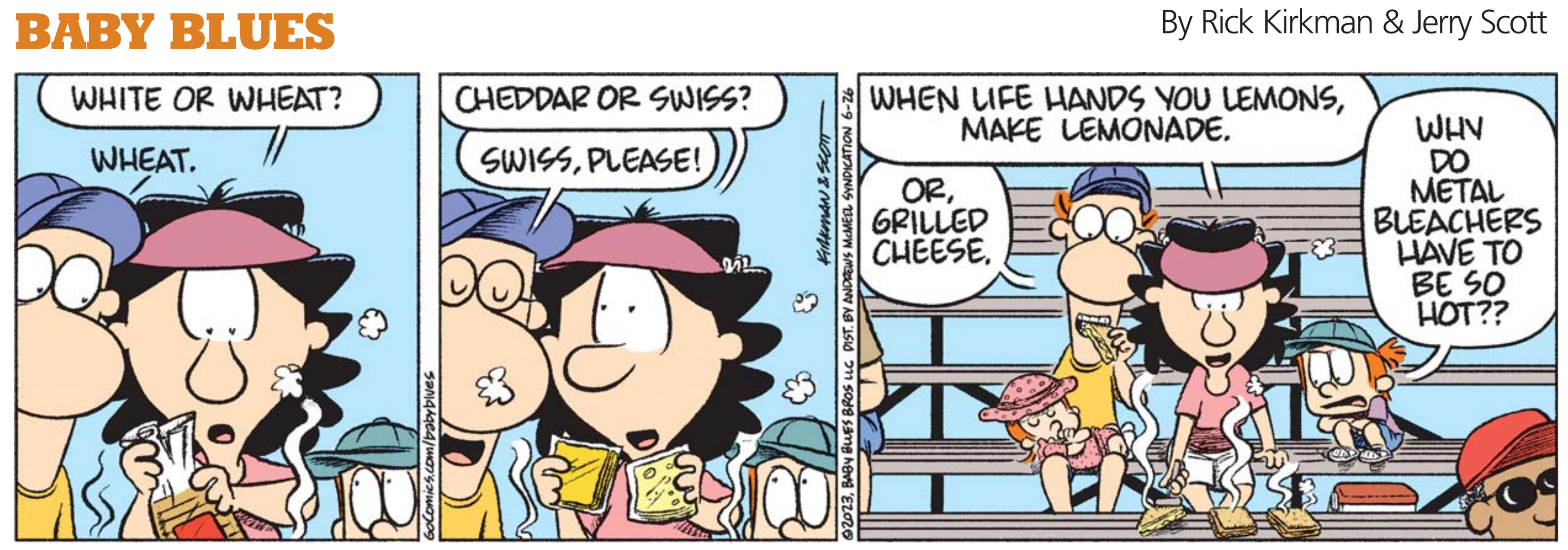

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

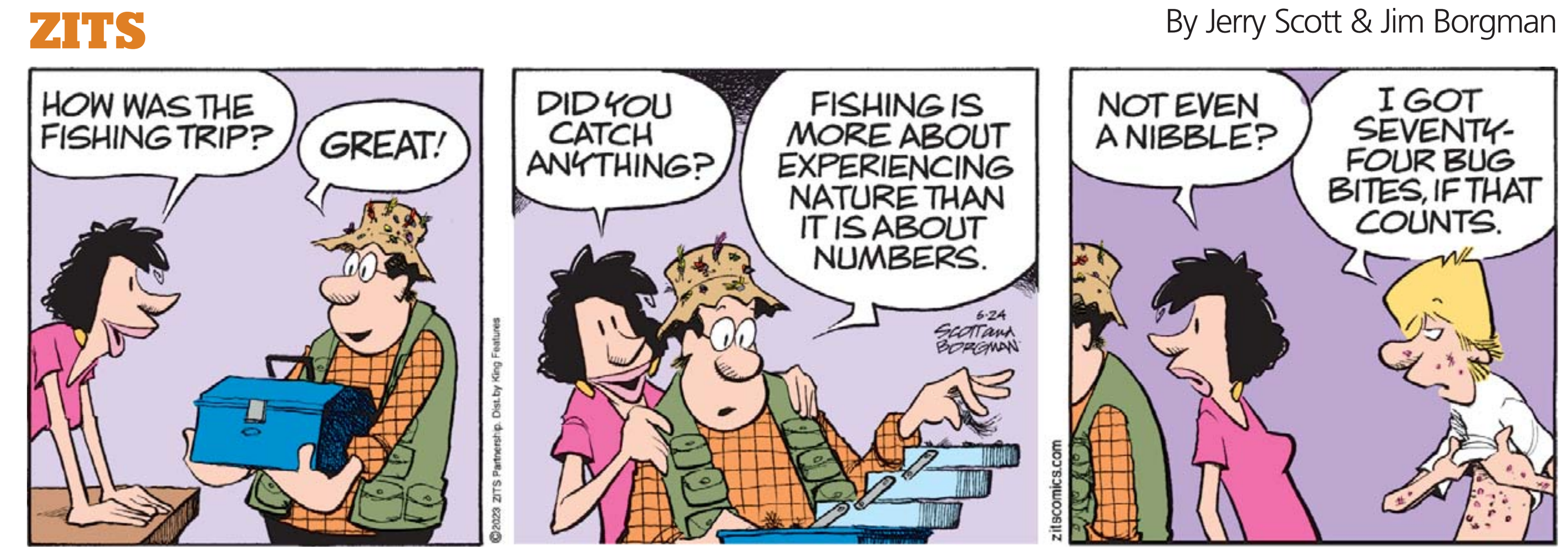

घना पक्षी विहार के पास कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये

विवादित जमीन, केवलादेव घना पक्षी विहार के इको सेंसेटिव जोन में होने के बावजूद किया गया अवैध निर्माण

भरतपुर, (निसं)। मृदुल कच्छावा जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर के निर्देशन में ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत भू-माफियाओं के विरूद्ध कारवाई को अंजाम दिया गया। भरतपुर शहर में जमीनी विवाद में आये दिन हो रहे फायरिंग के मामलों पर अंकुश लगाने के लिये शीशम तिराहे के नजदीक घना पक्षी विहार के बगल में एनएच-21 पर स्थित जमीन पर शेरा पहलवान व उसके अन्य साथियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये जाने की कारवाई की गई।

उक्त जमीन पर उपखण्ड न्यायालय से स्टे आदेश होने के बावजूद शेरा पहलवान व उसके साथियों द्वारा विवादित जमीन की चारदीवारी कर टीनशेड डालकर अनाधिकृत अवैध कब्जा कर रखा था। उक्त अवैध कब्जे को आज प्रात: 6 बजे पुलिस, प्रशासन व वन विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कारवाई करते हुये ध्वस्त कर दिया गया। समस्त कारवाई के दौरान भूपेन्द्र शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर तथा देवेन्द्र परमार उपखण्ड मजिस्ट्रेट भरतपुर एवं वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। मौके पर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये नगेन्द्र सिंह वृत्ताधिकारी वृत शहर भरतपुर तथा अरूण सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना सेवर मय क्यूआरटी तथा पुलिस लाईन भरतपुर के 50 हैड कानिस्टेबल कानिस्टेबल के जाप्ता के साथ अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान उपस्थित रहे।

पुलिस तथा प्रशासन एवं वन विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण को ध्वस्त कराया।

- शेरा पहलवान व उसके साथियों ने कर रखा था जमीन पर अनाधिकृत अवैध कब्जा
- भू-माफियाओं के खिलाफ भरतपुर पुलिस द्वारा भविष्य में अपनाई जावेगी जीरो टोलरेंस की नीति

नर्सेज कर्मियों ने प्रदर्शन कर कार्य बहिष्कार किया

जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमराई

मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विरोध-प्रदर्शन किया।

- वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढ़ाने सहित 11 सूत्री मांगें

चूरू, (कासं)। पिछले 15 दिनों से 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले राजकीय भरतिया अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे नर्सिंगकर्मियों ने मंगलवार को दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस कारण जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमरा गई। हालांकि आपातकालीन वार्ड में सेवाएं शुरू रही।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक प्रदीप चौधरी ने बताया कि वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढाने सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आव्हान पर 18 जुलाई से नर्सिंगकर्मी जिला अस्पताल में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद मजबूरन उन्हें कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाना पड़ा। चौधरी ने कहा कि अगर फिर भी राज्य सरकार उनकी मांगें नहीं मानती तो प्रदेशभर के नर्सिंगकर्मी जयपुर में डेराडालकर प्रदर्शन करेंगे। जिलाध्यक्ष सुमेर सिहाग ने प्रदर्शन की आगामी रणनीति के बारे में पदाधिकारियों से चर्चा की। सिहाग ने बताया कि अगर सरकार ने नर्सेज की मांगों को नहीं माना तो आगामी 16 अगस्त तक लगातार दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया जायेगा।

इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में पुरुषोत्तम सुंडा, हीरालाल सुथार, सुनील गढ़वाल, अनीता, पिंटू, मामराज ईषराण, नरेश खीचड़, नरेश मीणा, विनोद माहिच, महेंद्र भाम्बू, धर्मेंद्र सिहाग, संतोष बलाई, रोशनी कस्वां, फतेहचंद सैनी, रीना डूडी, सरिता, प्रमिला, विनोद, सरोज, मनेष, सुमन, चंद्रकला, सीटू कस्वां, चंचल, प्रियंका, धनेष, पूनम, दीपा, गीता चौधरी, सुभाष, मंजू, सुनीता, ताराचंद, संदीप सिंह, सन्ने सिंह, सुप्यार, रजनी सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मी उपस्थित थे।

छह फीट लम्बा अजगर को देख परिवार के उड़े होश

रेस्क्यू को पहुंची वन विभाग की टीम खाली हाथ लौटी

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय के सेडुलाई कॉलोनी में सरकारी अध्यापक एवं स्काउट गाइड संघ के सचिव श्रीकांत शर्मा के मकान के अंदर करीब छह फीट लंबा विशालकाय अजगर देखकर परिवारजनों के होश उड़ गए। अध्यापक शर्मा ने बताया कि विगत शाम के समय उनकी पत्नी बच्चे आदि घर में टहल रहे थे।

इसी दौरान बाडे की तरफ पहुंची उनकी पत्नी को अचानक एक विशालकाय सांप नजर आया। इसकी सूचना उनकी पत्नी द्वारा उनको दी गई। इसके बाद उनकी पत्नी द्वारा बाड़े का दरवाजा बंद कर खुद को सुरक्षित जगह पर खड़ा कर लिया गया। इस मामले को लेकर उनके द्वारा सारे घटनाक्रम की जानकारी वन विभाग को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे रेंजर जगदीश मीणा के नेतृत्व में कर्मियों द्वारा मोबाइल में खींची हुई फोटो को देखा तो अजगर सांप होने की पुष्टि की गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम को दंपत्ति द्वारा बताया गया कि वह सांप पास ही एक कच्ची दीवार को लांघ कर खेत में घुस गया है।

वहीं मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा संभावित किसी अन्य खतरे को भांपते हुए अजगर सांप को रेस्क्यू करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। काफी देर चलाए गए अभियान के दौरान अजगर सांप कहीं नजर नहीं आया। वहीं वन विभाग की रेस्क्यू टीम खाली हाथ वापस लौट गई। वहीं क्षेत्र के प्रमुख प्राणी विज्ञान रामगढ़ पचवारा कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष पहाड़िया ने बताया कि बारिश का मौसम होने के कारण जिस जगह अजगर सांप द्वारा सुरक्षित शरण ली गई होगी संभवत पानी भरने के कारण अजगर सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में एवं भूखा होने एवं अगर मादा अजगर हुआ तो फोटो में दिखने के हिसाब से संभवत या प्रसव पीड़ा केके चलते या शिकार की तलाश में इधर-उधर भटक रहा होगा। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों एवं जिस घर में अजगर सांप निकला था परिवार के लोगों को निगरानी बरतने के लिए कहते हुए ऐसे वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने एवं देखने पर तत्काल वन प्रशासन को सूचना देने की बात कही गई।

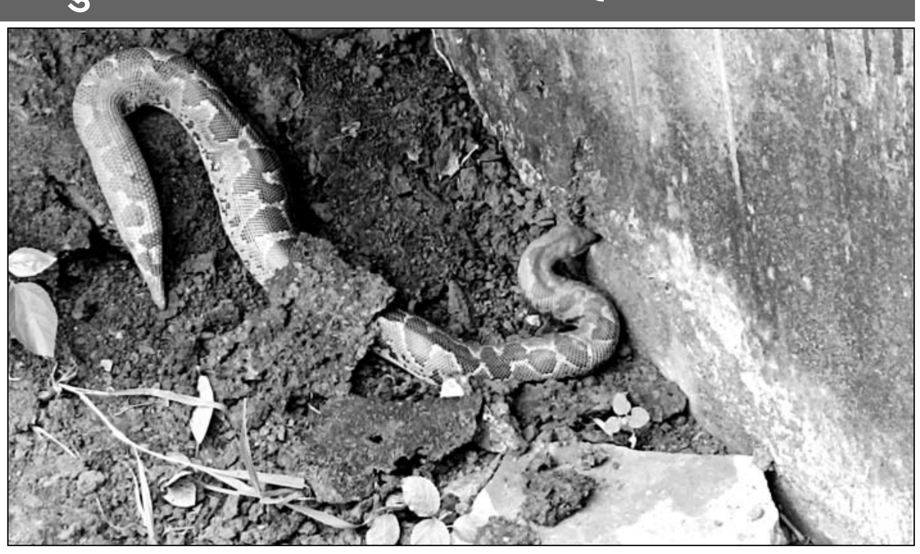
सेडुलाई कॉलोनी के एक घर में निकला विशालकाय 6 फीट लंबा अजगर।

हत्या का आरोपी रिमांड पर

सुजानगढ़, (निसं)। राजेश सांखला हत्याकांड के आरोपी हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपे जाने के आदेश दिए गए। सीआई मुकुट बिहारी ने बताया कि राजेश सांखला हत्याकांड के आरोप हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया गया है। रिमांड अवधि में आरोपी से हत्या में काम लिए हथियार एवं मृतक के मोबाइल की बरामदगी करने के साथ ही विभिन्न पहलुओं पर बारीकी से जांच की जायेगी तथा अन्य की संलिप्तता के बारे में भी गहनता से पूछताछ की जायेगी। ज्ञात रहे कि उधार लिए गए तीस हजार रूपये के तकादे से परेशान होकर हैदर ने फावडे की डंडे के वार से राजेश की हत्या कर दी थी।

मां-बेटी के शवों का तीसरे दिन पोस्टमार्टम हुआ

जोधपुर, (कासं)। शहर के सैन्य क्षेत्र हमीदाबाग में रविवार की अलसुबह संदिग्ध हालात में सैन्य क्वार्टर में मां बेटी की मौत हो गई थी। उनके अधजले शव पलंग पर पड़े हुए थे। घटना के तीसरे दिन मंगलवार को परिजन के जोधपुर पहुंचने पर शवों का मिलिट्री अस्पताल में मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम प्रक्रिया आरंभ की गई। मृतका की बड़ी बहन आई है साथ ही उसके पति के घरवालें अस्पताल पहुंचे हैं। सूबेदार ने मां बेटी के शवों को प्रथम दृष्टया देखा तब उनके मुंह से झाग निकल रहे थे। ऐसे में दोनों की मौत पर संदेह गहरा गया और सूबेदार की तरफ से जहर देकर मारने की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी गई थी। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम से ही हो पाएगा। जानकारी के अनुसार गत रविवार की अलसुबह सेना में जवान व नायक के पद पर पदस्थ रामप्रसाद की पत्नी रूक्मीना उम्र 25 साल और मासूम बेटी रिद्धिमा उम्र 2 साल अधजली हालत में मिले थे।

कुएं में गिरने से किसान की मौत

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बा निवासी एक किसान की मंगलवार को कृषि कार्य के दौरान कुएं में गिरने से मौत हो गई। थाना पुलिस एएसआई रामस्वरूप खिंची ने बताया कि मंगलवार की दोपहर को रामसहाय खटीक अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। कुएं की मुंडेर के पास कार्य करने के दौरान असंतुलित हो कुएं में गिर जाने से मौत हो गई। पास ही खेत में कार्य कर रही मृतक की पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुन पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर शव को कुएं से बाहर निकाला।

साधु ने बालिकाओं के अपहरण का प्रयास किया

- सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया

नैनवां, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी खानपुरा के पास साधु वेशधारी कुछ लोगों द्वारा विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केलों (फल) का प्रलोभन देकर अपहरण करने का प्रयास किया। सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों के द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया। घटना की सूचना पर नैनवां थाना पुलिस को दी।

सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चियों व लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर साधु वेशधारी कुछ लोगों ने विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केले का प्रलोभन देकर लाल कलर की गाड़ी में अपहरण करने का प्रयास किया। साधु वेशधारी अपहरणकर्ताओं की इन हरकतों को देखकर मनीष नागर सहित कुछ ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की तो अपहरणकर्ता हिंडोली की तरफ फरार हो गए। क्षेत्र में लगातार बढ रही आपराधिक घटनाओं के चलते आमजन में भय का माहौल है जैसा कि विदित है कि अभी 15 दिन पूर्व एक लड़की का इसी राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर से अपहरण हुआ था जिसकी रिपोर्ट परिजनों द्वारा थाने में दी गई मगर कार्यवाही ना होने पर पीडित पिता ने एक बार फिर नैनवा एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई।

क्षेत्र में लगातार घट रही बड़ी आपराधिक घटनाओं का खुलासा न होने व पुलिस प्रशासन के लगातार विफल रहने के चलते अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद है। जिसके चलते एक बार फिर स्कूली बच्चियों के अपहरण करने का प्रयास करने का मामला सामने आया। जैसा कि लोगों बताया कि अब तक क्षेत्र में घटित कई बड़ी आपराधिक घटनाएं पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी हुई है। बालिका के परिजन बाबूलाल ने नैनवा थाने में रिपोर्ट देकर अपहरणकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

नीलामी पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

चाकसू, (निसं)। कस्बे में नगरपालिका की ओर से आईडीएसएमटी कॉलोनी में गैर मुमकिन पाल एवं राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा अब्दुल रहमान प्रकरण में इस प्रकार की विक्रय, आवंटन नियम आदि से प्रतिबंधित होने के बावजूद प्रशासन द्वारा आवासीय स्कीम काटने के मामले को लेकर 12 जुलाई 2023 को जिला कलेक्टर द्वितीय के स्टे के आदेश के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने आईडीएसएमटी स्कीम के तहत चाकसू नगर पालिका की ओर से मंदोकरा तालाब की पाल के पास करीब पन्द्रह रिहायशी भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। यह नीलामी बुधवार को होनी है। न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने राधेश्याम सैनी की जनहित याचिका पर इस मामले में स्वायत्त शासन सचिव, नगर पालिका ईओ व चाकसू एसडीओ से जवाब भी मांगा है।

प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कोर्ट से कहा कि नगर पालिका आईडीएसएमटी स्कीम के तहत रिहायशी भूखंडों की नीलामी कर रही है, लेकिन यह जमीन मंदोकरा तालाब की पाल पर है। ऐसे में बारिश के कारण तालाब टूटने पर इस क्षेत्र में जलभराव से जनहानि की आशंका है। इस परिस्थिति में भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। वहीं उपरोक्त तालाब की पाल के पास काबिज किसान बाबूलाल सैनी, प्रहलाद सैनी एवं प्रभु सैनी ने बताया कि तालाब के पास और पाल के लगवा हमारी काश्तकारी भूमि है जिस पर हमारे परिवार खेती किसानी कर कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। तालाब ओवरफ्लो हो जाने के बाद खेती किसानी, साधनों को लाने ले जाने और आने जाने के रूप में यहां काबिज किसान परिवार उपरोक्त पाल का जन्म से उपयोग करते आ रहे हैं।

घायल युवक की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के सीकर-नोखा मार्ग स्टेट हाईवे पर 28 जुलाई को मोटरसाईकिल के सामने गाय आने से उसको बचाने के चक्कर में बाईक फिसल जाने से घायल हुए 24 वर्षीय बैरासर निवासी राधेश्याम की ईलाज के दौरान बीकानेर में मौत हो गई।

पुलिस सुत्रों के अनुसार बैरासर निवासी मृतक के चाचा आशुदास स्वामी ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी कि मेरा भतीजा राधेश्याम 28 जुलाई को सरदारशहर से अपने गाँव बैरासर आ रहा था। रात्रि में 10 बजे के लगभग ढोली कृषि फार्म हाऊस ढिगारीया के पास अचानक मोटर साईकिल के आगे गाय आ गई। गाय को बचाने के चक्कर में मोटर साईकिल फिसल गई। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में साण्डवा के सरकारी अस्पताल ले गये जहाँ चिकित्सा ने प्राथमिक उपचार कर गम्भीर हालत को देखते हुये बीकानेर रेफर कर दिया। जहाँ राधेश्याम की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के चाचा आशुदास की रिपोर्ट पर मरग का मामला दर्ज मृतक के शव का बीकानेर पीबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

दो पक्षों में पथराव और फायरिंग

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके की आशियाना कॉलोनी में सोमवार रात को दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें पथराव और फायरिंग भी की गई। जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी मौके से भाग गए।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनोज कुमार भी रात को ही मौके पर पहुंच गए और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली तथा संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के पुलिस अधिकारी को निर्देश दिए।

कॉलोनी वासियों से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में प्रथम दृष्टया झगड़े का कारण कोई पुराना जमीनी विवाद बताया जा रहा है। जिसकी वजह से दो पक्ष रात को आमने सामने हो गए। जिनमें पहले दोनों और से जमकर पथराव हुआ और बाद में फायरिंग करने की भी बात सामने आ रही है।

एसपी मनोज कुमार ने बताया कि आशियाना कॉलोनी में जैसे ही झगड़े की सूचना मिली तो कोतवाली थाना पुलिस मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंची। इसके साथ ही डिप्टी एसपी मनिया सहित डीएसटी टीम और बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस झगड़ा करने वालों की तलाश कर रही है। इसके अलावा मौके पर लोगों से पूछताछ कर इस पूरे घटनाक्रम में शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

वहीं घटना को लेकर आशियाना कॉलोनी धौलपुर निवासी इस्लाम ने गब्बर और पाल सिंह के खिलाफ मारपीट तथा फायरिंग करने का मुकदमा कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुजला जिला बनाने की मांग, 122 वें दिन भी धरना जारी

जिला नहीं बनाने पर वोट की चोट देने की चेतावनी

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिला बनाने की मांग के समर्थन में लगातार 122 वें दिन गांधी चौक में धरना जारी रहा। सुजला महासत्याग्रह द्वारा दिए जा रहे धरने पर मंगलवार को संयोजक श्रीराम भामा ने कहा कि सुजला जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र की जनता द्वारा वोट की चोट दी जायेगी।

भंवरलाल गिलाण ने कहा कि जनभावना के अनुरूप कार्य नहीं करने पर लोकतंत्र में जनता नेताओं को अर्श से फर्श पर ला देती है। इस दौरान यूसुफ गौरी, भगवती प्रसाद सोनी, रामनिवास भाट जसवंतगढ़ ने ढोल नगाडों के साथ सुजला जिला बनाना होगा के नारे बुलन्द किये।

धरने का नेतृत्व मनोज सोनी व हाजी हाकम अली खां द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकुमार सैन, मंगतू अली घोसी, गोविंद जोशी, मोहमद अकरम, जितेंद्र सैनी, मोहित प्रजापत, मनोज प्रसाद रेगर, रूपाराम सांसी, दीनदयाल नाई, अब्दुल वकास गौरी, अब्दुल वाहिद बेहलिम, आदिल, किशोर सिंधी, रमेश कुमार, अब्दुल सहित बडी संख्या में धरनार्थी उपस्थित रहे।

सुजानगढ़ जिले की मांग के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए धरनार्थी।

सोनार दुर्ग में अधुरा रह गया झूलते तार का समाधान

दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर के पर्यटन स्थल भ्रमण करने और कैमरे में कैद करने अनगिनित देसी और विदेशी सैलानी प्रति वर्ष आते हैं परंतु खुले बिजली के तार होने से फोटोग्राफी में भारी परेशानी देखनी पड़ती है। वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरीराजसिंह कुशवाह द्वारा विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली और सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य करवाने का विद्युत विभाग को निर्देश दिए। कुशवाह के कार्यकाल में विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली में अंडरग्राउंड केबल का कार्य पूर्ण हो गया। कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया। झूलते तार बीच में आने के कारण सैलानियों को फोटोग्राफी में भारी परेशानी आ रही है।

हर साल लाखों की संख्या में सैलानी स्वर्णनगरी घूमने आते है। जिसमें उनके लिए सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल सोनार दुर्ग है, जो विश्व का एकमात्र लिविंग फोर्ट है। लेकिन इसके बावजूद सरकारी विभाग सोनार दुर्ग को पूरी तरह से अनदेखा करते हैं। 2011में सोनार दुर्ग को बिजली की तारों से मुक्त करने के लिए अंडरग्राउंड केबलिंग का काम भी शुरू हुआ था। लेकिन जिला कलेक्टर कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग अंडर ग्राउंड योजना ठंडे बस्ते में चली गई। जिससे आज भी लोग जूझ रहे है। यहां भ्रमण पर आने वाले सैलानी सोनार दुर्ग, पटवा हवेली और नथमल हवेली को आराम से निहार सके। इसके लिए कुशवाह द्वारा अंडर ग्रांउड केबलिंग का काम शुरू करवाया गया था। पटवा हवेली और नथमल हवेली में तो यह काम हो गया। लेकिन सोनार दुर्ग में पाइप डालने के बावजूद अंडरग्राउंड केबलिंग नहीं हो सकी। जिससे आज भी दुर्गवासी झूलती तारों के संकट से जूझ रहे हैं।

पटवा हवेली और नथमल हवेली के आस पास तो अंडरग्राउंड केबल बिछा दी गई। लेकिन दुर्ग का उस समय से अटका हुआ काम आज भी अटका हुआ ही है। सोनार दुर्ग के रहवासी रोज करंट के डर से सामना करते हुए अपना जीवन बसर कर रहे है। लेकिन डिस्कॉम व नगर परिषद के अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं है। शहर में सबसे तंग गलिया सोनार दुर्ग में है। जिससे झूलती तारों से कभी भी हादसा हो सकता है लेकिन दुर्गवासियों की इस समस्या से जिले के किसी भी अधिकारी को कोई सरोकार नहीं है। जबकि सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते है।

विश्वविख्यात सोनार दुर्ग में तारों का जंजाल।

- सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते हैं

भरतपुर के पहाड़ी, कामा, नगर व सीकरी में इंटरनेट बंद

हरियाणा के नूंह में ब्रज मण्डल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया

हरियाणा के नूंह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में पुलिस ने बॉर्डर को सील कर दिया।

उपखंड अधिकारी तथा कामां के एडिशनल ने जुरहरा थाने पर सीएलजी सदस्यों की बैठक ली। वहीं पुलिस ने फ्लैग मार्च किया।

भरतपुर/जुरहरा, (निसं)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है। यहां के चार क्षेत्रों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं मंगलवार को बॉर्डर भी सील कर दिया गया है। हरियाणा राज्य से भरतपुर की सीमाएं जुडी हैं इसलिए यह निर्णय लिया गया है। वहीं प्रशासन के द्वारा संबंधित क्षेत्र में धारा 144 लगाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर लोक बंधु को भेजा गया है।

संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने मंगलवार सुबह पहाड़ी, कामां, नगर, सीकरी में आज सुबह 6 बजे से बुधवार सुबह 6 बजे तक इंटरनेट पर रोक लगा दी गई है। संभागीय आयुक्त ने आदेश में बताया कि हरियाणा के नूंह(मेवात) में ब्रज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान दो गुटों में टकराव हो गया। इससे तोड़फोड़ आगजनी, पथराव और नेशनल हाईवे जाम जाम स्थिति बनी हुई है। भरतपुर में असामाजिक तत्वों की ओर से कानून और शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि नूंह में निकाली जाने वाले भगवा यात्रा का असर भरतपुर में नहीं पड़े, इसके लिए भरतपुर पुलिस को अलर्ट किया गया है। हरियाणा बॉर्डर के आस-पास पुलिस जाब्ता तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह यहां फ्लैग मार्च निकाला गया। हालांकि नासिर-जुनैद की हत्या के आरोपियों को पकड़ने के लिए गोपालगढ़ थाना पुलिस की एक टीम हरियाणा में है। अभी नासिर-जुनैद हत्याकांड के मामले में 3 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। बाकी के आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।1 अगस्त को हरियाणा के नूंह में ब्रज मंडल यात्रा

- **प्रशासन के द्वारा संबंधित क्षेत्र में धारा 144 लगाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर लोक बंधु को भेजा गया है**

निकाली जा रही थी। इसमें मोनू मानेसर ने अपनी टीम के साथ यात्रा में शामिल होने का ऐलान किया था।

मोनू मानेसर को भरतपुर पुलिस नासिर, जुनैद हत्याकांड में तलाश कर रही है। यात्रा में शामिल होने का दावा करते हुए मोनू मानेसर ने एक वीडियो जारी किया था। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने हरियाणा से सटे मेवात इलाके के बॉर्डर इलाकों में अलर्ट जारी किया था। जिससे नूंह में हुए बबाल का असर भरतपुर में न पड़े, इस स्थिति में सांप्रदायिक तनाव फैलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगाना जरूरी है। ब्रॉडबैंड और लीज लाइन सेवाओं को छोड़कर इंटरनेट पर रोक लगाई है।

जुरहरा कस्बे में पुलिस का फ्लैग मार्च :- हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद राजस्थान के भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते मंगलवार को कामां एडिशनल एसपी हिम्मतसिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस जाप्ते के साथ जुरहरा कस्बे में फ्लैग मार्च निकाला। वहीं क्षेत्र के लोगों से अमन-चैन कायम रखने की अपील की गई है। वहीं उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा तथा कामां के एडिशनल हिम्मत सिंह ने जुरहरा थाने पर सीएलजी सदस्यों की बैठक ली। बैठक के दौरान एडिशनल एसपी हिम्मत सिंह ने कहा कि कामां क्षेत्र में दोनो समुदायों के बीच आपसी भाईचारा बना हुआ है और और सम्पूर्ण कामां क्षेत्र में शांति का माहौल है वहीं सोशल मीडिया पर भरतपुर पुलिस पूरी तरह नजर बनाए हुए है किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट तथा कमेंट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

दिनेश शर्मा उपखंड अधिकारी कामां का कहना है कि मंगलवार को कामां तथा जुरहरा क्षेत्र में सीएलजी सदस्यों की बैठक ली गई। बैठक के दौरान सीएलजी सदस्यों के द्वारा अवगत कराया गया कि क्षेत्र में किसी भी बाहरी बात या अफवाह को लेकर कोई तनाव नहीं है। फिर भी नूंह मेवात में हुई हिंसा के बाद क्षेत्र में बॉर्डर इलाकों में पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। क्षेत्र में संबंधित सभी थानाधिकारियों को सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली किसी भी अफवाह से निपटने के आदेश दिए गए हैं। कामां उपखंड के सभी क्षेत्रवासियों से अपील करता हूं कि क्षेत्र में किसी भी अफवाह पर ध्यान ना दें तथा किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर प्रशासन को अवगत कराया जाए। क्षेत्र में पूरी तरह से शांति है कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा।

मुकंदरा को शीघ्र मिल सकता है बाघों का एक और जोड़ा

नई दिल्ली/कोटा। मुकंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व को शीघ्र ही बाघों के एक और जोड़े की सौगात मिल सकती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को सांसद दुष्यंत सिंह से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया है। फिलहाल यहां एक बाघिन को शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। सांसद सिंह ने मंगलवार को पर्यावरण मंत्री यादव से संसद भवन में मुलाकात कर मुकंदरा टाइगर रिजर्व को बाघों से आबाद करने की मांग रखी।

- **पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सांसद दुष्यंत सिंह को आश्वासन दिया**

उन्होंने कहा कि 2013 में अधिसूचित होने के 10 साल बाद भी हाड़ौती में इको पर्यटन के विकास का स्वप्न साकार नहीं हो सका है। उन्होनें कहा कि पिछले तीन माह से बाघ एमटी 5 यहां एकाकी जीवन व्यतीत कर रहा है, ऐसे में उसकी स्वयं की सुरक्षा के साथ आसपास की आबादी को भी खतरा है। सांसद ने कहा कि मुकंदरा में मात्र एक बाघिन को शिफ्ट करने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। उन्होंने यहां एक बाघ और तीन-चार बाघिनों की शिफ्टिंग का सुझाव दिया। सांसद ने कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में पल रहे शावकों को भी शीघ्रता से अभ्यारण्य में शिफ्ट करने का सुझाव दिया। उन्होंने अभ्यारण्य से संबंधित अधिकारी एवं वन रक्षकों की संख्या बढ़ा ने की मांग भी रखी। इस चर्चा के दौरान क्षेत्रीय रेलवे सलाहकार समिति सदस्य धीरज गुप्ता और नागेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

सोने-चांदी के जेवरात व नगदी पार

धौलपुर, (निसं)। मनियां कस्बे के टांडा रोड स्थित रामनगर कॉलोनी वार्ड नंबर 2 में एक मकान में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने मंगलवार को दिनदहाड़े जिस समय मकान मालिक घर पर नहीं था उस समय घर में घुसकर लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मकान चंद्रभान पुत्र रामनाथ निवासी रामनगर कॉलोनी टाडा रोड मनिया का है जो कॉस्मेटिक की दुकान चलाता है। पीड़ित चंद्रभान ने बताया कि बच्चे सुबह स्कूल पढ़ने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान करीब 11 बजे वह अपने परिवार के साथ धौलपुर रीको एरिया स्थित हनुमान मंदिर पर दर्शन के लिए गया हुआ था। इसी दौरान पीड़ित अपने परिवार सहित दोपहर करीब 1 बजे घर पहुंचा इस दौरान पीड़ित ने देखा कि घर का पूरा सामान बिखरा हुआ पड़ा है और घर के ताले टूटे हुए पड़े हैं। जब पीड़ित ने जानकारी ली तो घर से सोने एवं चांदी के आभूषण तथा नगदी गायब मिली। जिस पर पीड़ित चंद्रभान ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और घटनाक्रम की पूरी जानकारी ली। पीड़ित चंद्रभान ने मनियां थाने में पूरी घटनाक्रम को लेकर जेवरात व नकदी चोरी हुई है उसका उल्लेख करते हुए मामला दर्ज कराया है।

पुलिस ने पकड़ी हुई अवैध शराब बैची

भीलवाड़ा, (निसं)। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय के नारे वाली भीलवाड़ा पुलिस इन दिनों अपराधियों से पकड़ी हुई अवैध शराब को अवैध रूप से ढाबों पर बैचने में लगी हुई है। मामला भीलवाड़ा के पुर थाने से जुड़ा हुआ है जहां के एक दीवान हनुमान ने पुलिस कार्यवाही में पकड़ी अवैध शराब को एक ढाबे को बैच दी। मामले का खुलासा आबक़ारी टीम द्वारा बीती रात कानोली चौराहे पर एक ढाबे पर की गई कार्यवाही में हुआ। जब ढाबे मालिक ने पूछताछ में पुर थाने के एक दीवान द्वारा शराब बैचने की बात क़बूली।

जिला आबकारी अधिकारी लोकेश जोशी ने बताया कि बीती रात भीलवाड़ा बाइपास स्थित 64 जोगणियां 52 भैंरू नामक ढाबे पर कार्यवाही के दौरान अवैध बीयर की पांच और अंग्रेजी शराब के पव्वों की 3 पेटियां मिली। टीम ने ढाबा संचालक राहुल सांसी और कर्मचारी दुर्गालाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उन्होंने शराब की यह पेटियां पुर थाने के एक दीवान हनुमान द्वारा बीयर पेटी एक हजार रुपये और अंठोजी शराब की ढाई हजार पेटी में बैचने की बात क़बूली। दीवान हनुमान की इस करतूत की जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक को मिलने के बाद दीवान को लाइन हाज़िर किया है।

मां के सामने 38 दिन तक नाबालिग बेटी से दुष्कर्म

दोनों को नशीली दवा खिलाकर किया बेहोश, आरोपी फरार

अनूपगढ़, (निसं)। मां के सामने बेटी से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने 38 दिन तक मां-बेटी को बंधक बनाकर नशीली दवाईयां देकर बेहोश रखा। इस दौरान 16 साल की नाबालिग से रेप करता रहा। एक दिन मौका देखकर मां-बेटी आरोपी के चंगुल से भागकर घर लौटी। इसके बाद बेटी के पिता पुलिस में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। आरोपी की तलाश की जा रही है।

- **मां-बेटी आरोपी के चंगुल से भागकर घर लौटी, मामला दर्ज करवाया**

रावला थानाधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि नाबालिग के पिता ने आरोपी महेंद्र (30) के खिलाफ बेटी से रेप करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पिता ने बताया कि उन्होंने आरोपी के एक रिश्तेदार की जमीन गांव से ही 2 किलोमीटर दूर खेती करने के लिए बंटाई पर ली थी। आरोपी भी अपने गांव में खेती करता है। इस दौरान महेंद्र से जान-पहचान हो गई। 6 महीने में जान-पहचान बढ़ गई। कुछ समय पहले आरोपी महेंद्र ने 20 हजार रुपए भी उधार लिया था। पिता ने बताया कि 16 जून 2023 को उसकी पत्नी को आरोपी महेंद्र ने फोन किया था। उसने कहा कि मेरे पास अभी 20 हजार रुपए है। आप चौक पर आकर पैसे ले जाओ। उसने बेटी को भी साथ लाने को कहा था। पत्नी बाजार जाने का कहकर बेटी को साथ ले गई। उसने कहा कि आते समय घर का कुछ सामान लेकर आ जाएगी। इसके बाद दोनों गांव से ही एक निजी बस में बैठकर 4 किलोमीटर दूर चौक पहुंची। चौक पर एक कार में महेंद्र कुमार अपने दोस्त विनोद कुमार (22) के साथ बैठा था। आरोपी महेंद्र ने मेरी पत्नी और बेटी को कार में बैठाकर ज्यूस लाने की बात कही। ज्यूस पीने के बाद दोनों बेहोश हो गई। होश आने पर मां-बेटी 150 किलोमीटर दूर एक क्षेत्र में एक झोपड़ी में थी। महेंद्र ने दोनों को झोपड़ी में बंधक बना लिया और नशीली दवा देकर बेहोश करता रहा। बेहोशी की हालत में ही बेटी से रेप किया। विरोध करने पर बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी देता था। आरोपी हर दिन मां के सामने बेटी से रेप करता और चला जाता।

पीड़िता के पिता ने बताया कि मां-बेटी के घर नहीं आने पर दोनों की तलाश की लेकिन वे नहीं मिली। 10 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों का कुछ पता नहीं चला। इस बीच महेंद्र को भी फोन किया लेकिन स्विच ऑफ आया था। इसके बाद थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 24 जुलाई की सुबह आरोपी महेंद्र झोपड़ी में पहुंचने में लेट हो गया। इस बीच मां-बेटी ने जैसे-तैसे अपने हाथ-पैर खोले और भाग निकली। दोनों बस में बैठ गई। दोनों के पास पैसे नहीं थे। अगले दिन 25 जुलाई को कंडक्टर को किराए के पैसे दिए। घर आने के बाद दोनों ने आपबीती बताई। लोक लिहाज के कारण पहले मामला दर्ज नहीं करवाया। बाद में हिम्मत कर 31 जुलाई को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पॉक्सों एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

थानाधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

लुहारिया विवाद में पुलिस की कार्रवाई, 79 नामज़द लोगों सहित 250 पर मुक़दमा दर्ज

पुलिस ने आठ लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के माण्डल थाना क्षेत्र में आठवीं कक्षा की एक छात्रा के पीने के पानी की बोतल में समुदाय विशेष के तीन युवकों द्वारा यूरीन मिलाने व बैग में प्रेम-पत्र लिखकर रखने के बाद लुहारिया में सोमवार को हुये उपद्रव को लेकर मांडल पुलिस ने दोनों समुदायों के नामद 79 लोगों सहित अन्य 200-250 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। साथ ही आठ लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

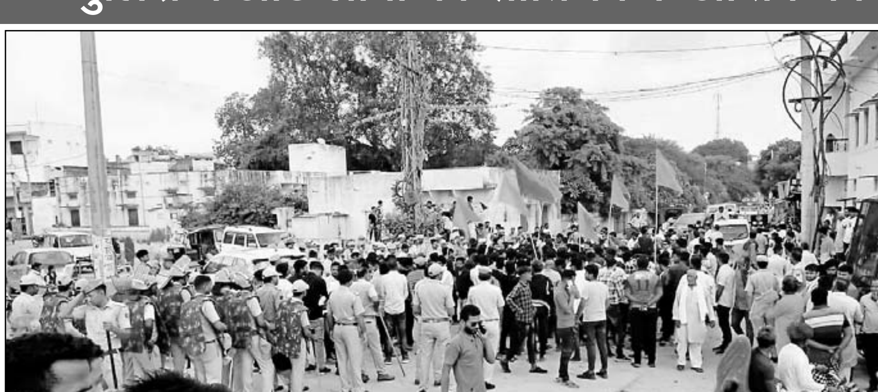

स्कूल के बाहर कई लोग एकत्रित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये बस स्टेण्ड पर पहुंचे।

- **प्रिंसीपल की रिपोर्ट पर तीन नामजद छात्रों के खिलाफ सोमवार रात को केस दर्ज हो चुका है**
- **आठवीं कक्षा की एक छात्रा के पीने के पानी की बोतल में समुदाय विशेष के तीन युवकों द्वारा यूरीन मिलाने व बैग में प्रेम-पत्र लिखकर रखने के बाद उपद्रव का मामला**

प्रकरण की जांच कर रहे पुर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि छात्रा के साथ हुई घटना को लेकर स्कूल प्रिंसीपल की रिपोर्ट पर तीन नामजद छात्रों के खिलाफ सोमवार रात को केस दर्ज हो चुका है। लुहारिया में सोमवार को हुये पथराव व सरकारी जीप में तोड़फोड़ को लेकर माण्डल थाना अधिकारी मुकेश कुमार वर्मा की रिपोर्ट पर धारा 147, 148, 149, 336, 427 भादस व 3 पी डी पी पी एक्ट के तहत केस दर्ज कर किया गया है। इसमें बताया गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल मैसेज से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए थाना प्रभारी वर्मा लुहारिया स्कूल पहुंचे।

जहां लुहारिया चौकी का जाब्ता मौजूद था। तहसीलदार, सीबीईओ मांडल भी वहां आये। सुबह सवा आठ बजे स्कूल के बाहर गांव के लगभग 125-150 ग्रामीण एकत्रित हो गये। दस-बारह लोगों को स्कूल के अंदर ले जाकर वार्ता की गई। जिन्होंने प्रिंसीपल व अन्य शिक्षकों के स्थानांतरण सहित अन्य मांगें रखी गई। इन मांगों को मान लिया गया। इसी दौरान स्कूल के बाहर लगभग 200-250 युवक एकत्रित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये स्कूल के बाहर से रवाना होकर बस स्टेण्ड पर पहुंचे। इनमें से कुछ लोगों ने अपने हाथों में लकड़ियां व लोहे के सरिये ले लिये तथा बाजार की दुकानें बन्द करवा दूसरे समुदाय की बस्ती की ओर बढ़ने लगे, जिन्हें पुलिस जाप्ता की सहायता से रोका गया। प्रतिक्रिया स्वरुप दूसरे समुदाय के लोग घरों से निकल कर एकत्रित हो गये। भीड़ से समझाईश की गई, लेकिन लोग नहीं माने तथा उत्तेजित होकर नारेबाजी कर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने लगे।

कुछ समय बाद मौके पर एएसपी सिकाउ घनश्याम शर्मा, एएसपी पीटीएस किशनगढ़ लोकेश त्रिपाठी, डीएसपी मांडल कन्हैया लाल, एसडीएम माण्डल, तहसीलदार माण्डल, डीएसपी आसींद लक्ष्मण राम सहित अन्य अधिकारी अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर आ गये और भीड़ में शामिल लोगों से समझाइश की। लेकिन उत्तेजित भीड़ नहीं मानी। पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर व मणिराज सिंह भी आये जिनके द्वारा भी भीड़ को समझाईश कर प्रशासन द्वारा सारी मांगें मान लेने की बात कही और घर जाने के लिए कहा, जिस पर भीड़ में शामिल लोग छात्रा की बोतल में यूरिन मिलाने वालों को मौके पर लाने व उन्हें यूरिन पिलाने की मांग करने लगे। इसी दौरान भीड़ में शामिल कुछ लोग पत्थर फैंकने लगे। एक युवक ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये। प्रतिक्रिया स्वरुप दूसरे समुदाय की बस्ती की ओर से भी पत्थर व ईटें फेंकी गई।

पुलिस ने भीड़ को हटाया। दोनों तरफ से फैंके गये पत्थर से पीटीएस कमांडेंट की सरकारी बोलेरो जीप का शीशा टूट गया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों समुदायों के 79 लोगों को नामजद करते हुये प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने जुटी भीड़ में से प्रकाश पुत्र शिवगिरी गोस्वामी, मुकेश गिरी पुत्र गोपाल गिरी गोस्वामी भगवानपुरा, नौरत लाल पुत्र बक्सु लाल खारोल, जमना लाल पुत्र अंबा लाल बलाई लुहारिया , ब्रहमानन्द पुत्र लादू लाल शर्मा थाबोला, परमेश्वर पुत्र जीवराज जाट निवासी केरियाखेडा, अकबर पुत्र सदीक पठान लुहारिया को डिटेन कर शान्ति कायम रखने के लिए धारा 151 में गिरफ्तार किया गया व बबलू सिंह पुत्र जगदीश सिंह जादव दरोगा निवासी लुहारिया जो पूर्व में भी धारा 108 में पाबंद चल रहा है को धारा 151-122 में गिरप्तार किया गया। मौके से आठ बाइक धारा 38 पुलिस एक्ट के तहत जब्त की गई।

वहीं दूसरी और सकल हिंदू समाज और हिंदू संगठनों ने माण्डल में जबकि एबीवीपी के छात्रों ने कलेक्ट्री पर आरोपीयो के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही की माँग को लेकर प्रदर्शन किया। माण्डल में प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित भीड़ ने मांडल कस्बे में दशमी पर पारंपरिक तरीके से निकल रहे चारभुजा भगवान के बेवान के दौरान लखारा चौक में एक समुदाय के द्वारा लगाए गए साउंड बंद नहीं करने से विवाद और इसके चलते तीन दिन मांडल के बाजार बंद रहने के मामले और इसके बाद सोमवार को लुहारिया माहौल गरमाने के मामले में रैली के रूप में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने जाने की योजना बनाई।

ये लोग मांडल कस्बे से होकर एसडीएम कार्यालय जाना चाहते थे, लेकिन मांडल व लुहारिया की घटना को लेकर उपजे हालात को देखते हुये पुलिस ने इन्हें कस्बे में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके चलते ये लोग प्रशासन से उलझ गये, जिससे वहां गहमा-गहमी हो गई। ज्ञापन देने जाने वाले लोग कस्बे के अंदर से होकर जाने की जिद पर अड़ गये और बागोर-मांडल मार्ग के बीच बैठ कर प्रदर्शन करने लगे। पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर और अन्य नेताओं की समझाइश से मामला सुलझ गया। इसके बाद ये लोग सीधे ही मांडल तहसील कार्यालय पर उपखंड अधिकारी हुकमी चंद को ज्ञापन देने के लिए पहुँचे और ज्ञापन सौंपा।

ब्लैकमेल कर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी आलोकसिंह ने बताया कि 28 जुलाई पीड़िता ने मामला दर्ज कराया था।

- **बड़ी बहन के अश्लील फोटो और वीडिया दिखाकर धमकाया**

रिपोर्ट में बताया कि वह कक्षा 10वीं में पढ़ती है। मेरे स्कूल आते-जाते समय महेन्द्र बिश्नोई रोजाना पीछा करता है। धमकी देता है कि तुझे पढ़ने नहीं दूंगा तथा उठाकर ले जाउंगा। आरोपी ने कहा कि तेरी बड़ी बहन के अश्लील फोटो व वीडियो मेरे पास है। वायरल करने की धमकी देकर दो बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने मुझे और बड़ी बहन को मिलने के लिए घर बुलाया था। बड़ी बहन को कमरे में बंद उसके साथ उसके साथ जबरदस्ती की। थानाधिकारी आलोक सिंह ने बताया मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महेन्द्र बिश्नोई को 30 जुलाई को नोखा से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को पोक्सो कोर्ट बीकानेर के समक्ष पेश कर किया गया। जहां से केन्द्रीय कारागृह बीकानेर भेज दिया गया है।

आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

चूरू, (कासं)। गत दिनों नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास करके उसका दांत तोड़ने वाले आरोपी दीपक को गिरफ्तार करने की मांग की गई है। यहां राजेंद्रसिंह शेखावत, डॉक्टर राजीव बाकोलिया, छात्र नेता प्रशांत शर्मा, रवि सारस्वत आदि द्वारा हस्ताक्षर करके एडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजे गए एक ज्ञापन में लिखा है कि विद्यालय से पेन लेने के लिए गई 15 वर्षीय दसवीं की छात्रा के साथ दीपक ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया और उसके साथ मारपीट की जिससे उसका दांत टूट गया। थाने में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार नहीं किया है। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती को भी अवगत करवाया गया है।

राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लि.
"जनजाति विकास भवन" प्रतापनगर, उदयपुर (राज.)
Phone:0294-2490357, 2491740 Email:rtadcf.tad@rajasthan.gov.in, rtadcf@rediffmail.com

क्रमांक एफ 21 (100) (II) राजस संघ/विपणन/2023-24/439 दिनांक: 31.07.2023

ई-निविदा सूचना

क्षेत्रीय प्रबंधक उदयपुर, बांसवाड़ा एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आबू रोड़ कार्यालयों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं के परिवहन हेतु दिनांक 01.09.2023 से 31.08.2024 तक की अवधि के लिए ई-बोलियां आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा 16.08.2023 को शाम 6.00 बजे तक अपलोड की जानी चाहिए।

विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in और http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते है।

उदयपुर UBN-TCF2324SLRC00001
बांसवाड़ा UBN-TCF2324SLRC00002
आबू रोड़ UBN-TCF2324SLRC00003

महाप्रबंधक
राजससंघ, उदयपुर

संक्षिप्त

तेज आवाज में गाने बजाने पर कार्रवाई

चौरु/उनियारा, (निसं)। बनेठा थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर तेज आवाज में टेप मशीन बजाने पर एक व्यक्ति गिरफ्तार किया। बनेठा थानाधिकारी नरेन्द्र सिंह राजावत ने बताया कि मय जाप्ता द्वारा सार्वजनिक स्थान व आबादी क्षेत्र पुलिस थाना बनेठा के सामने बिना अनुज्ञापत्र के अपने वाहन ट्रेक्टर में लगी टेप मशीन को तेज व कर्कस आवाज में बजाने पर मुल्जिम चेतन कुमार पुत्र श्योजीलाल जाति माली निवासी मालियो की झोपडिया थाना बनेठा जिला टोंक को गिरफ्तार किया जाकर मुल्जिम के कब्जे से ध्वनि उपकरण टेप मशीन मय मैमोरी कार्ड को जरिये फर्द जप्त किया।

धरना छठे दिन भी जारी रहा

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड़ पर मुख्य चौराहे से ग्राम नारेहड़ा हनुमान मंदिर तक भारी वाहनों की नो एन्ट्री की मांग को लेकर दिया जा रहा धरना मंगलवार को लगातार 06 वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता पूर्व पार्षद रामचन्द्र सैनी ने की। इस मौके पर महावीर प्रसाद यादव शुक्लावास ने कहा कि नो-एन्ट्री को लेकर आमजन में आक्रोश व्याप्त है। प्रशासन को शीघ्र ही नो एन्ट्री लागु करनी चाहिये। एड. अशोक कुमार बंसल ने भी धरने पर पहुंचकर अपना समर्थन देते हुए हरसम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। धरना संयोजक राधेश्याम शुक्लावास ने कहा कि जब तक मांग पुरी नहीं होती धरना अनवरत रूप से जारी रहेगा।

महाघेराव में शामिल हुए कार्यकर्ता

निवाई, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में जयपुर में महाघेराव कार्यक्रम को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा नेता अंकुर सालोदिया के नेतृत्व में बसों द्वारा महाघेराव में शामिल हुए। अंकुर सालोदिया ने बताया कि भाजपा के महाघेराव आंदोलन को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा हुआ था एवं राज्य सरकार के प्रति घोर आक्रोश दिखाई दे रहा था। इस दौरान अंकुर सालोदिया, त्रिलोक मंडरावलिया, अभिषेक भारती, प्रमेंद्र कंवरिया, हीरालाल सालोदिया, मेघराज सालोदिया व ऊंकार सालोदिया सहित सैकडों कार्यकर्ता शामिल थे।

अनिल ने गोल्ड मेडल जीता

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल के छात्र का गोल्ड मेडल जीतने पर सम्मान किया गया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राजेन्द्र बाजिया ने बताया कि विद्यालय की 12वीं कक्षा के छात्र अनिल कुमार यादव ने उदयपुर में संपन्न हुई राज्य स्तरीय सब जूनियर पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 64 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय व अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्र की इस सफलता पर विद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्या कंवलजीत कौर ने छात्र को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

बारिश से सड़कों पर पानी भरा

निवाई, (निसं)। मंगलवार को बारिश से शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र तर हो गया। काफी लम्बे समय के बाद हुई बारिश से जयपुर-टोंक रोड पर वेयर हाउस के पास स्थित नालों में उफान आ गया। शहर के कई निचले भागों में बरसात का पानी भर गया। शिवाजी पार्क रोड पर जिरात वाले रास्ते पर घुटनों तक पानी भर गया। करीब आधा घण्टे तक हुई झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए। वहीं बरसात से नालों में ऊफान आ गया।

सी.एल.जी. की बैठक

खैरथल, (निसं)। पड़ोसी प्रांत हरियाणा के नुंह में सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर खैरथल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है। खैरथल पुलिस थाना परिसर में सब इंस्पेक्टर धर्मवीर की अध्यक्षता में आयोजित हुई सीएलजी सदस्यों की बैठक में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील के साथ किसी भी तरह की अफवाह फ़ैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने पर चर्चा की गई।

शिक्षक को विदाई दी

दूदू, (निसं)। निकटवर्ती बिचुन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक घीसा लाल परेवा की सेवा निवृति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार व स्वयं के परिवार जनों के साथ अन्य विद्यालयों के शिक्षक मौजूद रह।

चरागाह भूमि में पट्टे जारी करने का अध्यादेश लाने की मांग

- घुमन्तु जाति के लोगों ने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा
- मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन व धरने को समर्थन दिया

घुमन्तु जाति के लोगों ने एसडीएम (बाएं से तीसरे) को ज्ञापन सौंपा।

मालपुरा, (निस) मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में खुले आसमान तले जंगलों में अस्थाई डेरे व झौंपडियों में निवास करने वाले घुमन्तु जाति के लोगों ने मंगलवार को मालपुरा डाक बंगले से कोर्ट परिसर तक रैली निकाल चरागाह भूमि में पट्टे जारी करने का अध्यादेश लाने की मांग को लेकर सीएम के नाम एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंपा।

भारत जोडो मिशन सोसायाटी के प्रसीडेन्ट अनीस कुमार नाडार के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में बताया कि आजादी के बाद से ही शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में घुमन्तु जाति के लोग बिना पट्टों के तथा पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से आज भी वंचित हैं। ऐसे घुमन्तु जाति के लोगों को चरागाह भूमि पर पट्टे जारी किये जाने हेतु राज्य सरकार एक अध्यादेश लाकर इन गरीब व बेसहारा लोगों को स्थाई आवास की सुविधाएं मुहैया कराई जाये। कमेटी अध्यक्ष अनीस कुमार ने बताया कि आजादी के बाद से ही देश में इन लोगों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जा रहा है। राजनैतिक क्षेत्र से जुडे नेताओं द्वारा इन्हे महज अपना वोट बैंक बना इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदेश में बागरिया, कालबेलिया, कंजर, लौहार, मोग्या, नाथ सपेरा आदि 54 प्रकार की घुमन्तु जातियों के लोग आज भी बेघर है। 27 दिसम्बर 2021 को चरागाह भूमि पर बसी सघन आबादी के नियमितीकरण के सरकार ने आदेश जारी किये थे। जिसे न्यायालय मे चुनौती द्वारा स्थगन आदेश लाया गया। 24 अप्रेल 2023 को उच्च न्यायालय के निर्णय के अध्याधीन पट्टे जारी कर गौचर भूमि में लम्बे समय से रह रहे घुमन्तु जाति के लोगों को नारकीय जीवन मुक्ति के आदेश पारित किये गये लेकिन वर्तमान में उस निर्णय पर भी उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगा दी गई। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे ऐसे लोगों को चरागाह की भूमि पर पट्टे जारी करने का अध्यादेश लाकर इन्हे राहत पहुंचाई जाये। अन्यथा प्रदेशभर में पंचायत स्तर पर आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन के पश्चात एसडीएम महिपाल सिंह ने घुमन्तु जाति के महिला-पुरूषों को शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक रहकर आरक्षण कोटे का लाभ लेने तथा समाज को नुक्ता प्रथा व नाता प्रथा के साथ-साथ शराब के सेवन से मुक्त किये जाने की शपथ दिलाई। सैंकडों महिला-पुरूषों ने मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 130 दिनों से चल रहे जनआंदोलन को अपना समर्थन देते हुए धरना स्थल पर पहुंच जमकर नारेबाजी कर मालपुरा को जिला बनाने की मांग की।

विकास के कार्यों का शिलान्यास किया

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने अलवर ग्रामीण क्षेत्र में करीब 50 करोड रूपये की राशि से बनने वाली सड़कों के निर्माण का कार्य व अन्य विकास के कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

जूली ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि, सड़कें ना केवल रोड कनेक्टिवी को जोडने का काम करती हैं बल्कि विकास को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि, अलवर ग्रामीण क्षेत्र में बडे स्तर पर सडकों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो राज्य सरकार की विकास की मंशा को दर्शाता है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं रखी गई है। मंत्री जूली ने बताया कि अलवर ग्रामीण क्षेत्र के पिलवा से ककराली तक सीसी सडक निर्माण कार्य, कजाकपुर से सरदारों की ढाणी, भूरेखा का बास होते हुए बहादुरपुर सडक की ओर का निर्माण कार्य, नगर पालिका बहादुरपुर की विभिन्न सडकों के सुदृढीकरण, नवीनीकरण, सीसी सडक निर्माण कार्यों, सडक निर्माण कार्य बी.एल मुण्डियाखेडा स्कूल से सैंथली की ओर, छठी मील से ककराली, मैन रोड से चंदबास, चिरखाना और मूण्डियाखेडा तथा तूलेडा से रायबका तक, श्री फेस बोरिंग खुदाई कार्य पंजाबी श्मशान रामगढ रोड, श्री फेस बोरिंग खुदाई कार्य भजेडा स्कूल के पास, श्री फेस बोरिंग खुदाई पावटा रोड, सिंगल फेस बोरिंग कार्य आदि का शिलान्यास किया।

इंस्पायर अवार्ड के लिए राहुल का चयन

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के मिश्र कॉलोनी में संचालित विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र राहुल कुमावत का साइंस इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन हुआ है।

विद्यालय प्रभारी किशोर खारडिया ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में 96.40 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले छात्र राहुल कुमावत पुत्र नोपाराम कुमावत का साइंस इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन होने कर विद्यालय के साथ फुलेरा क्षेत्र में खुशी की लहर है। सरकार द्वारा प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा के लिए छात्र को 85 हजार रुपए की छात्रवृति प्रदान की जाएगी। उक्त योजना में छात्र का चयन होने पर शाला निदेशक मानसिंह, व्यवस्थापक अजयवीर सिंह, प्राचार्या सुजाता सिंह, गोपाल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत, लोकेश प्रजापति, परमेश्वर गांधी, उमा शर्मा, कमल वर्मा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य प्रबुद्धजन और जनप्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत और सोशल मीडिया से बधाई देकर छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विधायक ने 3 करोड़ 80 लाख की सड़कों का शिलान्यास किया

- क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही मेरा एकमात्र लक्ष्य : इंद्राज गुर्जर

कार्यक्रम में विधायक इंद्राज गुर्जर ने लोगों को संबोधित किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत 3 करोड़ 80 लाख की लागत से बनने वाली गोविंदपुरा जोहड़ से वाया पिठाला ढाणी कोलीयों की होते हुए सीकर सीमा ढाणी खिजावाला का, बिजली ग्रेड से टाटला की ढाणी की ओर छापुडा खुर्द तक, नींझर से वाया धाभाईयों की ढाणी होते हुये जवानपुरा तक, गोविंदपुरा धाबाई से मीणों की ढाणी व खारवालों की ढाणी होते हुये हरियाला डामर रोड तक, श्यामपुरा रोड मंगलाराम पोसवाल के मकान के पास मंगरावाली ढाणी तक, बडौदिया रोड से कुण्डाल तक व एमडीआर- 231 से शुक्लों की ढाणी होते हुये फागणों की ढाणी तक सुंदरपुरा तक के सड़क निर्माण कार्य का मंगलवार को विधायक इंद्राज गुर्जर ने फीता काट कर शिलान्यास किया।

इस दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि, क्षेत्र के विकास के साथ लोगों की सेवा करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के सभी जर्जर एवं कच्ची सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही मेरा एकमात्र लक्ष्य है। कोई भी गांव विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति का समुचित विकास कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना मेरा लक्ष्य है। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र रातावाल, प्रधान प्रतिनिधि कन्हैयालाल गुर्जर, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मालीराम कुमावत, मंडल अध्यक्ष ग्यारसीलाल टोकस, सरपंच रामचंद्र मीणा, सरपंच दाताराम, सरपंच रामचंद्र पायला, सरपंच प्रतिनिधि शिवपाल चेची, हरीसिंह धाबाई, जिला पार्षद हरफूल, सहित अनेक जनप्रतिनिधि व लोग मौजूद रहे।

'पेयजल सप्लाई नियमित करने का प्रयास करेंगे'

दौसा, (निसं)। दौसा शहर की वर्तमान आबादी 1 लाख 10 हजार व्यक्ति है। जिसके लिए जल मांग 110 लाख लीटर प्रतिदिन है। जबकि वर्तमान में 22 लाख लीटर पेयजल बीसलपुर परियोजना एवं 12 लाख लीटर पेयजल स्थानीय स्त्रोत 28 नलकूपों से, कुल 34 लाख लीटर पेयजल का उत्पादन कर कुल 25 जोन में 48 से 120 घण्टे के अन्तराल से नियमित रूप से पेयजल सप्लाई की जा रही है।

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता के सी मीना ने बताया कि शहरी क्षेत्र में सर्दी के समय 65-70 टैंकर प्रतिदिन तथा गर्मी के मौसम में लगभग 150 से 170 टैंकर ट्रिप प्रतिदिन पेयजल सप्लाई किया जाता है।इसके अतिरिक्त दौसा शहर में 55 एकल बिन्दु तथा 576 हैण्डपम्प कार्यशील हैं। बीसलपुर परियोजना के अन्तर्गत विद्युत संधारण कार्य तथा ट्रांसमिशन मेन पाईप लाईन की मरम्मत के कारण 27 जुलाई 2023 से 30 जुलाई 2023 तक बीसलपुर परियोजना से पानी की आवक नहीं होने के कारण दौसा शहर की जलापूर्ति अन्तराल 120 घण्टे से बढ़कर 240 घण्टे हो गया है तथा 31 जुलाई 2023 को भी दिन के समय परियोजना से पानी प्राप्त नहीं होने के कारण जलापूर्ति नहीं की जा सकी। उन्होने बताया कि उक्त व्यवधान के कारण प्रभावित क्षेत्र में प्रतिदिन विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति में विभागीय टैंकरों द्वारा जल परिवहन कर पेयजल आपूर्ति की गई है तथा आगामी दिनों में जलापूर्ति अन्तराल नियमित नहीं होने तक टैंकरों द्वारा जल परिवहन कर प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल वितरण किया जा रहा है।

भैंरू बाबा का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम देवता स्थित श्री भैंरू जी आश्रम में मंगलवार को श्री भैंरू जी महाराज का वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। जिन्होंने भैंरू बाबा के दर्शन कर पंगत प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाने साधे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने केवल भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार एवं बेरोजगारों का जीवन खराब करने के अलावा कुछ नहीं किया। राजस्थान के मंत्री बेशर्म हो चुके है, विधानसभा में एक वरिष्ठ मंत्री का दुष्कर्म की बढ़ती हुई घटनाओं पर यह कह देना कि राजस्थान मर्दो का प्रदेश है यह शर्मशार कर देने वाला है। जबकि राजस्थान उन वीरों की धरती है जिन्होंने हमेशा माँ व मातृ भूमि के लिए अपना बलिदान दिया है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कलश यात्रा व भजनों के साथ हुई। जिसके बाद हवन यज्ञ कर प्रसादी का वितरण किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने विकास कार्यों का शिलान्यास किया

- क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी : परसादी

शिलान्यास कार्यक्रम को चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने संबोधित किया।

लालसोट/ रामगढ़ पचवारा, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के तहत करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा लालसोट के बगड़ी व रामगढ़ पचवारा के कल्लावास राजकीय महाविद्यालयों के नए बनने वाले भवनों का शिलान्यास भी किया गया। कहा कि, इन राजकीय कॉलेज की स्थानीय स्तर पर होने से आसपास के छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए धन व समय बर्बाद कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। लालसोट विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। राज्य सरकार की कथनी और करनी में अंतर नहीं हैं। लालसोट विधानसभा क्षेत्र में विकास के जो वादे किए थे उन्हें पूर्ण करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। चिकित्सा मंत्री मीणा ने विधानसभा क्षेत्र में 52 करोड़ की लागत से बनने वाली 4 सड़कों का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि विकास के क्षेत्र में लालसोट विधानसभा प्रदेश में अग्रणी है। लालसोट में शिक्षा, चिकित्सा, सडक निर्माण, विद्युत आर्पूति सहित सभी क्षेत्रों में अनेकों कार्य करवा कर आमजन को समय पर सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास किया गया है।

आंतरी में सीएससी, पीएससी, उप स्वास्थ्य केंद्र, सड़कों का निर्माण आदि को प्राथमिकता से पूर्ण करवाते हुए आगे आकर कार्य किया है। उन्होंने कहां कि आंतरी क्षेत्र में सड़कों के निर्माण से पर्यटकों का आवागमन अधिक होगा, इससे स्थानीय जनता को लाभ मिलेगा, वही रोजगार के संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा लालसोट विधानसभा क्षेत्र में 52 करोड़ की लागत से बनने वाली चार सड़कों का शिलान्यास किया है। इसमें कुल 46.60 किलोमीटर की सड़कों का निर्माण करवाया जायेगा।

इसमें एनएच 23 से सवाई माधोपुर जिला सीमा तक वाया बिनोरी बालाजी सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण निर्माण कार्य , लालसोट से पपलाज माता सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण निर्माण कार्य, लालसोट से जयपुर जिला सीमा वाया निर्झरना, श्यामपुरा वाया ,झांपदा सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण निर्माण कार्य तथा पुलिस थाना रामगढ पचवारा से उपखंड अधिकारी कार्यालय तक रामगढ पचवारा सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर नगर पालिका लालसोट की चेयरमैन रक्षा मिश्रा पीसीसी सदस्य पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र प्रधान नाथू लाल मीणा प्रधान डॉ कोशल्या मीणा उप प्रधान सूरज कटारा नगरपालिका रामगढ पचवारा के चेयर मैन घनस्याम खटीक नगर पालिका सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद जौनापुरिया का अभिनंदन

कोटपूतली, (निसं)। हाल ही में भाजपा की कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये गये टोंक सवाई माधोपुर से लोकसभा सांसद चौधरी सुखबीर सिंह जौनापुरिया का मंगलवार को कोटपूतली आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में स्वागत किया। इस मौके पर कसाना समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई देते हुए माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया।

साथ ही भगवान श्रीराम मंदिर का प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया। इस दौरान जौनापुरिया ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में जयपुर ग्रामीण से निर्दलिय प्रत्याशी के तौर पर कोटपूतली विधानसभा में उन्हें 55 हजार मत मिले थे लेकिन क्या कारण है कि यहां से भाजपा चुनाव नहीं जीत पाती। उल्लेखनीय है कि जौनापुरिया मंगलवार को राजधानी जयपुर में भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के तहत सचिवालय घेराव प्रदर्शन में भाग लेने जाते वक्त यहां रूके थे। इस दौरान भाजपा नेता मुकेश गोयल, पूरणमल भरगड़, एड. विकास जांगल, पूर्व पार्षद हरदान पायला, रोशन हवलदार, कैलाश रहीसा, वीर गुर्जर स्मारक प्रबंधक राजेन्द्र कसाना, दिनेश कमान्डेंट, रत्तिराम गुर्जर व युवा उधमी एवं समाजसेवी आनन्द मित्तल समेत अन्य मौजूद थे।

सार-समाचार

माली समाज ने चेतावनी पत्र सौंपा

टोंक, (निसं)। राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड समस्त माली समाज के पदाधिकारियों ने मंगलवार को टोंक जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम चेतावनी पत्र सौंपा है। जिसमें उन्होंने बताया कि समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर सरकार को कई बार पत्र अवगत करा चुके फिर भी सरकार का अभी तक कोई जवाब नहीं आया। इसलिए राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक चंद्र प्रकाश सैनी के आसान पर 10 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास कूच करेंगे। जिलाध्यक्ष टोंक अजय सैनी सांखला के नेतृत्व में जिला संयोजक नवरत्न सैनी ने माली, सैनी कुशवाहा ,शाक्य ,मौर्य समाज कई बार आंदोलन भी किए हैं इस संदर्भ में कलेक्टर एसडीएम तहसीलदार अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर टोंक जिले की प्रत्येक तहसील में ज्ञापन पत्र सौंपा गया। जिसमें टोंक सदर अध्यक्ष अखिलेश सैनी, संरक्षक रामप्रसाद बागड़ी ,उपाध्यक्ष सीताराम टांक, राष्ट्रीय फुले बिग्रेड महासचिव राकेश सैनी, चांदमल सैनी, कालू सैनी, कमलेश सैनी, किशन सैनी, नवल सैनी, भरत राज सैनी, कार्य सचिव महेंद्र सैनी इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा का स्वागत किया

चाकसू, (निसं)। श्रावण के इस पावन माह में जगह-जगह शिव भक्तों का स्वागत सत्कार किया जा रहा है। उपखंड क्षेत्र की मानपुरा डूंगर के शिव मंदिर के लिए गलताजी से कावड़ यात्रा लेकर आ रहे शिव भक्तों का समाजसेवी सावत राव गुर्जर एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा कई स्थानों पर भोलेनाथ के जयकारों के साथ भव्य स्वागत करा जलपान कराया गया। स्वागत सत्कार के दौरान सुरीले मधुर शिव भक्ति गीतों पर जमकर थिरकने लगे शिव भक्त जनों द्वारा कावड़ यात्रा पहुंचने पर जमकर नृत्य किया एवं शिव को जल अभिषेक किया।

गोयल परिवार श्मशान घाट की कायापलट करेगा

सांभरझील, (निसं)। यहां के गोयल परिवार की ओर से श्मशान घाट पर स्थित करीब बीस स्नानागारों का नए सिरे से जीर्णोद्धार करवाने का बीड़ा उठाया है। धन्नी देवी की स्मृति में उनके पति गणपत लाल गोयल व पुत्र विष्णु गोयल की ओर से बताया गया है कि सभी स्नानागारों की हाइट को बढ़ाने के लिए उनको तोड़ा जाएगा और दोबारा छत डाली जाकर इसे नया रूप दिया जाएगा। खुले पड़े स्नानागारों के दरवाजे भी लगाए जाएंगे। समाज के श्मशान घाट पर लगे टीनशैड को भी बदला जाएगा। यह सभी कार्य धन्नी देवी के द्वादशा का कार्यक्रम होने से पूर्व ही पूरा करवा दिया जाएगा। गौरतलब है कि 29 जुलाई को धन्नी देवी के अंतिम संस्कार के दौरान श्मशान घाट पर अनेक कमियां देख उन्होंने मौके पर भी उक्त कार्य करवाने का संकल्प लिया था। गोयल परिवार की ओर से सोमवार को श्मशान घाट पर साफ सफाई का अभाव व चारों ओर फैली गंदगी के बाद सभी सदस्यों ने श्मशान घाट की साफ सफाई कर एक अनुकरणीय उदाहरण भी पेश किया।

बाजारों के नवीन नामकरण की मांग

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के व्यापारियों के हितार्थ संस्था व्यापार महासंघ फुलेरा के अध्यक्ष मनोज आहूजा की अगुवाई में व्यापार महासंघ फुलेरा का एक प्रतिनिधि मण्डल ने पालिका अधिशाषी अधिकारी राकेश कुमार शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा। व्यापार महासंघ फुलेरा अध्यक्ष मनोज आहूजा ने बताया कि, बाजारों के नवीन नामकरण और तय सीमा का विषय नगर पालिका मण्डल की आयोजित होने वाली सामूहिक बैठक में 4 अगस्त को धवनमित से रखकर पारित करें। साथ ही आगे बताया कि बाजार के नाम बोर्ड आदि पालिका मद से लगवाए जाये। इस दौरान प्यारे लाल कुमावत, मोहित धांधल, विशाल सुरोलिया आदि मौजूद रहे।

तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

टोंक, (निसं)। राजर्षि राज, पुलिस अधीक्षक टोंक के आदेशानुसार, आदर्श चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक एवं इन्दु लोदी वृत्ताधिकारी वृत्त पीपलू के निर्देशानुसार स्पेशल टीम द्वारा पीपलू थाना क्षेत्र में बजरी खनन पर कार्रवाई करते हुए गश्त व नाकाबन्दी के दौरान अवैध बजरी खनन व चोरी कर ले जा रहे, दो ट्रक 12 चक्का व तीन ट्रैक्टर ट्रोली मय बजरी को बिना रवन्ना अधिकार पत्र के बजरी भरकर परिवहन करने पर जब्त कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें रामपाल पुत्र नन्द लाल, हाकिम सिंह पुत्र प्रहलाद गुर्जर, मोहनलाल पुत्र राधेश्याम बैरवा, एवं प्रहलाद पुत्र हरिनारायण मीणा को गिरफ्तार किया।

बी.एल.ओ. निलम्बित

मालपुरा, (निसं)। निर्वाचन विभाग द्वारा चलाये जा रहे मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान में लापरवाही बरतने पर जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने टोडारायसिंह पालिका के कनिष्ठ सहायक संतोष कुमार को तत्काल निलम्बित किये जाने के आदेश जारी किये। जारी आदेशों में दर्शाया कि निर्वाचन विभाग द्वारा चलाये गये मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उच्चाधिकारियो के निर्देश व आदेशों की अवहेलना कर कार्य में लापरवाही बरतने पर पालिका के कनिष्ठ सहायक व बीएलओ संतोष कुमार को निलम्बित किया गया है। निलम्बित कार्मिक का मुख्यालय उपखण्ड अधिकारी मालपुरा होगा।

विक्रम को मिला पुलिस गैलेंट्री अवार्ड

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत कारोली निवासी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली के गनमैन विक्रम मीणा को राजू ठेहट हत्याकांड के आरोपियों को ज़िंदा पकड़ने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने पर राज्य सरकार की ओर से जारी पुलिस गैलेंट्री अवार्ड सूची में हैड कांस्टेबल पद पर पदोन्नत किया गया है। मीणा की इस उपलब्धि पर उनके परिजनों एवं ग्रामीणों ने मिठाई बाँटकर हर्ष व्यक्त किया। इस मौक़े पर क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर, कारोली सरपंच श्रवण सिंह शेखावत, बिशन सिंह मीणा, आरटीओ इंस्पेक्टर धर्मपाल गुर्जर, युवा नेता अमीचंद दायमा, रामस्वरूप मुक्कड़, हवलदार महिपाल सिंह शेखावत, इंजी. बिंटू सिंह शेखावत, दिनेश मीणा, कृष्ण गुरुजी, इंजी.महेश सिंह शेखावत, ईश्वर मीणा, बच्चन गुर्जर, पिंटू मीणा सहित ग्रामीणों ने ख़ुशी ज़ाहिर कर हर्ष जतायाजताया व शुभकामनाएं दी।

भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

राजगढ़, (निसं)। कस्बे के तबेला रोड स्थित शिव मंदिर पर शिव मित्र मंडल सेवा समिति की ओर से आयोजित भागवत कथा के समापन पर भंडारे में जनसैलाब उमड़ पड़ा। इससे पूर्व यज्ञ हवन के साथ महा आरती का आयोजन किया गया। शिव मंदिर में आयोजित विशाल भंडारे में महिला एवं पुरुषों के लिए अलग से व्यवस्था निर्धारित की गई। शिव मित्र मंडल सेवा समिति के कार्यकर्ताओं सहित अनेक सेवाभावी लोगों ने भंडारे में अपना सहयोग प्रदान किया। मित्र मंडल सेवा समिति की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 15 हजार के आसपास महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ कमाया।

हर किसी की अपनी राय होती है। पूर्व खिलाड़ियों को अपने विचार साझा करने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं नहीं मानता कि इस टीम में किसी तरह का अहंकार है।

- रविन्द्र जडेजा

भारतीय क्रिकेटर, कपिल देव की खिलाड़ियों को लेकर की गई टिप्पणी पर।

आज का खिलाड़ी

जयदेव उनादकट

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मैच में मंगलवार को जयदेव उनादकट 10 साल के लंबे अंतराल के बाद प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। जयदेव उनादकट को अक्षर पटेल की जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही अपना आखिरी वनडे मैच खेल था। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने के बाद वह एक बार फिर से भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उन्हें चुना गया था लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल की पहली ट्रॉफी जुलियस रिमेट का डिजाइन फ्रांसीसी वास्तुकर एवेल लेफलुर ने तैयार किया था।

चीन को रौंददकर ग्रुप-डी के शीर्ष पर इंग्लैंड

एडिलेड, 1 अगस्त। लौरेन जेम्स के दो दर्शनीय गोलों के दम पर इंग्लैंड ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के एकतरफा मुकाबले में चीन को 6-1 से रौंदकर ग्रुप-डी तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। हिंडमार्श स्टेडियम पर इंग्लैंड की इस विशाल जीत में लौरेन ने 41वें और 65वें मिनट में गोल किये, जबकि एलिसिया रूसो, लौरेन हेम्प, क्लोई केली और रेचल डेली ने एक-एक गोल का योगदान दिया। विश्व कप के आठ आयोजनों में पहली बार ग्रुप चरण में बाहर होने वाले चीन की ओर से सिर्फ वांग शुआंग (57वां मिनट) ही गोल कर सकीं। इंग्लैंड की टीम अब सुपर-16 में सोमवार को नाइजीरिया का सामना करेगी। दिन के एक अन्य ग्रुप-डी मुकाबले में, डेनमार्क ने हैती को 2-0 से हराकर सुपर-16 में जगह बनायी। निब स्टेडियम पर विजेता टीम के गोल परनाइल हार्डर (21वां मिनट) और सैन नीलसन (90 10वां मिनट) ने किये। प्री क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क का मुकाबला मेज़बान ऑस्ट्रेलिया से होगा।

नीदरलैंड ने वियतनाम को फुटबॉल का पाठ पढ़ाया

डुनेडिन, 1 अगस्त। नीदरलैंड ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के ग्रुप-ई मुकाबले में आक्रामक फुटबॉल का उत्कृष्टतम प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को वियतनाम को 7-0 से पीट दिया। डच टीम के इस अविस्मरणीय प्रदर्शन में लिके मार्टन्स, काट्जा स्नोएस, और डैनियल वैन डी डॉन्क ने एक-एक गोल किया। एसमी ब्रग्ट्स और जिल रूर्ड ने दो-दो गोल का योगदान दिया। नीदरलैंड को ग्रुप-ई में पहले स्थान पर रहने के लिये अमेरिका से अधिक अंक अर्जित करने थे। डच टीम ने इस विशाल जीत के साथ आसानी से अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। नीदरलैंड ने तीन मैचों में सात अंकों के साथ सुपर-16 में प्रवेश किया। दूसरी ओर, अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में पुर्तगाल के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलने वाले अमेरिका ने पांच अंकों के साथ प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित होगा महिला विश्व कप सुपर-16 चरण

मुंबई, 1 अगस्त। भारत के प्रमुख खेल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में जारी फीफा महिला विश्व कप 2023 के सुपर 16 चरण के प्रसारण अधिकार हासिल किये हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्टार स्पोर्ट्स ने एक विज्ञिप्त में कहा कि उसके चैनलों पर टूर्नामेंट के सुपर-16 मुकाबलों के लाइव प्रसारण के अलावा ग्रुप चरण मुकाबलों की हाइलाइट्स भी दिखाई जायेंगी। प्रसारणकर्ता सेमीफाइनल और फाइनल के लिये क्षेत्रीय भाषा की कमेंट्री जोड़कर टूर्नामेंट के कवरेज को बढ़ाने की भी योजना बना रहा है। स्टार स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने फीफा विश्व कप 2023 के साथ जुड़ाव पर कहा, ''फीफा महिला विश्व कप 2023 महिलाओं के खेल का अंतिम प्रदर्शन और उत्सव है। यह खेल में रुचि रखने वाली या आगे बढ़ने की इच्छुक लड़कियों के लिये प्रेरणा का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, ''यह उन लाखों प्रशंसकों के लिये एक बड़ा आकर्षण है जो फुटबॉल की सर्वश्रेष्ठ पेशकश देखने की इच्छा रखते हैं। हम इस साझेदारी को महिलाओं के खेल की यात्रा में एक मील के पत्थर के रूप में देखते हैं।'' फीफा महिला विश्व कप 2023 का आयोजन 20 जुलाई से ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में हो रहा है। टूर्नामेंट के सुपर-16 चरण की शुरुआत पांच अगस्त को होगी, जबकि फाइनल 20 अगस्त को खेला जायेगा।

भारत के युवा खिलाड़ियों को एकदिवसीय प्रारूप में पारी को आगे बढ़ाना सीखना होगाः ओझा

मुंबई, 1 अगस्त। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा का मानना है कि घरेलू सरजमीं पर खेले जाने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारतीय टीम के युवा बल्लेबाजों को अपनी पारी को गति देना सीखना चाहिए। वेस्टइंडीज दौरे पर पहले वनडे में 114 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए भारत ने पांच विकेट गंवा दिये थे। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली की गैरमौजूदगी में टीम को दूसरे एकदिवसीय में हार का सामना करना पड़ा। ओझा ने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, "कुछ चीजों पर ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है। टीम में जो बल्लेबाज नए हैं उन्हें पता होना चाहिए कि अपनी पारी को कैसे गति देनी है। यह अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है।'' उन्होंने कहा, " भारत के पास 2011 में ऐसे खिलाड़ी थे जो जानते थे कि अपनी पारी को कैसे गति देनी है और उनकी भूमिका क्या है। लेकिन इतनी सारी चोटों और बदलावों के कारण, यह एक अलग चुनौती है जिसका भारतीय टीम अभी सामना कर रही है।''

राजस्थान के बंटी डायर ने स्वर्ण पदक व संजू कुमारी ने रजत पदक जीता

जयपुर, 1 अगस्त। कनाडा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस व फायर गेम्स में राजस्थान के बॉडी बिल्डर द्वारा शानदार प्रदर्शन करते हुए भीलवाड़ा निवासी बंटी डायर ने मेंस फिजिक चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता व बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। प्रथम बार वर्ल्ड पुलिस गेम्स में भरतपुर की महिला बॉडी बिल्डर संजू कुमरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता तथा संजू कुमारी ने वुमन फिटनेस फिजिक में भी रजत पदक जीता। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। यादव ने बताया कि वर्ल्ड पुलिस गेम्स में 60 से अधिक देशों ने भाग लिया। जिसमें भारत ने बॉडी बिल्डिंग में 12 स्वर्ण, 8 रजत व 2 कांस्य पदक जीते।

स्टिमाच ने एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीम की घोषणा की

नयी दिल्ली, 1 अगस्त। भारत की सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने 19 सितंबर से सात अक्टूबर तक चीन के हांग्झोउ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिये मंगलवार को 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप-ए में मेजबान चीन, बंगलादेश और म्यांमार के साथ रखा गया है।

इस टूर्नामेंट में 23 टीमों को कुल छह समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए, बी, सी, ई और एफ में चार-चार टीमें हैं जबकि ग्रुप डी में तीन टीमें हैं। दो बार की एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय टीम नौ साल बाद पहली बार महाद्वीपीय खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग ले रही है।

भारतीय स्क्वाड : गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, गुरुमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरांगथेम। **डिफेंडर :** संदेश झिंगन, अनवर अली, नरेंद्र गहलोत, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह, आशीष राय। **मिडफील्डर :** जेकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजाम, अपुइया राल्टे, अमरजीत सिंह कियाम, राहुल केपी, नाओरेम महेश सिंह। **फॉरवर्ड :** शिव शक्ति नारायणन, रहीम अली, अनिकेत जाधव, विक्रम प्रताप सिंह, रोहित दानू, सुनील छेत्री। **प्रमुख कोच :** इगोर स्टिमाच।

एशियाई खेलों में पहली बार हिस्सा लेगी भारतीय सॉफ्टबॉल टीम

नयी दिल्ली, 1 अगस्त। चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में भारत पहली बार सॉफ्टबॉल के खेल में प्रतिस्पर्धा करेगा। भारतीय सॉफ्टबॉल संघ ने एक विज्ञिप्त में कहा कि एशियाड में हिस्सा लेने के लिये 16-सदस्यीय महिला टीम का चयन किया गया है। टीम चयन के लिये संभावितों की सूची के लिये परीक्षणों के बाद जून-जुलाई में दो सप्ताह के कोचिंग कैंप और परीक्षणों का आयोजन किया गया था। इस टीम में तीन अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी चुना गया है।

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन महाराष्ट्र ने भारतीय टीम में सबसे अधिक खिलाड़ियों का योगदान दिया। राज्य की पांच लड़कियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, जबकि केरल और पंजाब से क्रमशः तीन और दो खिलाड़ियों को चुना गया है। छत्तीसगढ़, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से एक-एक खिलाड़ी ने टीम में जगह बनायी है।

सॉफ्टबॉल संघ की अध्यक्ष नीतल नारंग ने कहा, ''एशियाई खेलों में भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम की भागीदारी हमारे खिलाड़ियों के लिये चमकने और महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपनी योग्यता साबित करने का अवसर है। इसके अलावा, यह उपलब्धि युवा एथलीटों, विशेषकर लड़कियों की भावी पीढ़ियों को सॉफ्टबॉल को पसंदीदा खेल के रूप में अपनाने के लिये प्रेरित करेगी।

उल्लेखनीय है कि सॉफ्टबॉल पहली बार एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहा है। भारत को एशियाई चैंपियनशिप में नियमित भागीदारी के आधार पर एशियाई खेलों में वाइल्ड कार्ड प्रवेश दिया गया है।

एशियाई खेलों के लिये भारतीय सॉफ्टबॉल टीम : ऐश्वर्या रमेश पुरी, ऐश्वर्या सुनील बोडके, मोनाली मानसिंग नातू, स्वप्नाली सी वेडनेड, सई अनिल जोशी, अंजलि पल्लिकरा, स्टेफी साजी, रिंटा चेरियन, ममता गुगुलोथ, गंगा सोना, ममता मिन्हास, संदीप कौर, कुमारी मनीषा, ईशा, स्वेतासिनी सबर, नित्या मालवी, प्रियंका बघेल (स्टैंडबाय)। अतिरिक्त खिलाड़ी : मनीषा कुमारी, प्रीति वर्मा, चित्रा।

स्वितोलिना ने अजारेंका को हराया, हाथ नहीं मिलाए

वाशिंगटन, 1अगस्त। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेटों में हराने के बाद अपनी इस प्रतिद्वंदी से हाथ नहीं मिलाए। स्वितोलिना ने सोमवार को खेले गए पहले दौर के इस मैच में 7-6 (2), 6-4 से जीत दर्ज की। यूक्रेन में युद्ध के दौरान स्वितोलिना और उनके देश की अन्य खिलाड़ियों ने रूस और बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिलाने से परहेज की है। रूस ने फरवरी 2022 में बेलारूस की मदद से यूक्रेन पर हमला किया था और यह युद्ध अभी जारी है। स्वितोलिना और अजारेंका के बीच मैच से पहले ही दर्शकों को बता दिया गया था कि दोनों खिलाड़ी मैच के बाद एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। टेनिस में मैच समाप्त होने के बाद खिलाड़ी आपस में हाथ मिलाते हैं लेकिन स्वितोलिना और अजारेंका ने केवल चेयर अंपायर से हाथ मिलाया। स्वितोलिना के इस कदम की कुछ दर्शकों ने सराहना भी की। स्वितोलिना ने बाद में कहा, "यह सही फैसला है। मैंने डब्ल्यूटीए से कहा कि वह यूक्रेन के खिलाड़ियों के फैसले का सम्मान करे और उसने ऐसा किया।''

भारत ने खड़ा किया 351 रन का विशाल स्कोर

तारोबा, 1 अगस्त। भारत ने ईशान किशन, शुभमन गिल, संजू सैमसन और कप्तान हार्दिक पांड्या के दमदार अर्धशतकों की बदौलत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 50 ओवर में 5विकेट खोकर 351रन बनाए हैं। भारत के लिए शुभमन गिल ने सर्वाधिक 85 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से शेफर्ड ने दो विकेट लिए।इससे पहले तीसरे वनडे में भारत को शुभमन गिल और ईशान किशन ने दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। ईशान किशन ने लगातार तीसरा फिफ्टी लगाई है, हालांकि एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे।ईशान किशन 64 गेंद में 77 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ कुछ कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। संजू सैमसन अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 41 गेंद में 51 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 92 गेंद में 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक के बीच 50 से ज्यादा रन की साझेदारी हुई। सूर्यकुमार 30 गेंद में 35 रन बना सके। हार्दिक पांड्या 52 गेंद में 70 रन बनाकर नाबाद लौटे। जडेजा ने 8 रन बनाए।

एआईटीए टेनिस टूर्नामेंट में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने आसान जीत दर्ज की

चेन्नई, 1 अगस्त। वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को मंगलवार को यहां इंडियम एआईटीए (अखिल भारतीय टेनिस महासंघ) टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल के शुरुआती दौर में आसान जीत दर्ज की। वरीयता प्राप्त शीर्ष तीन खिलाड़ी पश्चिम बंगाल के नितिन कुमार सिन्हा, तमिलनाडु के वी एम रंजीत और तेलंगाना के विष्णु वर्धन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

उत्तर पश्चिम रेलवे आवश्यक सूचना

सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि फाटक संख्या–213 (कुन्दनपुरा फाटक) जगतपुरा व खातीपुरा रेलवे स्टेशनों के मध्य KM 226/3–4 पर रेल पथ मरम्मत के लिए दिनांक 02.08.2023 समय 07:00 बजे से 18:00 बजे तक बन्द रहेगा, असुविधा के लिए खेद है।

806-AN/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

वोक्स, मोईन के दम पर इंग्लैंड ने एशेज़ ड्रॉ करवाई

लंदन, 1 अगस्त। तीसरे सत्र में क्रिस वोक्स (50/4) और मोईन अली (76/3) की मैच-जिताऊ गेंदबाज़ी की बदौलत इंग्लैंड ने सोमवार को पांचवें एशेज़ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 49 रन से हराकर शृंखला 2-2 की बराबरी पर समाप्त की। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 384 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया पांचवें दिन 334 रन पर ऑलआउट हो गयी।

ऑस्ट्रेलिया तीसरे सत्र में तीन विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाकर शृंखला को 3-1 से जीतने की कगार पर थी। इसके बाद मुकाबले को इंग्लैंड के पक्ष में झुकाने के लिये वोक्स ने स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क को आउट किया, जबकि मोईन ने ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श और पैट कमिंस के विकेट निकालकर कंगारुओं को 294/8 के स्कोर पर ला खड़ा किया। अपना आखिरी मैच खेल रहे स्टुअर्ट ब्रॉड ने अंतिम दो विकेट चटकाते हुए इंग्लैड को शृंखला की हार से बचाया और अपने क्रिकेट करियर का शानदार अंत भी किया।

चौथे दिन सलामी जोड़ी की 135 रन की अविजित साझेदारी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें दिन अपने शुरुआती दो विकेट 25 रन के अंदर गंवा दिये। डेविड वॉर्नर 106 गेंद पर नौ चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ख्वाजा ने वोक्स का शिकार होने से पहले 145 गेंद पर आठ चौके लगाकर 72 रन बनाये।

मार्नस लाबुशेन (13) भी विकेट पर ज़्यादा देर नहीं टिक सके, हालांकि स्मिथ और हेड ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभालकर लक्ष्य की ओर मार्च करना शुरू किया। दोनों बल्लेबाज़ों के बीच हुई 95 रन की साझेदारी इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का सिरदर्द बन सकती थी, लेकिन जांघ की चोट से जूझ रहे मोईन ने हेड को आउट कर मेज़बान टीम को बहुमूल्य सफलता दिलाई।

हेड 70 गेंद पर छह चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कुछ देर बाद वोक्स ने स्मिथ को स्लिप में खड़े ज़ैक क्रॉली के हाथों कैच आउट करवा दिया। स्मिथ 94 गेंद पर 54 रन ही बना सके और उनके पवेलियन लौटने के बाद ऑस्ट्रेलिया बीच मझदार में फंस गयी।

मोईन ने मिचेल मार्श और पैट कमिंस के विकेट चटकाकर इंग्लैंड का काम आसान किया, जबकि मिचेल स्टार्क को वोक्स ने पवेलियन भेजा। विकटकीपर एलेक्स कैरी क्रीज़ पर खड़े रहे, हालांकि उन्हें किसी का साथ नहीं मिल सका। अंततः, कप्तान स्टोक्स ने ब्रॉड को गेंद सौंपी और इस अनुभवी गेंदबाज़ ने अपने सुसज्जित करियर का एक यादगार अंत किया। ब्रॉड ने कई दर्शनीय इन-स्विंग गेंदों के बाद टॉड मर्फ़ी को विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो के हाथों कैचआउट करवाया। कैरी को इसी ओवर में एक जीवनदान मिला।

ऑस्ट्रेलिया ओपन के दूसरे दौर में त्रिशा-गायत्री

सिडनी, 1 अगस्त। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने मंगलवार को अपने ऑस्ट्रेलिया ओपन अभियान की मज़बूत शुरुआत करते हुए कनाडा की कैथरीन चोई और जोसेफ़ीन वू को मात दी। त्रिशा-गायत्री ने पहले चरण में कैथरीन-जोसेफ़ीन को 21-16, 21-17 से हराने के लिये मात्र 38 मिनट का समय लिया। यह कनाडाई युगल के खिलाफ दो मुकाबलो में त्रिशा-गायत्री की लगातार दूसरी जीत है। दूसरे चरण में भारतीय जोड़ी का सामना जापान की मायू मातसुमोतो और वकाना नागाहारा से होगा।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जोड़ी इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के अलावा किसी टूर्नामेंट में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी है। दूसरे चरण में विश्व की नंबर पांच जापानी जोड़ी को हराना उनके लिये बड़ी चुनौती होगी।

इस बीच, अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो की महिला युगल जोड़ी 57 मिनट चले मुकाबले में इंडोनेशिया की फेबरियाना कुसुमा और अमालिया प्रतिवी से हारकर टूर्नामेंट के पहले चरण में ही बाहर हो गयी। इंडोनेशियाई युगल ने अश्विनी-तनीषा को तीन गेम चले मुकाबले में 21-11, 14-21, 21-17 से परास्त किया। एन सिक्की रेड्डी और ए सारा सुनील की महिला युगल जोड़ी ताइवान की सू यिन-हुई और ली चिह चेन से 14-21, 17-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हुई।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहितओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	33427925	गृह ऋण	1. गिरीश खत्री 2. आरती खत्री	12.07.2023	22,32,731.73/-	प्लाट नं. 139 (दक्षिण भाग), क्षेत्रफल 82.50 वर्गगज अर्थात 68.98 वर्गमीटर, रेजीडेन्शियल स्कीम, खुशी संसार, ग्राम-शियोसिंहपुरा उर्फ कल्लावाला, तहसील-सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) राजस्थान-302029 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-30 फिट चौड़ी रोड, पश्चिम-प्लाट नं. 141, उत्तर-प्लाट नं. 139 का उत्तरी भाग, दक्षिण-प्लाट नं. 138

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

दिनांक- 02.08.2023
स्थान- जयपुर

ह./- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

विंडीज की टी-20 टीम में होप, हेटमायर की वापसी

पोर्ट ऑफ स्पेन, 1 जुलाई। वेस्ट इंडीज ने भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला के लिये शाई होप, शिमरन हेटमायर और ओशेन थॉमस को अपनी 15-सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यानिक कारिया और शेल्डन कॉटरेल को टीम में शामिल करने पर विचार किया गया, लेकिन टीम प्रबंधन थॉमस की ''तेज़ गति'' और रोस्टन चेज़ एवं अकील होसेन के रूप में दो स्पिनरों से संतुष्ट था।

हेन्स ने थॉमस और होप को शामिल करने पर कहा, ''हम थोड़े से एक्स-फैक्टर वाले खिलाड़ी चाहते हैं। थॉमस एक ऐसा खिलाड़ी है जो अपनी गति से मैच में फर्क ला सकता है। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे वह बहुत उत्सुक है और वास्तव में पूरी तरह फिट होकर वापस आना चाहता है और फिर से तेज गेंदबाजी करना चाहता है। मैं व्यक्तिगत रूप से सोचता हूं कि हमें कैरेबियाई क्षेत्र में कुछ तेज गेंदबाज ढूंढने की जरूरत है और मुझे लगता है कि ओशेन के साथ शुरुआत की जा सकती है।''

उन्होंने कहा, ''ज़ाहिर है, शाई बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और उनका स्तर इतना अच्छा है कि वह तीनों प्रारूपों में वेस्ट इंडीज के लिये खेल सकते हैं। यह टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए चुनी गयी है। हम अलग-अलग योजनाओं की ओर देख रहे हैं और सही संयोजन तलाश रहे हैं।''

हेन्स ने कहा कि 17 अगस्त से शुरू होने वाली कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में प्रदर्शन के आधार पर कुछ अन्य खिलाड़ियों के नाम पर भी विचार किया जा सकता है।

इस बीच, लंबे समय बाद टीम में वापसी कर रहे हेटमायर ने आखिरी बार पिछले साल अगस्त में वेस्ट इंडीज के लिये टी20 मैच खेला था और वह जून में वनडे विश्व कप क्वालीफायर के लिये भी नहीं चुने गये थे। इससे पहले उन्हें फॉर्म और फिटनेस के मुद्दों के कारण सीमित ओवर टीम से बाहर रखा गया था। हेटमायर ने हाल ही में अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में उपविजेता सिएटल ओर्कास के लिये दो टी20 मुकाबले खेले। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के लिये 151.77 की स्ट्राइक रेट और 37.37 की औसत से 299 रन बनाये थे।

होप भी फरवरी 2022 में भारत के विरुद्ध टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने के 17 महीने बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। भारत के खिलाफ ये पांच टी20 मैच कैरेबियाई क्षेत्र और अमेरिका में खेले जाएंगे। तीन अगस्त को तरौबा में सीरीज शुरू होने के बाद, प्रोविडेंस छह और आठ अगस्त को दो मैचों की मेजबानी करेगा। इसके बाद दोनों टीमें 12 और 13 अगस्त को आखिरी दो मैचों के लिये फ्लोरिडा के लॉडरहिल के लिये उड़ान भरेंगी।

टी20 शृंखला के लिये विंडीज स्क्वाड : रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मेयर्स (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, शिमरन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, ओबेड मकॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशेन थॉमस।

कार्यालय नगर विकास न्यास, भरतपुर

क्रमांक:-नियमन/2023/7758-60

दिनांक: 01/08/2023

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न भूखण्डधारियों द्वारा अपने भूखण्ड का नियमन बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। इस भूखण्ड का नियमन/आवंटन आवेदकों के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति होतो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के सात दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवें अन्यथा आवेदकों के पक्ष में भूखण्ड का नियमन कर दिया जायेगा :-

क्र0 सं0	नाम आवेदनकर्ता	योजना का नाम	खसरा नं0 चक नं0 / ग्राम/तहसील	भू0सं0	क्षेत्रफल वर्गगज में	भूखण्ड किससे क्रय किया गया	क्रय का प्रकार एवं दिनांक अपंजीकृत इकरारनामा/वयनामा
1	श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री डोरीलाल	विष्णु नगर/सुभाष नगर	मध्यवर्ती खसरा नम्बर 2706/4940 गत खसरा नम्बर 840 हाल खसरा नम्बर 2991 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 02	15	139.36	श्रीमती जगदीश किशोर पत्नी श्री गंगासिंह	वयनामा दिनांक 15.12.1986
2	श्रीमती किरन देई पत्नी श्री रूपराम	जसवन्त नगर हीरा दास का नगला	खसरा नम्बर 4 राजस्व ग्राम श्रीनगर	21, 20	274.25	श्री दुलीचन्द, गंगाराम पुत्रान श्रीनत्थी	वयनामा दिनांक 09.03.2005
3	श्रीमती फुलवादेवी पत्नी श्रीनन्दकिशोर	जसवन्त नगर हीरा दास का नगला	खसरा नम्बर 4 राजस्व ग्रामश्रीनगर	4	165.27	श्री दुलीचन्द, गंगाराम पुत्रान श्री नत्थीलाल	वयनामा दिनांक 19.04.2023
4	श्रीमती कशमीरा पत्नी श्री प्रताप	राधा नगर	खसरा नम्बर 1329 ग्राम गोलपुरा	246	149.13	श्रीहरवीर सिंह पुत्र श्री पुन्तु सिंह	वयनामा दिनांक 26.05.2010
5	श्रीराजेन्द्र सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह	गणेश नगर	खसरा नम्बर 20 ग्राम अनाह	166	121.91	श्री उदयसिंह, महावीर सिंह पिसरान श्री सुघड	वयनामा दिनांक 08.01.2015
6	श्रीमती मीना कुमार पत्नी श्री उदयसिंह	बौद्ध विहार	खसरा नम्बर 1450, 1451 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 01	14	131.94	श्रीमती अनुराधा चौपड़ा पत्नी स्व. श्रीदर्शनलालचौपड़ा	वयनामा दिनांक 20.10.2014
7	श्रीमती संध्या पत्नी श्री कुवर पाल	तिलकनगर फेज-8	खसरानम्बर 262 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 01	77, 78, 91	170.37	श्री अतरसिंह पुत्र श्रीगुरूप्रसाद	इकरारनामा दिनांक 10.11.2008
8	श्री प्रियंकरोतवार पुत्र श्री रामवीररोतवार	सुभाषनगर फेज-4 पार्टप्लान	गत खसरा नम्बर 909 हाल खसरा नम्बर 3281, 3282, 3283, 3284 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 02	34	192.58	श्री चरनसिंह पुत्र स्व. श्रीपन्नी	दानपत्र (दादा के द्वारानाती के हक में) दिनांक 24.09.2021
9	श्री दिनेश चन्द गोयल पुत्र श्री हरीरामगोयल	जयन्तीनगर	गत खसरा नम्बर 1107 खसरानम्बर 2087 कस्बा भरतपुर चक नम्बर 02	13	93.85	श्रीमती अंगूरीदेवी पत्नी श्री हरीराम गोयल	दानपत्र दिनांक 23.01.2007
10	श्रीकरन सिंह पुत्र श्री छोटेलाल	जसवन्त नगर नगला हीरादास	खसरा नम्बर 6 ग्राम श्रीनगर	43	286.53	श्रीमती रेशम पत्नी स्व. श्रीनत्थी	वयनामा दिनांक 12.12.2006

सचिव/प्रभारीअधिकार
नगरविकासन्यास, भरतपुर

14 बार एक्सटैंशन व छः सालों के इंतजार के बाद आई रोहिणी आयोग की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अदर बैकवर्ड कास्ट के लिए आरक्षण सिस्टम में व्याप्त खामियों को दूर करने तथा ओ.बी.सी. के अंतर्गत नये सब कैटिगरी जोड़ने के लिए बनाई गई रोहिणी आयोग की रिपोर्ट आखिरकार छः सालों बाद सामने आ ही गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग की सब–कैटेगरी पर गौर करने के लिए बने आयोग ने सोमवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब विपक्षी दलों की ओर से जाति जनगणना को लेकर लगातार मांग की जा रही है। विपक्ष भाजपा को मात देने के लिए पिछड़ी और अनुसूचित जाति के वोटरों को साधने का प्रयास कर रहा है।

- **रोहिणी आयोग को ओ.बी.सी. के अंतर्गत आने वाली जातियों-उपजातियों में समान रूप से आरक्षण का बंटवारा किया जा सके इसके लिए उपाय एवं सुझाव ढूंढ़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी**
- **क्या राजनीतिक कारणों से रिपोर्ट आने में इतना विलम्ब और राजनीतिक कारणों से ही इस मौके पर यह रिपोर्ट तुरंत लाई गई है।**
- **रोहिणी आयोग का गठन वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट की पूर्व रिटायर्ड जज जस्टिस जी. रोहिणी की अध्यक्षता में की गई थी।**
- **रोहिणी आयोग ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी।**

ओ.बी.सी. के उप वर्गीकरण (सब–कैटेगरी) के परीक्षण के लिए अक्टूबर, 2017 की एक अधिसूचना के मार्फत अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए यह आयोग गठित किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जी. रोहिणी इस आयोग की अध्यक्ष हैं।

उनके नाम के चलते ही इसे रोहिणी आयोग कहा जाता है। अक्टूबर 2017 में गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश जी. रोहिणी की अध्यक्षता वाले आयोग को अब तक 14 बार विस्तार मिल चुका है। शुरुआत में ओ.बी.सी. कैटेगरी के भीतर लगभग 3,000 जातियों को उप–वर्गीकृत करने के लिए 12 सप्ताह का समय दिया गया था। लेकिन फिर इसे और विस्तार दिया गया। रोहिणी आयोग से ओ.बी.सी. जातियों के बीच 27 ओ.बी.सी. कोटा को समान रूप से विभाजित करने की सिफारिश करने के लिए भी कहा गया था।

समाज कल्याण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 13 बार कार्यकाल बढ़ाये जाने के बाद इस आयोग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपी। आयोग को ओ.बी.सी. की केंद्रीय सूची में विभिन्न प्रविष्टियों का अध्ययन करने का जिम्मा दिया गया था। उसे किसी भी पुनरावृति, अस्पष्टता, विसंगति, वर्तनी या प्रतिलेखन (ट्रांसक्रिप्शन) की त्रुटियों को सुधारने, ओ.बी.सी. के बीच आरक्षण के लाभों के असमान वितरण का पता लगाने, तथा इन विभिन्न खामियों को वैज्ञानिक ढंग से दूर करने के लिए प्रणाली, मापदंड आदि तैयार करने का भी जिम्मा दिया गया था।

आयोग का गठन इस उम्मीद से किया गया था कि भाजपा सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के उप–समूहों को चिह्नित करके उनके बीच 27 केंद्रीय कोटा समान रूप से बांट सके। सीधे शब्दों में कहें तो उप–वर्गीकरण के पीछे का विचार विभिन्न ओ.बी.सी. समुदायों के बीच आरक्षण लाभों का समान वितरण सुनिश्चित करना है। अक्सर इस तरह की शिकायतें आती रहती हैं कि मजबूत जातियां अपने अच्छे आर्थिक और शैक्षिक स्तर के कारण बेहतर प्रतिस्पर्धी क्षमताओं के दम पर कमजोर जातियों के हिस्से के आरक्षण लाभों को हड़प लेती हैं।

'हरियाणा की साम्प्रदायिक हिंसा पूर्वनियोजित षडयंत्र का हिस्सा है'

चंडीगढ़, 1 अगस्त (वार्ता)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और गृह मंत्री अनिल विज ने नूंह की घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुये कहा है कि यह किसी बड़े षडयंत्र का हिस्सा प्रतीत होती है।

- **हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह बात कही, नूह में सोमवार को फैली थी हिंसा जिसमें 2 पुलिसकर्मियों सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी है।**

दोनों नेताओं ने मंगलवार को यहां वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक में स्थिति की समीक्षा करते हुये यह बात कही तथा स्पष्ट किया कि सरकार उपद्रवियों को किसी सूरत में नहीं बख्शेगी एवं कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने लोगों से शांति बहाल करने में सरकार के प्रयासों में मदद करने की अपील की।

पांच सालों में सुरक्षाबलों के 53 हजार जवानों ने नौकरी छोड़ दी

बी.एस.एफ के 23 हजार तथा सी.आर.पी.एफ के 13 हजार जवान नौकरियों से त्याग पत्र दे चुके हैं

नई दिल्ली, 1 अगस्त। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में ये जानकारी दी कि, पिछले पांच साल में 53 हजार से अधिक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ.) के जवानों ने अपनी नौकरी छोड़ दी। सरकार ने बताया कि कुल 53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति या इस्तीफा देकर अपनी नौकरी छोड़ दी। 53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों में से, 47,000 सैनिकों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वॉलेंटियरी रिटायरमेंट या वी.आर.) ले ली, जबकि 6,336 ने अपनी सर्विस से इस्तीफा दे दिया। यह आंकड़ा 2018 से 2022 तक है।

- **केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर के प्रश्न के जवाब में यह जानकारी लोकसभा में पेश की।**
- **53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों में से, 47,000 सैनिकों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वॉलेन्टरी रिटायरमैंट या वीआर) ले ली, जबकि 6,336 ने अपनी सर्विस से इस्तीफा दे दिया। यह आंकड़ा 2018 से 2022 तक का है।**

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर के प्रश्न का लिखित जवाब देते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के जवाब में कहा, "2021 में 12,003 कर्मियों ने नौकरी छोड़ी। वहीं 2022 में कुल 12,380 लोगों ने सी.ए.पी.एफ. से अपनी नौकरी छोड़ दी। 2020 में 7,690, 2019 में 10,323 और 2018 में 10,940 लोगों ने नौकरी छोड़ी।"

नित्यानंद राय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2022 के बीच सीमा सुरक्षा बल यानी बी.एस.एफ. के सबसे ज्यादा 23,553 जवानों ने नौकरी छोड़ी है। इसमें से 21,692 जवानों ने वी.आर. लिया और 1861 ने इस्तीफा दिया था। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से 13,640 जवानों ने नौकरी छोड़ी। इनमें से 13,027 ने वी.आर. लिया और 613 ने इस्तीफा दिया। तीसरे नंबर पर असम राइफल्स है, जहां 5,393 (5,313 वीआर और 80 इस्तीफा) जवानों ने नौकरी छोड़ी।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) से 5,151; भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) से 3,165 और सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) से 2,434 जवानों ने नौकरी छोड़ी।

अविश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चर्चा कराने में अधिकतम संभव विलम्ब किया जाये। नियम यह कहते हैं कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा लोकसभा द्वारा इसे स्वीकार किये जाने के 10 दिन के अंदर हो ही जानी चाहिये। ज्ञातव्य है कि 8 अगस्त को चर्चा के लिये अंतिम तिथि थी क्योंकि गोगोई ने यह प्रस्ताव 20 जुलाई को पेश किया था।

अविश्वास प्रस्ताव को चर्चा/मतदान के लिये सूचीबद्ध किये जाने में हुये विलम्ब के प्रति अपना विरोध जताते हुये, कांग्रेस ने इस मीटिंग का बहिष्कार कर दिया।

विपक्षी गठबंधन इंडिया सरकार पर लगातार दबाव बनाये हुये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया है कि वे चुनावी प्रयोजनों से पूरे देश में घूम रहे हैं लेकिन सत्र के दौरान मणिपुर दुखान्तिका पर संसद में आने से बच रहे हैं।

सेना के सभी अधिकारियों के लिए एक समान वर्दी का रूल लागू हुआ

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सेना ने सीनियर लीड के पदों पर तैनात अधिकारियों में एक समान पहचान और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए सामान्य वर्दी अपनाई है। ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए सामान्य वर्दी का निर्णय अप्रैल में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की अध्यक्षता में सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान व्यापक विचार–विमर्श के बाद लिया गया था, जिसे मंगलवार को लागू कर दिया गया।

- **पहले, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी उनके हथियारों और रैंक के आधार पर भिन्न होती थी।**
- **उदाहरण के लिए, गोरखा राइफल्स के जनरल्स अपनी ट्रैडमार्क टोपी पहना करते थे। विशिष्ट बख्तरबंद रेजिमेंटों के जनरल्स भूरे रंग के जूते पहनते थे, और विशेष बल के जवान प्रसिद्ध मरुन कलर की बैरेट पहना करते थे।**

नए नियम लागू होने के साथ वरिष्ठ अधिकारी अब अपने से संबंधित हथियारों और सेवाओं के लिए विशिष्ट साज–सामान नहीं रखेंगे। कंधे के चारों ओर लटकने वाली डोरी को भी हटा दिया गया है। ये अधिकारी अब गहरे हरे रंग की बेरी पहनेगे हैं। वे सभी पीतल के रैंक पहनेंगे। इन अधिकारियों में प्रमुख जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल और सेना प्रमुख शामिल हैं।

पहले, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी उनके हथियारों के आधार पर भिन्न होती थी। उदाहरण के लिए, गोरखा राइफल्स के जनरलों ने अपनी ट्रेडमार्क टोपी पहना करते थे। विशिष्ट बख्तरबंद रेजिमेंटों के उनके समकक्ष भूरे रंग के जूते पहनते थे, और विशेष बल के जवान प्रसिद्ध मैरून बेरेट पहना करते थे।

सभी वरिष्ठ अधिकारी अब से केवल काले जूते पहनेंगे। बेल्ट अब रेजमेंट या सेवा विशिष्ट नहीं है।

यू.पी. में साम्प्रदायिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ गया है, जो याचिका अधीनस्थ न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें ए.एस.आई. को एक सर्वे करने की अनुमति दी गई थी जिससे तय हो सके कि संबंधित मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई थी या नहीं। इस तमाम बयानों के फलस्वरूप, धार्मिक एवं राजनैतिक मामलों में उफान आ सकता है। स्वामी प्रसाद मौर्य, जिनका पूर्व में दिया गया विवादास्पद बयान अखबारों की सुर्खी बन चुका है, ने आग में घी डालते हुये कहा है कि अगर भाजपा हर मस्जिद के नीचे कोई मंदिर दूढ़ेगी तो लोग मंदिरों के नीचे बौद्ध मठ/विहार ढूंढ़ना शुरु कर देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे साक्ष्य हैं जो यह दर्शाते हैं कि बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मंदिर नवीं तथा 8वीं शताब्दी में बौद्ध मठ थे। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि पुरी का जगन्नाथ मंदिर, सबरीमाला का अयप्पा मंदिर तथा पन्ढ़रपुर का विठोबा मंदिर बौद्ध मठ थे, जिन्हें ध्वस्त करके हिन्दू धर्म के तीर्थ बना दिये गये। उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिये कि वे ऐसे मुद्दे उठाये जाने के प्रति सावधान एवं सतर्क रहें ताकि साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सभी धर्मों के सम्मान की भावना बनी रहे।

मौर्य की टिप्पणी पर बसपा प्रमुख मायावती ने बड़ी तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने मौर्य से सवाल किया है कि वे इन मामलों पर उस समय क्यों खामोश थे, जब वे भाजपा सरकार में मंत्री थे। मायावती ने कहा, "चुनावों के समय विवाद पैदा करना उनकी (मौर्य) एवं समाजवादी पार्टी की घृणित राजनीति है। इनके द्वारा बौद्ध तथा मुस्लिम समुदाय दिग्भ्रमित नहीं होने वाला हैं।"

'मणिपुर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरंभ में सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने मणिपुर सरकार की ओर से स्टेट्स रिपोर्ट पेश की और माना कि ज़मीनी स्थिति बहुत बुरी है और कोर्ट द्वारा बताई गई गलतियों का कोई औचित्य नहीं है।

मेहता ने कहा कि कुल 6523 एफ.आई.आर. हैं जिनमें जीरो और पंजीकृत दोनों हैं। इनमें से अधिकांश को संबंधित थानों में भेज दिया गया है और पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील होने को कहा गया है। मणिपुर पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से एक किशोर है।

सीमा क्षेत्रों (मणिपुर) में हो रही घटनाओं को बहुत व्यथित करने वाली बताते हुए एटॉर्नी जनरल बताते हुए एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने कहा, "हमें एक संतुलित रवैया अपनाना पड़ेगा। सरकार विवरण लेकर वापस आएगी और कोर्ट की सहायता करेगी। सी.बी.आई. को देखने दीजिए वास्तविकता क्या है।"

बैंच ने कहा कि सी.बी.आई. के लिए इतने मुकदमों की जांच करना संभव नहीं हैं इसलिए वह मामले को देखने के लिए रिटायर्ड जजों का पैनल बनाने जा रहा है। दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के वीडियो को "बहुत चिंताजनक" बताते हुए बैंच ने राज्य पुलिस से एफ.आई.आर. दर्ज होने में हुए लंबे विलंब के बारे में पूछा।

जस्टिस चन्द्रचूड़ ने कहा, "एक बात स्पष्ट है कि वीडियो मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करने में देरी हुई।"

वायरल वीडियो के संबंध में एफ.आई.आर. दर्ज करने में विलंब के लिए मणिपुर पुलिस की खिंचाई करत हुए कोर्ट सोमवार को इसे "अभूतपूर्व स्तर का जघन्य अपराध" बताया और एस.आई.टी. गठित करने के संकेत दिए।

कल सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से मुश्किल सवाल पूछे।

शिव सेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल हैं, ने कहा कि संवैधानिक बैंच को जम्मू–कश्मीर का मामला निपटा लेने दीजिए।

याचिका में दावा किया गया है कि चुनाव आयोग का यह कहना गलत है कि दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता व चुनाव चिन्ह आदेश के तहत कार्यवाही विभिन्न क्षेत्रों में होती है और विधायकों को अयोग्य किसी राजनैतिक दल की सदस्यता त्यागने पर आधारित नहीं है।

यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग का यह मानना गलत है कि शिव सेना में विभाजन हो गया है।

चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिव सेना के रूप में मान्यता देकर स्व. बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित अविभाजित शिव सेना का चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया था।

सी.एम. गहलोत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया है। साथ ही अदालत ने सी.एम. गहलोत को 7 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रैंन्सिंग (वी.सी.) के जरिए पेश होने के लिए कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अंतिम बहस 17 अगस्त को तय की है। अदालत ने यह आदेश अशोक गहलोत की रिवीज़न याचिका पर दिए। रिवीज़न में सी.एम. ने निचली कोर्ट के 6 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें समन के जरिए अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। सी.एम. की ओर से पूर्व महाधिवक्ता जी.एस. बापना ने पैरवी करते हुए कहा कि, मामले में दायर मानहानि के परिवाद में आपराधिक मानहानि के कोई तत्व ही नहीं हैं। अखबार में छपी खबरों को पूर्ण रूप से सत्य नहीं माना जा सकता। इसके अलावा सी.एम. ने जो बयान दिया था वह गृह मंत्री के तौर पर और एस.ओ.जी. की रिपोर्ट के आधार पर दिया था। एस.ओ.जी. ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में परिवादी शेखावत को आरोपी माना है। वहीं निचली अदालत ने मामले में प्रसंज्ञान लिए बिना ही साक्ष्य लिया है। इसलिए उनके खिलाफ समन पर रोक लगाई जाए। अदालत ने समन पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए सी.एम. को व्यक्तिगत पेशी के बजाय वी.सी. के जरिए पेश होने के लिए कहा।

गौरतलब है कि, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने दिल्ली की निचली कोर्ट में संजीवनी घोटाले मामले में, सी.एम. गहलोत के बयानबाजी करने पर उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का दावा दायर किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सी.एम. गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक के उप मु.मंत्री को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 1 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी, जिसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कथित तौर पर अर्जित आय से अधिक संपत्ति की जांच पर अंतरिम रोक लगा दी गई थी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने आय से अधिक सम्पत्ति रखने के मामले में डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सी.बी.आई जांच की याचिका खारिज कर दी**
- **केंद्रीय एजेंसी सीबीआई ने अपने आरोप में दावा किया कि कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री रहते हुए शिवकुमार ने अप्रैल 2013 से अप्रैल 2018 तक आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी।**

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि मामला उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष लंबित है। पीठ ने इसका दलील का संज्ञान लिया और सी.बी.आई. की याचिका खारिज कर दी।

सिंघवी ने कहा कि सीबीआई की याचिका उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेशों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मामला उच्च न्यायालय के समक्ष निर्णय के अंतिम चरण में है।

शीर्ष अदालत की पीठ ने अपने आदेश में कहा,चूंकि वर्तमान विशेष अनुमति याचिका पूरी तरह से एक अंतरिम आदेश से उत्पन्न हुई है, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। संबंधित पक्षकारों के लिए उपलब्ध सभी प्रश्न उच्च न्यायालय के समक्ष निर्णय के लिए रखे गए हैं।

इससे पहले सी.बी.आई. की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा दिए गए रोक आदेश के खिलाफ एक अलग याचिका दायर की है।

गौरतलब है कि इस फरवरी 2023 में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के नटराजन की एकल पीठ ने शिवकुमार को 74 करोड़ रुपये के आय से अधिक संपत्ति मामले में अंतरिम राहत दी थी, जिसकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही थी। केंद्रीय एजेंसी सी.बी.आई. ने अपने आरोप में दावा किया कि कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री रहते हुए शिवकुमार ने अप्रैल 2013 से अप्रैल 2018 तक आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी।

'गलत टैस्ट रिपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यरत टैक्नीशियन और लैब में रिपोर्ट को हस्ताक्षरित करने वाले डॉक्टर की जानकारी लेना अनिवार्य है।

यह जानकारी लैब के संचालकों को रूल्स में वर्णित 'फॉर्म' को भरकर देनी होती है। इसके बाद चिकित्सा विभाग अगले दस दिन के भीतर लैब का अस्थायी पंजीयन कर लैब संचालकों को "सर्टिफिकेट" दे देता हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कानून के अनुसार प्रशासन को अस्थायी पंजीयन का सर्टिफिकेट देने के बाद दो साल के भीतर उक्त लैब्स का सर्वे कर पुष्टि करनी होती है कि उनके द्वारा दी गई जानकारी सही है कि नहीं। सर्वे के दौरान चिकित्सा अधिकारियों को यह देखना होता है कि लैब कानून द्वारा तय किए गए न्यूनतम मानकों का अनुसरण कर रही है कि नहीं। जो लैब्स न्यूनतम मानकों का अनुसरण कर रही होती हैं केवल उन्हीं का स्थायी पंजीकरण किया जा सकता है।

केन्द्र सरकार ने वर्ष 2020 में न्यूनतम मानकों में संशोधन किया था, अत: राज्य सरकार को 2022 से मैडिकल लैब्स का सर्वे कर स्थायी पंजीयन कर लेना चाहिए था और उससे संबंधित आंकड़े ना केवल अपनी वैबसाईट पर प्रकाशित कर देने चाहिए थे बल्कि केन्द्र सरकार के साथ भी साझा कर देने चाहिए थे। यह बड़ी चौंकाने वाली बात है कि कानूनी स्थिति को जानते हुए भी राज्य सरकार ने चंद जिलों में मैडिकल लैब्स का ही स्थायी पंजीयन किया और जयपुर और अन्य कई बड़े जिलों में किसी भी लैब का पंजीयन नहीं किया है चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट।

इस खोज खबर के दौरान आर.टी.आई. से प्राप्त इस जानकारी में यह भी देखा गया कि एक तरफ स्वास्थ्य विभाग ने केन्द्र सरकार को दौसा जिले में पंजीयन हो चुकी लैब्स के विषय में कोई जानकारी नहीं दी। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की केन्द्र सरकार की वैबसाइट पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है, जबकि केन्द्र सरकार के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी वैबसाईट पर उपलब्ध जानकारी ही नवीनतम जानकारी है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार से दौसा जिले में पंजीकृत लैब्स की जानकारी मांगी गई तो पता चला कि स्वास्थ्य विभाग ने 21 लैब्स का स्थायी पंजीयन किया है, जिनमें कई सरकारी और कई प्राइवेट लैब्स हैं। हैरानी की बात है कि राज्य सरकार से आर.टी.आई. के माध्यम से यह जानकारी 24 अगस्त 2021 को मांगी थी, परंतु केन्द्र सरकार की वैबसाईट अनुसार आज भी दौसा जिले में एक भी लैब पंजीकृत नहीं है। राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच सामंजस्य और तालमेल के विचित्र अभाव के कारण आमजन को सही जानकारी नहीं मिल पा रही है। जबकि कानूनी तौर पर राज्य सरकार को यह जानकारी केन्द्र सरकार के साथ साझा करनी ज़रूरी है।

दस्तावेज़ नं. "ए" में आर.टी.आई. द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार दौसा जिले में 21 मैडिकल लैब्स का स्थायी पंजीकरण किया जा चुका है। परंतु यह जानकारी राज्य सरकार ने अपनी किसी भी वैबसाईट पर या अखबार में प्रकाशित नहीं की है। दूसरी ओर यह जानकारी केन्द्र सरकार की वैबसाईट पर भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि दस्तावेज़ नं. "बी" से स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने लैब्स के पंजीकरण से संबंधित जानकारी ना तो केन्द्र सरकार के साथ साझा की है और ना ही अखबारों में प्रकाशित करवाई है, जो कि नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है।

दस्तावेज 'ए'

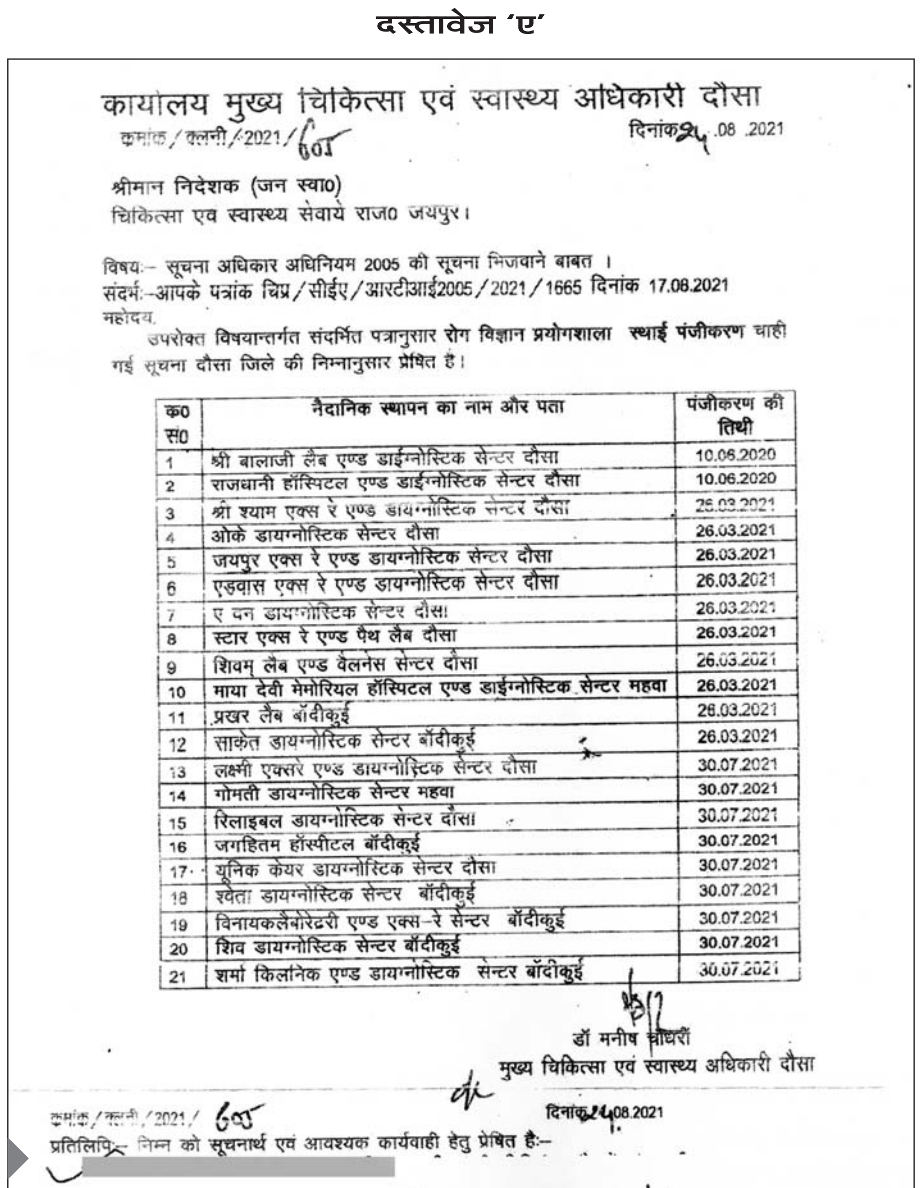

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आधेकारी दौसा

क्रमांक/कलनी/2021/601 दिनांक 24.08.2021

श्रीमान निदेशक (जन स्वा0)
चिकित्सा एव स्वास्थ्य सेवायें राज0 जयपुर।

विषयः– सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की सूचना भिजवाने बाबत ।
संदर्भः–आपके पत्रांक चिप्र/सीईए/आरटीआई2005/2021/1665 दिनांक 17.08.2021

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्रानुसार रोग विज्ञान प्रयोगशाला स्थाई पंजीकरण चाही गई सूचना दौसा जिले की निम्नानुसार प्रेषित है।

क्र0 स0	नैदानिक स्थापन का नाम और पता	पंजीकरण की तिथी
1	श्री बालाजी लैब एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	10.06.2020
2	राजधानी हॉस्पिटल एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	10.06.2020
3	श्री श्याम एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
4	ओके डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
5	जयपुर एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
6	एडवास एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
7	ए वन डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
8	स्टार एक्स रे एण्ड पैथ लैब दौसा	26.03.2021
9	शिवम् लैब एण्ड वैलनेस सेन्टर दौसा	26.03.2021
10	माया देवी मेमोरियल हॉस्पिटल एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर महवा	26.03.2021
11	प्रखर लैब बॉदीकुई	26.03.2021
12	साकेत डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	26.03.2021
13	लक्ष्मी एक्सरे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
14	गोमती डायग्नोस्टिक सेन्टर महवा	30.07.2021
15	रिलाइबल डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
16	जगहितम हॉस्पीटल बॉदीकुई	30.07.2021
17	यूनिक केयर डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
18	श्वेता डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
19	विनायकलैबोरेट्री एण्ड एक्स–रे सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
20	शिव डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
21	शर्मा किलनिक एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021

डॉ मनीष चौधरी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दौसा

क्रमांक/कलनी/2021/605 दिनांक 24.08.2021

प्रतिलिपि– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:–

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
दौसा

दस्तावेज 'बी'

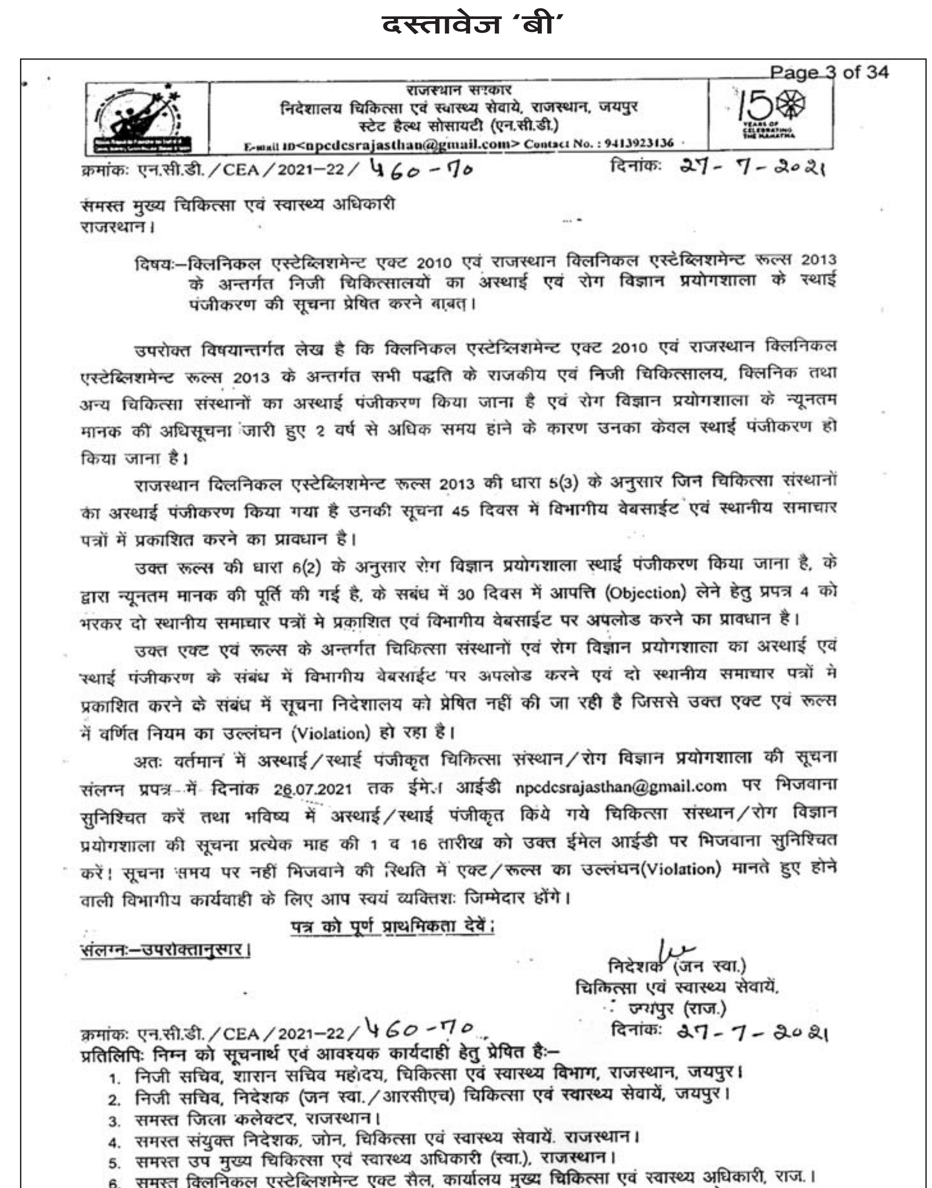

Page 3 of 34

राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये, राजस्थान, जयपुर
स्टेट हैल्थ सोसायटी (एन.सी.डी.)
E-mail ID<npcdcsrajasthan@gmail.com> Contact No. : 9413923136

क्रमांकः एन.सी.डी./CEA/2021–22/460-70 दिनांकः 27-7-2021

समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
राजस्थान।

विषयः–क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट एक्ट 2010 एवं राजस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट रूल्स 2013 के अन्तर्गत निजी चिकित्सालयों का अस्थाई एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला के स्थाई पंजीकरण की सूचना प्रेषित करने बाबत।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट एक्ट 2010 एवं राजस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट रूल्स 2013 के अन्तर्गत सभी पद्धति के राजकीय एवं निजी चिकित्सालय, क्लिनिक तथा अन्य चिकित्सा संस्थानों का अस्थाई पंजीकरण किया जाना है एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला के न्यूनतम मानक की अधिसूचना जारी हुए 2 वर्ष से अधिक समय होने के कारण उनका केवल स्थाई पंजीकरण ही किया जाना है।

राजस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट रूल्स 2013 की धारा 5(3) के अनुसार जिन चिकित्सा संस्थानों का अस्थाई पंजीकरण किया गया है उनकी सूचना 45 दिवस में विभागीय वेबसाईट एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का प्रावधान है।

उक्त रूल्स की धारा 6(2) के अनुसार रोग विज्ञान प्रयोगशाला स्थाई पंजीकरण किया जाना है, के द्वारा न्यूनतम मानक की पूर्ति की गई है, के संबंध में 30 दिवस में आपत्ति (Objection) लेने हेतु प्रपत्र 4 को भरकर दो स्थानीय समाचार पत्रों मे प्रकाशित एवं विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने का प्रावधान है।

उक्त एक्ट एवं रूल्स के अन्तर्गत चिकित्सा संस्थानों एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला का अस्थाई एवं स्थाई पंजीकरण के संबंध में विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने एवं दो स्थानीय समाचार पत्रों मे प्रकाशित करने के संबंध में सूचना निदेशालय को प्रेषित नहीं की जा रही है जिससे उक्त एक्ट एवं रूल्स में वर्णित नियम का उल्लंघन (Violation) हो रहा है।

अतः वर्तमान में अस्थाई/स्थाई पंजीकृत चिकित्सा संस्थान/रोग विज्ञान प्रयोगशाला की सूचना संलग्न प्रपत्र में दिनांक 26.07.2021 तक ईमेल आईडी npcdcsrajasthan@gmail.com पर भिजवाना सुनिश्चित करें तथा भविष्य में अस्थाई/स्थाई पंजीकृत किये गये चिकित्सा संस्थान/रोग विज्ञान प्रयोगशाला की सूचना प्रत्येक माह की 1 व 16 तारीख को उक्त ईमेल आईडी पर भिजवाना सुनिश्चित करें। सूचना समय पर नहीं भिजवाने की स्थिति में एक्ट/रूल्स का उल्लंघन(Violation) मानते हुए होने वाली विभागीय कार्यवाही के लिए आप स्वयं व्यक्तिशः जिम्मेदार होंगे।

पत्र को पूर्ण प्राथमिकता देवें।

संलग्नः–उपरोक्तानुसार।

निदेशक (जन स्वा.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
जयपुर (राज.)

क्रमांकः एन.सी.डी./CEA/2021–22/460-70 दिनांकः 27-7-2021

प्रतिलिपिः निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:–

1. निजी सचिव, शासन सचिव महोदय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, निदेशक (जन स्वा./आरसीएच) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जयपुर।
3. समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान।
4. समस्त संयुक्त निदेशक, जोन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें. राजस्थान।
5. समस्त उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा.), राजस्थान।
6. समस्त क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट एक्ट सैल, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राज.।
7. प्रभारी, सर्वर रूम, मुख्यालय।
8. कार्यालय प्रति।

संयुक्त निदेशक (चि.प्र.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
जयपुर (राज.)

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908